अम्बर ऑफसेट प्रा. लि.
केडलगंज, अलवर
अत्याधुनिक छपाई का विश्वसनीय स्थान
अत्याधुनिक तकनीक से प्लेट मेकिंग, ग्राइंडिंग एवं नेगेटिव, पोजिटिव के लिए सम्पर्क करें-
फोन नं.- 2335105

सांध्य ज्योति दर्पण

www.dainiksandhyajyotidarpan.com

वर्ष 35 | अंक 217 | अलवर, सोमवार, 11 अगस्त 2025 | जयपुर, अलवर, नागौर व भरतपुर से एक साथ प्रकाशित | पृष्ठ 8 | मूल्य : एक रु.

अम्बर ऑफसेट प्रा. लि.
केडलगंज, अलवर
अत्याधुनिक छपाई का विश्वसनीय स्थान
अत्याधुनिक तकनीक से प्लेट मेकिंग, ग्राइंडिंग एवं नेगेटिव, पोजिटिव के लिए सम्पर्क करें-
फोन नं.- 2335105

बहरोड़, भिवाड़ी, राजगढ़, तिजारा, कोटकासिम, थानागाजी, मालाखेड़ा, लक्ष्मणगढ़, किशनगढ़बास, कठूमर, खेड़ली, बानसूर, खैरथल, गुरुग्राम, धारूहेड़ा व रेवाड़ी से प्रसारित

फसल बीमा क्लेम वितरण समारोह

अलवर, 11 अगस्त (निसं)। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत फसल बीमा क्लेम वितरण समारोह का जिला स्तरीय कार्यक्रम 11 अगस्त को दोपहर 12 बजे मिनी सचिवालय के सभागार में आयोजित होगा।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पूरन चंद मीणा ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में 11 अगस्त को झुंझुनू में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत फसल बीमा क्लेम वितरण समारोह आयोजित होगा जिसका वर्चुअली प्रसारण किया जावेगा।

उन्होंने सहायक कृषि विस्तार अलवर व राजगढ को निर्देशित किया है कि फील्ड कार्मिकों को पाबंद कर ग्राम पंचायत स्तर पर 50 कृषकों एवं ब्लॉक स्तर पर 50 योजना के लाभांवित कृषकों की भागीदारी सुनिश्चित कार्यक्रम में सुनिश्चित करावे तथा जिला स्तरीय कार्यक्रम में फसल बीमा कंपनी द्वारा योजना के 40 लाभांवित कृषक व सहायक कृषि अधिकारी उमरैण द्वारा 10 कृषकों की भागीदारी सुनिश्चित करावे।

श्री बैकुंठ धाम मंदिर में नौ दिवसीय राम कथा 28 से

अलवर, 11 अगस्त (निसं)। ल माता हरिद्वार गिरीजी महाराज की 14 वीं पुण्यतिथि पर बैकुंठ धाम मंदिर स्कीम नंबर दो में 28 अगस्त से 9 सितम्बर तक नौ दिवसीय श्री राम कथा का आयोजन होगा।

महंत श्री सुमेर गिरी गिरी जी महाराज के मुखारविंद से 28 अगस्त से 9 सितंबर तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से श्रीराम कथा का भव्य आयोजन होगा। सुमेर गिरी महाराज ने अधिक से अधिक संख्या में भक्त जनों से श्री राम कथा का श्रवण कर धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

लखनऊ-जयपुर वंदेभारत ट्रेन चलाने की मांग

अलवर, 11 अगस्त (निसं)। लखनऊ-जयपुर-लखनऊ स्लीपर वंदेभारत ट्रेन के संचालन को लेकर नई चर्चाएं तेज हो गई हैं। फिलहाल इसके कानपुर सेंट्रल-भरतपुर-बांदीकुई मार्ग से चलने की अपुष्ट खबरें हैं। इसी बीच, अलवर रेल विकास संघ के उपाध्यक्ष अखिलेश शुक्ला ने ट्रेन का रूट बदलकर बांदीकुई-अलवर-गोवर्धन-मथुरा-आगराकैंट/फोर्ट करने की मांग उठाई है।

इस संबंध में उन्होंने रेल मंत्री को पत्र भेजा है, जिसकी प्रतिलिपि अलवर सांसद और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव सहित संबंधित रेल अधिकारियों को भी भेजी गई है।

शुक्ला ने अपने पत्र में उल्लेख किया कि पूर्व में 12035/36 जयपुर-आगराफोर्ट-जयपुर शताब्दी एक्सप्रेस वाया भरतपुर चलाई गई थी, जो कम यात्री भार के कारण बंद हो गई। उनका कहना है कि वंदेभारत को कानपुर सेंट्रल-आगराकैंट/फोर्ट-मथुरा जंक्शन-गोवर्धन-अलवर जंक्शन मार्ग से संचालित किया जाए, जिससे आगरा, मथुरा और गोवर्धन जैसे बड़े धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के यात्रियों को सीधी सुविधा मिल सके।

उन्होंने बताया कि गोवर्धन भगवान श्रीकृष्ण का प्रमुख तीर्थस्थल है, जबकि अलवर 5 लाख से अधिक आबादी वाला शहर है, जहां भानगढ़ किला और सरिस्का टाइगर रिजर्व जैसे प्रमुख पर्यटन स्थल स्थित हैं।

इस मार्ग से ट्रेन चलने पर न केवल पर्यटकों को सुविधा होगी बल्कि रेलवे को भी बेहतर राजस्व प्राप्त होगा। साथ ही, अलवर के निवासियों के लिए अयोध्या की यात्रा भी आसान हो जाएगी।

तिरंगा हमारी आन-बान-शान, इसी से भारत की पहचान

फोटो : राजेश सैन

अलवर जिला मुख्यालय पर 79वें स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां जोरों से शुरु हो गई हैं। प्रसिद्ध झील सिलीसेढ़ में पर्यटकों ने तिरंगा लहराया। वहीं इंदिरा गांधी स्टेडियम में परेड की रिहर्सल शुरू की।

नर्सिंगकर्मी की ड्यूटी से लौटते समय ट्रक की टक्कर से दर्दनाक मौत

अलवर, 11 अगस्त (नसं)। शहर में 200 फीट रोड पर फ्रेंड्स गार्डन के सामने निजी अस्पताल से ड्यूटी कर घर लौट रहे नर्सिंगकर्मी को ट्रक ने कुचला दिया। इससे उसकी मौत हो गई। ट्रक ऊपर से निकल गया।

घटना के बाद मौके पर नर्सिंगकर्मी व आमजन ने रोड पर जाम लगा दिया।

जानकारी के अनुसार, बंबोली गांव निवासी 26 वर्षीय योगेश जाट पुत्र भजनलाल जाट अग्रेसन सर्किल के निकट स्थित गीतांजलि अस्पताल में नर्सिंगकर्मी था।

सुबह करीब 9 बजे अस्पताल से लौटते समय फ्रेंड्स गार्डन के सामने ट्रक ने कुचल दिया। हादसा दर्दनाक था। ट्रक नर्सिंगकर्मी के ऊपर से निकल गया। इससे उसकी मौके पर मौत हो गई। मृतक के एक बेटा है। घटना के बाद मौके पर रोड पर विरोध प्रदर्शन किया गया। जाम लगाने से वाहनों की लंबी लाइनें लग गई।

पार्षद रिंकू खुदनपुरी ने कहा कि आमजन में प्रशासन के खिलाफ रोष है। आमजन ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। आमजन ने बताया इस रोड पर 8 स्कूल हैं। सुबह स्कूल जाने वाले बच्चों को बड़ी परेशानी होती है। आए दिन दुर्घटनाएं होती है। लेकिन कोई सुनने वाला नहीं है। अब मृतक के घर में मातम छाया हुआ है।

सड़क हादसे में एक युवक घायल

बानसूर, 11 अगस्त (निसं)। अलवर रोड स्थित हाजीपुर पुलिया पर देर रात एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बजरंग कीर (35) पुत्र रामवतार कीर, निवासी गुजरावाली हाजीपुर, गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, बजरंग कीर अपने घर लौट रहे थे। इस दौरान हाजीपुर पुलिया पर अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी और चालक मौके से फरार हो गया। घायल को रोटी बैंक की निशुल्क एंबुलेंस से उपजिला अस्पताल, बानसूर पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए कोटपूतली जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज जारी है।

विवाहिता की इलाज के दौरान मौत

रामगढ़, 11 अगस्त (निसं)। पंचायत समिति के पाटा गांव में एक विवाहिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मृतका के अस्पताल में दिए गए बयान के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

रविवार को मृतका के पीहर पक्ष के लोग आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर थाने पहुंचे। इस मामले की जांच रामगढ़ डीएसपी सुनील कुमार शर्मा कर रहे हैं।

मृतका तबस्सुम के भाई शाकिर खान ने बताया कि 2019 में उसकी दो बहनों की शादी पाटा निवासी असलम और तालीम पुत्र आशु खान से हुई थी। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज में फोर व्हीलर और नगदी की मांग कर रहा था तथा इसको लेकर तबस्सुम के साथ मारपीट की जाती थी।

तबस्सुम के भाई शाकिर ने बताया कि उसकी बहन के पति तालीम के अपने मामा की लड़की के साथ अवैध संबंध थे। तबस्सुम के विरोध करने पर ससुरालजनों ने उसके साथ लाठी-डंडों से बेरहमी से मारपीट की। बड़ी बहन तरन्नुम ने बचाने की कोशिश की, लेकिन उसके साथ भी मारपीट की गई।

आरोप है कि जान से मारने की नीयत से तबस्सुम को तेजाब पिला दिया गया। तबीयत बिगड़ने पर उसे पहले अस्पताल ले जाया गया, लेकिन खर्च अधिक होने पर घर वापस ले आए। बड़ी बहन ने घटना की जानकारी पीहर पक्ष को दी, जिसके बाद भाई मौके पर पहुंचा और तबस्सुम को फरीदाबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, इस मामले में मृतका के ताऊ की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज किया गया था। अस्पताल में मृतका के बयान भी दर्ज किए गए थे। फिलहाल जांच डीएसपी रामगढ़ के पास है।

बाबा मोहन राम के मेले में श्रद्धालुओं का सैलाब

अलवर, 11 अगस्त (नसं)। भिवाड़ी कस्बे में लोक देवता बाबा मोहन राम के तीन दिवसीय मेले में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। शनिवार शाम 7 बजे मेले का विधिवत उद्घाटन हुआ। उद्घाटन समारोह में एसडीएम लाखन सिंह गुर्जर, एएसपी अतुल साहू, डीएसपी कैलाश चौधरी और बाबा मोहन राम मंदिर ट्रस्ट के महंत अमर भगत ने संयुक्त रूप से फीता काटकर मेले का शुभारंभ किया। इसके बाद सभी ने महाआरती में हिस्सा लिया। यह मेला 11 अगस्त तक चलेगा और इस मेले में लाखों श्रद्धालु पहुंचते है।

श्री जगन्नाथ मंदिर में हिंडौले धूमधाम से संपन्न

अलवर, 11 अगस्त (नसं)। सावन का महीना हरियाली और खुशियों का प्रतीक है, जिसमें तीज, राखी, हरियाली अमावस्या, सिंजारा और हिंडोला जैसे त्यौहार धूमधाम से मनाए जाते हैं।

महंत पुष्पेन्द्र शर्मा ने बताया कि जैसे वर्षों से वृंदावन में बांके बिहारी जी स्वर्ण और चांदी के झूलों में विराजमान होकर झूलते हैं, वैसे ही अलवर के प्राचीन जगन्नाथ मंदिर में भी भगवान को झूलाने की परंपरा है।

मंदिर में सावन के झूले ग्यारस से लेकर राखी तक झुलाए जाते हैं। राखी के दिन भगवान जगन्नाथ जी को झूले में विराजमान कर भक्त झुलाते हैं।

बरसात की रिमझिम फुहारों और सावन की ठंडक में भगवान के इस अलौकिक दर्शन से श्रद्धालु भावविभोर हो जाते हैं। महंत ने बताया कि राजा-महाराजाओं के समय में भी यह परंपरा निभाई जाती थी। इस वर्ष रक्षा बंधन के दिन भगवान जगन्नाथ जी को जयपुर से लाई गई रत्नजड़ित राखी भी पहनाई गई।

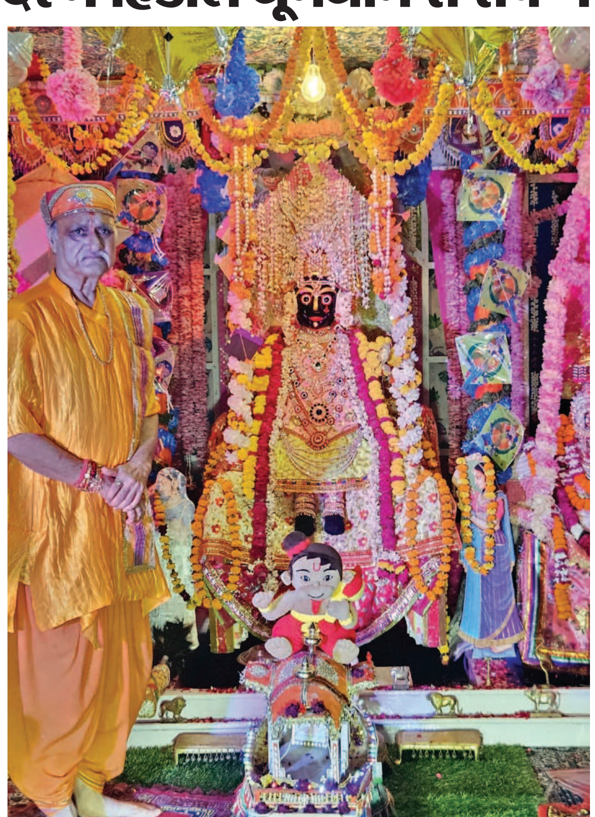

बस में चढ़ रही बुजुर्ग महिला से डेढ़ तोला सोने की चेन लूटी

बहरोड़, 11 अगस्त (निसं)। शहर के मुख्य चौराहे पर रविवार शाम करीब 5: 30 बजे एक बुजुर्ग महिला के साथ चेन स्नैचिंग की घटना सामने आई।

हरियाणा के रेवाड़ी जिले के गांव गोठवाल निवासी संतोष देवी अपने भाइयों को राखी बांधने के बाद अपने ससुराल लौट रही थीं। संतोष देवी गांव कल्याणपुरा में भाइयों से मिलने आई थीं। वह फ्लाईओवर के नीचे हरियाणा रोडवेज की बस का इंतजार कर रही थीं। जैसे ही वह बस में चढ़ने लगीं, उसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर एक युवक ने उनके गले से डेढ़ तोला की सोने की चेन तोड़ ली। गले में झटका लगने से संतोष देवी चिल्लाईं, लेकिन तब तक आरोपी युवक मौके से फरार हो गया। हालांकि, वहां मौजूद लोगों ने उसकी एक महिला साथी को पकड़ लिया और ट्रैफिक पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की सूचना तुरंत बहरोड़ थाने को दी गई, जहां पुलिस ने महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अब फरार आरोपी युवक की तलाश में जुटी हुई है।

तिरंगा हमारी शान, देशभक्ति हमारी पहचान

अलवर, 11 अगस्त (नसं)। राजस्थान सेवानिवृत्त पुलिस कल्याण संस्थान जिला शाखा अलवर के अध्यक्ष दिलीप कुमार शर्मा ने बताया कि रविवार सुबह शहीद स्मारक कंपनी बाग से सेवानिवृत्त पुलिस की तिरंगा झंडा रैली तिरंगा हमारी शान है, देशभक्ति हमारी पहचान है नारो के साथ धूमधाम से निकाली गई। आयुष चिकित्सक डा. मनोज शर्मा ने बताया कि रैली नंगली सर्किल, एसएमडी सर्किल, अन्वेषण भवन, मोती डूंगरी होते हुए स्वरूप विलास होटल पहुंची।

तिरंगा रैली को सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक छोटेलाल महलावत तथा उप पुलिस अधीक्षक कैलाश भगती द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। तिरंगा रैली 79 वें स्वतंत्रता दिवस की वर्षगांठ के उपलक्ष में निकाली गई।

तिरंगा झंडा रैली मे जगदीश प्रसाद शर्मा, हरि सिंह, राजेंद्र प्रसाद, द्वारका प्रसाद, हवा सिंह, नर्मदा शंकर, राधे श्याम, पून्या राम, सुरेंद्र, रामकिशन, देवकीनंदन, हीरालाल, रूप सिंह चेची, प्रभु दयाल, राजेंद्र सिंह, पाबू दान, जय नारायण, श्रीराम मीणा, मूलचंद, सुमित्रा, लक्ष्मी चौहान, जय सिंह, दिलीप कुमार, मन्नू राम, कैलाश शर्मा, मनोज आदि द्वारा मोटरसाइकिल पर तिरंगा झंडा रैली निकाली गई। स्वरूप विलास होटल पहुंचकर रैली मीटिंग में परिवर्तन हो गई जहां संगठन के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।

जिले में 'हर घर तिरंगा अभियान' के अंतर्गत कई गतिविधियां

अलवर, 11 अगस्त (नसं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार स्वाधीनता दिवस की वर्षगांठ पर जिले में 15 अगस्त तक जिला मुख्यालय, उपखंड व पंचायत स्तर पर 'हर घर तिरंगा अभियान' कार्यक्रम का आयोजन कर विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। आयोजित कार्यक्रमों के सफल संचालन एवं क्रियान्वयन हेतु जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नोडल अधिकारी रहेंगे।

जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि 11 अगस्त तक जिला, उपखण्ड व ग्राम स्तर के सार्वजनिक स्थान, जल संरचनाएं, जल और सेनिटेशन सूचनाएं, नाली सफाई, ग्रे-वाटर प्रबंधन, पाइपलाइन से वाटर लिकेज को बंद करना, सीएससी, आरआरसी व अन्य परिसम्पत्तियों की सुरक्षा, श्रमदान ग्राम के रास्तों व सार्वजनिक स्थानों पर एवं प्लास्टिक वेस्ट कलेक्शन तथा इसके प्रबंधन संबंधी कार्य कराए जाएंगे तथा 11 अगस्त को जिला स्तर पर कम्पनी गार्डन में सफाई कार्य आयोजित कर श्रमदान किया जाएगा।

इसी प्रकार 12 अगस्त को जिले के ग्रामों में जल जीवन मिशन की संरचनाओं की सफाई और सौन्दर्यकरण के कार्य, जिला, उपखण्ड व ग्राम स्तर पर कचरा प्रबंधन तकनीक (पृथकीकरण, कम्पोंटिग), शौचालय रख-रखाव, जल संरक्षण, भूमिगत जल संग्रहण, जलस्त्रोत संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को हतोसाहित, व्यक्तिगत शौचालय की क्षेत्रवासियों द्वारा सफाई तथा जल एवं स्वच्छता संबंधी सुविधाओं को देशभक्ति थीम से पेन्ट व सजावट के कार्य कराए जाएंगे। वहीं जिला मुख्यालय पर कम्पनी बाग में एवं उपखण्ड, पंचायत व ग्राम स्तर पर हर घर तिरंगा कॉन्सर्ट कार्यक्रम का आयोजन होगा।

उन्होंने बताया कि आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में13 अगस्त को अलवर शहर में होप सर्कस से नंगली सर्किल तक प्रात: 8 बजे से 11 बजे तक तिरंगा यात्रा का आयोजन, मिनी सचिवालय से शहीद स्मारक कम्पनी बाग तक दोपहर 1 बजे कार व बाइक द्वारा हर घर तिरंगा रैली का आयोजन होगा। वहीं जिला स्तर पर होप सर्कस, मिनी सचिवालय, मूसी महारानी की छतरी, नंगली सर्किल, शहीद स्मारक, सागर जलाशय पर तथा उपखण्ड, पंचायत व ग्राम स्तर पर हर तिरंगा रोशनी कार्यक्रम का आयोजन, जिले के समस्त उपखण्ड, पंचायत समिति, नगरीय निकायों व ग्राम स्तर के सार्वजनिक स्थानों व विद्यालयों में प्रात: 8 बजे से 11 बजे तक तिरंगा ध्वज हाथ में लेकर तिरंगा यात्रा का आयोजन होगा। वहीं समस्त उपखण्ड, पंचायत समिति व नगरीय निकायों के सार्वजनिक स्थानों पर दोपहर 1 बजे से बाइक, कार व ट्रैक्टर द्वारा हर घर तिरंगा रैली का आयोजन होगा। 13 अगस्त से 15 अगस्त तक जिले के समस्त कार्यालयों, निजी भवनों, सार्वजनिक स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराना एवं तिरंगा कैनवास व समस्त निजी व सरकारी संस्थानों पर डेकोरेशन होगी तथा जिले के समस्त औद्योगिक इकाइयों में हर घर तिरंगा सेल्फी, रैली तथा कैनवास कार्यक्रम, जिले के विद्यालयों व आंगनबाडी केंद्रों पर प्रदर्शनी व डेकोरेशन होगी।

इसी प्रकार 14 अगस्त को जिला, उपखंड व ग्राम पंचायत स्तर पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत सांय 7 बजे मेले एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा जिसमें स्वतंत्रता सैनिक व सुरक्षा बलों के सेवानिवृत्त कार्मिक, शहीदों के परिवारों को आमंत्रित किया जाकर उनके प्रति आभार व्यक्त किया जाएगा तथा जिला मुख्यालय पर मिनी सचिवालय से प्रताप ऑडिटोरियम तक रंगोली कार्यक्रम व रैली का आयोजन तथा जिले के समस्त विद्यालयों, आंगनबाडी में कार्यकर्ता, सहयोगिनी, सहायिका द्वारा रंगोली कार्यक्रम एवं तिरंगा रैली का आयोजन होगा तथा जिला मुख्यालय पर प्रताप ऑडिटोरियम में डेकोरेशन कार्य, मेले एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा।

15 अगस्त को जिले के समस्त संस्थाओं के कार्मिक, स्थानीय स्वयं सहायता समूह, एनजीओ, भामाशाह, दानदाताओं व गणमान्य व्यक्तियों के साथ सूजल गांव शपथ का आयोजन होगा।

जिले के निजी भवनों व सार्वजनिक स्थानों पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में ध्वजारोहण कार्यक्रम एवं तिरंगा शपथ का आयोजन होगा।

जिले के पर्यटन स्थलों पर देशभक्ति की लहर

अलवर, 11 अगस्त (नसं)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला के निर्देशन में जिले में आयोजित किए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के द्वितीय चरण के कार्यक्रमों में जिलेवासी बढचढकर उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं तथा इन कार्यक्रमों में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाकर देशप्रेम का संदेश दे रहे हैं।

पर्यटन विभाग की उप निदेशक डॉ. टीना यादव ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत रविववार को जिले के पर्यटन स्थल सिलीसेढ, भानगढ व सरिस्का गेट पर पर्यटको ने उत्साह के साथ तिरंगे के साथ शेल्फी ली तथा तिरंगे के सम्मान में आयोजित गतिविधियों में बढ़चढ़ कर अपनी सहभागिता निभाई।

इस दौरान पर्यटकों ने कहा कि अलवर जिला प्रशासन व पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित हर घर तिरंगा अभियान के तहत की गई अनेक गतिविधियां सराहनीय कार्य है।

इससे हमारे देश के वैभवशाली गौरव की झलक के साथ राष्ट्र भक्ति की भावना को बल मिल रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा सौभाग्य है कि तिरंगा के सम्मान के आयोजित इन कार्यक्रमों में हमें शामिल होने का अवसर मिला है। इससे हम बहुत गौरावंवित महसूस कर रहे हैं।

श्रीनाथजी

श्री गौवर्धन परिक्रमा मार्ग में पूंछरी गांव स्थित भगवान श्रीनाथ का आकर्षक श्रृंगार जन्माष्टमी के आगमन की सूचना दे रहा है।

जिले का नाम बदलने पर विरोध तेज

किशनगढ़बास, 11 अगस्त (निसं)। खैरथल ग्रीनलैंड होटल में रविवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मुंडावर क्षेत्र के पूर्व प्रधान रोहताश चौधरी और विधायक दीपचंद खेरिया ने खैरथल जिले का नाम व मुख्यालय बदलने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया।

दोनों नेताओं ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस निर्णय को वापस नहीं लिया तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खैरथल की जनता अपने जिले की पहचान के साथ कोई समझौता नहीं करेगी और इस मुद्दे पर एकजुट होकर संघर्ष किया जाएगा। इस दौरान गिरीश डाटा, ओम प्रकाश रोघा, विक्की चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बलराम पूर्णिमा पर इस्कॉन केन्द्र बांसवाड़ा में उत्सव मनाया

बांसवाड़ा। सुभाष नगर प्रोफेसर कॉलोनी स्थित इस्कॉन केन्द्र बांसवाड़ा में बलराम पूर्णिमा पर सत्संग संकीर्तन भजन विविध धार्मिक अनुष्ठान विश्व आत्मा दास प्रभु की अगुवाई में सम्पन्न कर उत्सव मनाया गया।

इस अवसर पर समारोह में आचार्य अभिनंदन निमाई प्रभु और अभय गौरांग दास प्रभु ने प्रवचन में बताया कि विविध धार्मिक अनुष्ठान द्वारा योगेश्वर श्री कृष्ण भक्ति साधना युक्त होकर भ्राता श्री बलराम जी का अभिषेक दिव्य सुगन्धित द्रव्यों अबीर गुलाल इत्र चन्दन सहित विशिष्ठ मंत्रों से विशेष फलदाई है।

इस अवसर पर साधिका रचना व्यास ने बताया कि धार्मिक समारोह में विश्व आत्मा दास प्रभु ने भगवान् योगेश्वर श्री कृष्ण को विशेष पोशाक,आभूषण से सजाया जिसमें दिव्य मंत्रों युक्त सुगन्धित

चंदन टिका लगाया ओए शिक्षाओं का आरती विधान पूर्ण किया।

इस अवसर पर अचिंत्य दशरथी प्रभु ने अपने पिता की पुण्यतिथि पर बलराम जयंती मनाने के लिए इस्कॉन बांसवाड़ा को 5000 रुपये का दान दिया है। हम भगवान बलराम से प्रार्थना करते हैं कि वे उन्हें और उनके परिवार को उत्तम स्वास्थ्य, समृद्धि और कृष्ण प्रेम प्रदान करें।

कृपया हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे का जप ज़ोर से, स्पष्ट रूप से, ध्यानपूर्वक और नियमित रूप से करें और प्रसन्न रहें।

इस अवसर पर समारोह में चंद्रकांता माताजी, अर्चना अनिता, कृपाली भट्ट, हिमानी पाठक अचिंत्य दृष्टि प्रभु, रचना व्यास, कुशल, डिम्पल, सुनील, सुरेश, नैमिष, निखिल, नीरज पाठक, शाबुनी मंडल, खुशी त्रिवेदी अंजलि, दीपिका, विभा अर्चना, अनिता, भारती, चैतन्य, सहित कई साधक साधिकाओं श्रद्धालुओं ने संकीर्तन भजन ओर विविध धार्मिक अनुष्ठान में भाग लिया।

पांच हजार पौधारोपण कर कृष्ण निकुंज वाटिका का निर्माण करेगा इस्कॉन परिवार

बांसवाड़ा। सुभाष नगर प्रोफेसर कॉलोनी स्थित इस्कॉन केन्द्र बांसवाड़ा से जुड़े सेवादार ने हरियालो राजस्थान के तहत जिले भर में पांच हजार पौधारोपण करने का लक्ष्य आवंटित किया गया हैं।

इस हेतु विश्व आत्मा दास प्रभु के आव्हान पर शहर ओर निकटवर्ती कस्बों उपखण्ड मुख्यालय पर इस्कॉन परिवार

एक पौधा परिवार के नाम लगाने सहित उसे दो वर्ष तक देखभाल करके वृक्ष बनने तक साधक साधिकाओं श्रद्धालुओं ने संकल्प लिया। इस अवसर पर खांदू कॉलोनी निवासी साधक परिवार में पिता आकाश डामोर ने अपने बेटे के जन्म दिवस पर माता श्रीमति शीतल चरपोटा द्वारा कलेक्ट्री परिसर में पौधा लगाया।

इसके अलावा डामोर दम्पत्ति ने कलेक्ट्री विभाग में प्रकृति की रक्षा और उसकी सुरक्षा के लिए समस्त विभाग कमेंटी को 101 औषधीय पौधे भेट किए।

इस अवसर पर सादे समारोह

में इस्कॉन केन्द्र बांसवाड़ा के आचार्य विश्व आत्मा दास प्रभु ने कहा कि प्राकृतिक असंतुलन के कारण उत्तराखण्ड धरर्याली गांव में बादल फटने की घटनाएं बढ़ रही हैं जोकि कम हरियाली की वजह से है कुछ वर्षो से कम वर्षा-बढ़ती गर्मी, प्रदुषण महामारी जैसी आपदाओं का सामना करना पड़ा है सभी समस्याओं का प्राकृतिक तौर पर एक मात्र निदान और सहारा हैं पौधारोपण कर तीन वर्ष तक सार संभाल करना होगा।

उन्होंने आव्हान किया कि प्रत्येक सनातनी वैष्णव साधक परिवार अपने परिजन की मधुर स्मृतियों को संजोए रखने हेतु नव बच्चे के जन्म होने पर, प्रतिवर्ष सालगिरह पर, परिजन की मृत्यु के अवसर पर पौधे लगा कर हम न केवल प्रकृति की रक्षा कर अपना एवं अपना आने वाला भविष्य को शुद्ध और सुंदर कर सकते हैं बल्कि शुद्ध पर्यावरण से स्वास्थ्य लाभ भी ले सकते है ।

भगवान् योगेश्वर श्री कृष्ण जी को भी निकुंज वाटिका,औषधीय गुणवत्ता युक्त पौधे विशेष प्रिय थे।

एक पेड़ मां के नाम, प्रदेशाध्यक्ष मणीबेन पटेल ने मां के नाम एक पेड़ लगाया

उदयपुर। सर्व ओबीसी समाज महापंचायत ट्रस्ट की

महिला प्रदेशाध्यक्ष मणीबेन पटेल ने रक्षाबंधन पर पार्क में मां के नाम एक अमरूद का पेड़ लगाया। प्रवक्ता नरेश पूर्बिया ने बताया कि पार्क में फलदार पेड़ लगाने से पर्यावरण शुद्ध होता हैं और पक्षियों को आश्रय और भोजन मिलेगा। पटेल पेड़ लगाकर संरक्षण की शपथ ली। बालकों को पेड़ों के महत्व के बारे में जानकारी दी।

सीएनआई चर्च परिसर में पौधारोपण कर रक्षा सूत्र बांधे

कोटा। 999 पर्यावरण समिति की ओर से रविवार को पुरानी सब्जीमंडी स्थित सीएनआई चर्च परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्ष संदीप भाटिया ने बताया कि मुख्य अतिथि संरक्षक तरूणकांत सोमानी व पुलिस उपाधीक्षक राजेश टेलर ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। समिति ने पौधे बड़े होने तक उनकी देखभाल का संकल्प लिया। ईसाई समाज की महिलाओं ने इन पौधों पर रक्षा सूत्र बांधे।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए समिति के सचिव सुनील खरबंदा ने कहा कि समिति अपने 999 पौधारोपण के तहत पौधारोपण किया गया। समिति की ओर से बाजारों में पौधारोपण का कार्य लगातार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 999 पौधरोपण के लक्ष्य को शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा। कार्यक्रम में चर्च के पादरी प्रीतम दीप, सचिव संदीप पॉल, कोषाध्यक्ष सुनील जयसिंह, जसपाल आहलुवालिया, रोहित मैसी, जार्डन सैमुअल, युसुफ सेठी, रूपनारायण श्रृंगी, दिनेश शर्मा, राजू साल्वी, राजू पेसवानी, सतीष अग्रवाल, ओम प्रजापति, सोनू आर्यन व ओमप्रकाश सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

नाम का व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव, बच्चों को दें अर्थपूर्ण नाम

कोटा। विज्ञान नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर इन दिनों अध्यात्म, साधना और आत्मचिंतन का जीवंत केंद्र बना हुआ है। परम पूज्य आचार्य श्री 108 विराग सागर जी महाराज, आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर जी महाराज की पावन सन्निधि तथा गणिनी आर्यिका श्री 105 विभाश्री माताजी एवं आर्यिका श्री 105 विनयश्री माताजी (संघ सहित) के निर्देशन में 13 पिच्छियों का भव्य चातुर्मास उत्सव पूर्ण धार्मिक गरिमा और अनुशासन के साथ संपन्न हो रहा है। दीप प्रज्वलन एवं शास्त्र भेंट का पुण्य अवसर श्रावक श्रेष्ठि परिवार— प्रद्युम्न कुमार, सुलेखा, प्रतीक, ज्योति, प्रगति, अंशुल, प्रतीति एवं प्रांजल जैन (हरसोरा परिवार) को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर महामंत्री अनिल जैन ठोरा ने जानकारी दी कि आगामी 28 अगस्त से दसलक्षण पर्व के पावन अवसर पर श्रावक संस्कार शिविर का आयोजन आर्यिका विभाश्री माताजी के सानिध्य में होगा। इसके लिए पंजीकरण प्रपत्र, नियमावली एवं श्रावक किट का विमोचन रविवार को संपन्न हुआ। प्रवचन में गणिनी आर्यिका श्री 105 विभाश्री माताजी ने कहा कि आयु, प्रभाव, सुख, यश और चरित्र जीवन की मूल धुरी हैं। अहंकार, देहाभिमान और गृहस्थ आसक्ति बढ़ने पर सद्गुण क्षीण होते हैं तथा पुण्य के क्षय से आध्यात्मिक उन्नति में बाधा आती है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के जीवन पर नाम का गहरा प्रभाव पड़ता है, इसलिए बच्चों को सदैव शुभ और अर्थपूर्ण नाम ही प्रदान करने चाहिए। बचपन में रखे गए उपनाम या हास्यपूर्ण नाम भी व्यक्तित्व पर स्थायी असर डाल सकते हैं। माताजी ने श्रद्धालुओं को भगवान के 108 नामों का जाप करने का आग्रह करते हुए कहा कि यह बुद्धि-विकास और आत्मिक प्रगति के लिए अत्यंत लाभकारी साधना है। कार्यक्रम का संचालन पी.के. हरसोरा ने किया। धर्मसभा में राजेंद्र बज, प्रकाश पाटनी, पीयूष बज, मनोज बाहुबली, आयुष बाकलीवाल, हेमंत जैन, सिद्धार्थ जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता अभियान शुरु

पहले दिन सुजल गांव सुजल शहर की शपथ ली

कोटा। राज्य सरकार के निर्देश पर प्रदेश भर में मनाए जा रहे आजादी का अमृत महोत्सव आयोजनों की श्रृंखला में हर घर तिरंगा हर घर स्वच्छता कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार 9 अगस्त से हुई। पहले दिन 'सुजल गांव-सुजल शहर' शपथ करवाई गई। अभियान के अंतर्गत 15 अगस्त तक जिले भर में विविध गतिविधियां जन सहभागिता से आयोजित की जाएंगी।

9 अगस्त को पंचायती राज संस्थाओं के कार्मिकों, स्थानीय स्वयं सहायता समूहों, एनजीओ एवं विभिन्न संगठनों से जुड़े व्यक्तियों ने सुजल गांव/सुजल शहर शपथ ली। सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वच्छता को अपने स्वभाव का स्थाई भाग बनाएंगे तथा स्वच्छता के प्रति सजग रहते हुए सूखा और गीला कचरा अलग-अलग रखेंगे। सिंगल यूज़ प्लास्टिक का उपयोग नहीं करेंगे, जल स्त्रोतों का संरक्षण करते हुए इसके प्रति सामूहिक जागरूकता उत्पन्न करेंगे। हर घर जल कार्यक्रम के तहत बनाई गई परिसंपत्तियों की रक्षा करेंगे। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के तहत तिरंगा वालंटियर के रूप में रजिस्ट्रेशन भी कराया गया।

12 अगस्त तक होंगी स्वच्छता संबंधी गतिविधियां- अभियान के अंतर्गत 12 अगस्त तक जिले के सार्वजनिक स्थान, जल संरचनाएं, जल और सेनिटेशन सूचनाओं, नाली सफाई, ग्रे वाटर प्रबंधन, पाइपलाईनों से वाटर लीकेज बंद करना, सीएससी, आरआरसी और अन्य परिसंपत्तियों की सुरक्षा संबंधित कार्य करवाए जाएंगे। प्लास्टिक वेस्ट कलेक्शन एवं इसके प्रबंधन संबंधी कार्य तथा जल एवं स्वच्छता संबंधी सुविधाओं को देशभक्ति थीम से पेंट एवं सजावट करवाई जाएगी। रास्तों, सार्वजनिक स्थानों आदि पर श्रमदान किया जाएगा।

भारतीय शिक्षा बोर्ड देगा शिक्षा को नई दिशा – डॉ. एन.पी. सिंह

कोटा। भारतीयता, सांस्कृतिक मूल्यों और आदर्श जीवन सिद्धांतों पर आधारित एक सशक्त शिक्षा प्रणाली स्थापित करने के उद्देश्य से गठित भारतीय शिक्षा बोर्ड (BSB), पतंजलि, हरिद्वार देश में शिक्षा के एक नए युग की शुरुआत कर रहा है।

बोर्ड के कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. एन.पी. सिंह ने शनिवार को पत्रकार वार्ता में बोर्ड की आवश्यकता, महत्व, कार्यप्रणाली और विशेषताओं पर विस्तार से जानकारी दी स्कूल शिक्षा परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल शर्मा ने भारतीय शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम व शिक्षा पद्धति के पर अपने विचार व्यक्त किए।

शर्मा ने बताया कि भारतीय शिक्षा बोर्ड,अन्य राष्ट्रीयकृत बोर्ड केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE),भारतीय स्कूल प्रमाणपत्र परीक्षा परिषद (CISCE/ICSE/ISC),राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (NIOS) की तरह राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हैं।

डॉ. सिंह दो दिवसीय कोटा प्रवास के दौरान रविवार को सुबह 10 बजे श्री रामशांताय सभागार, स्वामी विवेकानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल, महावीर नगर तृतीय में आयोजित संभाग स्तरीय संगोष्ठी को संबोधित

करेंगे। इस अवसर पर वे शिक्षा प्रणाली में भारतीय परंपरा, वेद, उपनिषद, योग, संस्कृत जैसी प्राचीन ज्ञानधारा और आधुनिक विज्ञान, गणित एवं प्रौद्योगिकी के समन्वय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

कक्षा 6 से पढ़ाई जाएगी एआई- डॉ. सिंह ने बताया कि बोर्ड का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को नवाचार और नेतृत्व के लिए तैयार करना है।

कक्षा 6 से ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की पढ़ाई शुरू की जाएगी, ताकि बच्चे प्राथमिक स्तर से ही भविष्य की तकनीकी चुनौतियों के लिए तैयार हो सकें। कक्षा 9 में डेटा साइंस का समावेश किया जाएगा, उन्होंने कहा। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं, बल्कि समाज में नेतृत्व और सकारात्मक परिवर्तन लाना होना चाहिए।

अखण्ड भारत का निर्माण जाति और संप्रदाय से ऊपर उठकर, एक भारत की विचारधारा पर आधारित होना चाहिए।

संस्कृति और आधुनिकता का संतुलन- भारतीय शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम में हिन्दी, संस्कृत और अंग्रेजी के साथ संविधान में उल्लिखित सभी भाषाओं को स्थान दिया गया है।

डॉ. सिंह ने कहा, हमारा लक्ष्य शिक्षा को अंकों और डिग्रियों से आगे ले जाकर, चरित्र, संस्कृति, आत्मविश्वास और जीवन कौशल के विकास का माध्यम बनाना है।

बोर्ड की स्थापना को महज छह माह हुए हैं, और वर्तमान में देशभर के लगभग 1,000 विद्यालयों में इसका पाठ्यक्रम लागू किया जा चुका है। तीन वर्षों में की तपस्या 2,000 प्रोफेसर और 5,000 पीजीटी शिक्षकों के साथ सहयोग से विभिन्न विषयों पर 500 संगोष्ठियां आयोजित कर पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है।

गौरतलब है कि भारतीय शिक्षा बोर्ड को भारत सरकार से 4 अगस्त 2022 को औपचारिक मान्यता प्राप्त हुई थी और यह राष्ट्रीय शिक्षा परिषद के रूप में 'स्वदेशी दृष्टिकोण' को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत है।

आदिवासी संस्कृति को बचाने के लिए हमें अपने घर से शुरुआत करनी होगी

आदिवासी मीणा समाज ने धूमधाम से मनाया 'आदिवासी दिवस'

बारां। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी मीणा समाज विकास समिति बारां के तत्वावधान में रजपाली के मीणा छात्रावास पर आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया।

जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल मीणा महुआ ने बताया कि इस अवसर पर छात्रावास की भूमि में विभिन्न किस्मों के 51 पौधे लगाए गए। इसके बाद जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल मीणा की अध्यक्षता में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें पूर्व कॉलेज प्राचार्य शिक्षाविद कृष्णमुरारी मीणा ने आदिवासी संस्कृति पर प्रकाश डाला। बजरंगलाल पीपल्दा ने समाज में व्याप्त कुरीतियों एवं अंधविश्वास को मिटाने के लिए एकजुट होकर प्रयास करने पर जोर दिया।

पूर्व जिलाध्यक्ष रविकांत मीणा ने कहा कि आदिवासी संस्कृति को बचाने के लिए हमें अपने घर से शुरुआत करनी होगी। हमारे पूर्वज प्रकृति पूजक थे। हमें भी उनके बताए मार्ग पर चलना होगा। पूर्व

उपप्रधान रामहेत मीणा ने बताया कि जल, जंगल व जमीन पर हमारा अधिकार है और हमें इनके लिए जागरूक होना पड़ेगा। मीणा कर्मचारी संगठन के जिलाध्यक्ष परमानंद मीणा ने महानायक बिरसा मुंडा की जीवनी पर प्रकाश डाला। बेजनाथ मीणा रजपाली ने बताया कि आदिवासियों को जागरूक करने के लिए जनजागृति अभियान चलाया जाएगा।

युवा जिलाध्यक्ष हेमंत मीणा रजपाली ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता महावीर मीणा टारडा ने किया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष गिरिराज बामली, कोषाध्यक्ष हेमंत बटावदा, संयोजक माणक मीणा मेरमा, मोतीलाल मीणा, मुकुट बिहारी सुंदलक, घासीलाल गजनपुरा, मीणा कर्मचारी संगठन के पूर्व जिलाध्यक्ष देवेन्द्र मीणा, रामावतार मूंडली, लोकेश मीणा, मुकुटबिहारी मीणा, ओमप्रकाश काजीखेडा, धर्मेन्द्र कुमार डूमाला, श्यामममनोहर मीणा, धनराज मीणा, प्रहलाद कुमार मीणा, जसवंत हरिपुरा रामावतार हरिपुरा, अंकित गजनपुरा, हरिओम धनवाड़िया, रेवड़ीलाल मीणा, त्रिलोक, मुकेश, कुलदीप, हरीश, भवरसिंह, राजेंद्र, रिंकेश, मुकुट, मुकेश जगाती, मुकेश, विनोद, पीयूष, गिरिराज, बृजराज रामस्वरूप, लोकेंद्र सहित बड़ी संख्या में आदिवासी मौजूद थे।

आज का राशिफल

सोमवार 11 अगस्त, 2025

- **मेष :** आज का दिन आपके लिए मन मुताबिक लाभ दिलाने वाला रहेगा। कारोबार में आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपको अपने कार्यो पर पूरा ध्यान देना होगा। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा। आपको किसी की कही सुनी बातों पर भरोसा करने से बचना होगा।
- **वृष :** आज का दिन आपके लिए उत्साहपूर्ण रहने वाला है। आपको वरिष्ठ सदस्यों की मदद से काफी कुछ मिलेगा। कोई शारीरिक समस्या होने से मन परेशान रहेगा। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति को यदि आपने धन उधार दिया था, तो वह आपको वापस मिल सकता है।
- **मिथुन:** आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपका कोई फैसला समस्या देगा। आपको किसी परिजन की याद सता सकती है। अध्यात्म के कार्यों के प्रति आपकी काफी रुचि रहेगी। आप किसी दूसरे के मामले में बेवजह न बोलें।
- **कर्क :** आज आपके ऊपर काम का दवाब अधिक रहने से परेशान रहेंगे। आपकी निर्णय लेने की क्षमता बेहतर रहेगी। आपको जल्दबाजी में कोई काम करना नुकसान देगा। आप किसी के बहकावे में आकर इन्वेस्टमेंट करने से बचें, नहीं तो उसमें आपका धन फंस सकता है।
- **सिंह :** आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपके मन में किसी काम को लेकर यदि उलझन चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। राजनीति में कार्यरत लोग अपने विरोधियों से सतर्क रहे, नहीं तो वह उनकी छवि को खराब करने की कोशिश कर सकते हैं।
- **कन्या :** आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपनी शौक मौज की चीजों पर अच्छा खासा खर्चा करेंगे। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। यदि आपका धन कहीं अटका हुआ था, तो उसके भी आपको मिलने की पूरी संभावना है।
- **तुला :** आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको अपने सगे संबंधियों का पूरा साथ मिलेगा। नौकरी पैसा जातकों को अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा। कार्यक्षेत्र में आपको टीम वर्क के जरिए काम करने का मौका मिलेगा। आप किसी लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं।
- **वृश्चिक :** आज का दिन आपके लिए सुख साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप परिवार के सदस्यों के साथ मौज मस्ती भरे पल व्यतीत करेंगे। आज का दिन आपके लिए आनंद में रहने वाला है। आप अपने निर्णय से लोगों को हैरान करेगे। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा।
- **धनु :** आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें आपको अच्छी सफलता मिलेगी, लेकिन आपको अपनी सेहत को लेकर थोड़ा एतियात बरतनी होगी।
- **मकर :** आज का दिन आपके लिए इनकम में वृद्धि लेकर आने वाला है। पारिवारिक मामलों को लेकर आपको कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। आप अच्छे भोजन का आनंद लेंगे और आप अपने मनचाहे खर्चों को भी आसानी से कर सकेंगे, जिससे आपका मन काफी खुश रहेगा।
- **कुंभ :** आज का दिन आपके लिए कुछ नए संपर्कों से लाभ लेकर आएगा। यदि आपकी कोई परेशानी थी, तो उसके आपको मिलने की पूरी संभावना है। आप किसी से कोई बात बहुत ही तोल मोल कर बोले, नहीं तो उन्हे आपकी बात गलत लग सकती है। कार्य क्षेत्र में आपके छुपे हुए राज बाहर निकलेंगे।
- **मीन :** आज का दिन व्यवसाय कर रहे लोगों के लिए काफी अच्छा रहने वाला है। आप अपने जरूरी कामो पूरा ध्यान देंगे। आपका मन यदि किसी बात को लेकर परेशान रहेगा, तो आप उसमें धैर्य बनाए रखें। आपके कुछ नए प्रयास रंग लाएंगें।

वृक्षाबंधन महोत्सव में गुंजे पर्यावरण संरक्षण के संकल्प

आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी के सानिध्य में कोटा में सम्पन्न हुआ अनूठा आयोजन

मन, वचन और काय से श्रावकों ने लिया वृक्षों के संरक्षण का संकल्प

कोटा, 11 अगस्त। प्रज्ञा अनुपम वर्षायोग 2025 के अंतर्गत रविवार को 'वृक्षाबंधन महोत्सव' का भव्य आयोजन मोहन वाटिका, महावीर नगर प्रथम में धार्मिक और उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। तपोभूमि प्रणेता आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर जी महाराज ससंघ की पावन उपस्थिति में श्रद्धालुओं ने वृक्षों के प्रति संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लेते हुए उन्हें राखी बांधी।

गुरु आस्था परिवार अध्यक्ष लोकेश जैन एवं महामंत्री नवीन दौराया ने बताया कि प्रातः 8 बजे गुरुदेव के साथ श्रद्धालु प्रज्ञालोक से मोहन वाटिका तक शोभायात्रा के रूप में पहुंचे। थाली में कुमकुम, चावल, दीपक और राखी लेकर सभी ने वृक्षों को रक्षा सूत्र अर्पित किया। इसके पश्चात सूर्य वंदन के साथ वृक्ष रक्षा का संकल्प लिया गया। इस कार्यक्रम में मोहन वाटिका लाफ्टर क्लब के सदस्यों का भी सहयोग रहा।

चैयरमैन यतीश जैन खेड़ावाला ने बताया कि इस अवसर पर प्रतीकात्मक रूप से विष्णुकुमार द्वारा आचार्य अकंपन और उनके 700 मुनि शिष्यों की रक्षा की करुण कथा को दर्शाने वाली एक वृहद राखी का निर्माण सुनीता नगेदा द्वारा किया गया। गुरु भक्तों में आपरेशन सिंदुर की राखी बनाकर पेडो के बांधी गई।

आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज ने प्रवचन में कहा कि जैसे रक्षा बंधन परिवारिक संबंधों में प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक है, वैसे ही 'वृक्षाबंधन' प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के प्रति हमारी जिम्मेदारी का संदेश देता है। उन्होंने उपस्थित श्रावकों को मन, वचन और काय से यह संकल्प दिलाया कि वे कभी भी किसी पेड़ को क्षति नहीं पहुंचाएंगे, और यदि किसी अपरिहार्य स्थिति में पेड़ काटना आवश्यक हो, तो उसके बदले कम से कम 10 नए पेड़ अवश्य लगाएंगे। इस कार्यक्रम के संयोजक भूपेंद्र जैन पिड़ावा, जीवंधर जैन सोगानी,अजय जैन रपरिया, कमल जैन लुहाड़िया, मनोज जैन पापड़ीवाला, पंकज जैन लुहाड़िया रहे। कोषाध्यक्ष अजय जैन ने बताया कि रविवार को चातुर्मास अंतर्गत दीप प्रज्वलन, शांतिधारा और आरती सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान भी सम्पन्न हुए,जिसके पुण्यार्जक परिवार श्रावक श्रेष्ठी परिवार राजेश (बंटी), सुनिता प्रियेश मोहिता

चि.पुनीत खुशबू ,मोक्षा एवं समस्त मड़िया परिवार गुलाबबाड़ी कोटा रहे। कार्यक्रम का संचालन भावपूर्ण वातावरण में हुआ, जिसमें गुरु आस्था परिवार, दिगंबर जैन समाज महावीर नगर प्रथम तथा श्री सकल दिगंबर जैन समाज समिति, कोटा का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर एडीशन एसपी पारस जैन, पार्षद योगेन्द्र शर्मा,सकल समाज के अध्यक्ष प्रकाश बज, संजय जैन मुंबई,शैलेन्द्र जैन, के पी सिंह,योगेश सिंगम, अजय जैन मेहरूवाला,महेन्द्र जैन, अभिषेक पोटल्या, विजय लुहाडिया, नितिन बाबरिया, आदि मौजूद रहे।

अशोक मीणा व अक्षय वाल्मीकि का किया सम्मान

कोटा, 11 अगस्त। मॉर्निंग क्लब शिवाजी पार्क द्वारा क्लब परिवार के दो सदस्यों अशोक मीणा, अक्षय वाल्मीकि का पार्क

में शिवाजी स्टेच्यू पर स्वागत सम्मान किया जाएगा। मॉर्निंग क्लब के अध्यक्ष धर्मेंद्र दीक्षित ने बताया कि अशोक जी मीणा को जिला क्रिकेट संघ का संयुक्त सचिव बनने पर सम्मान किया गया और क्लब के उपाध्यक्ष सुरेश जी वाल्मीकि के पुत्र 'अक्षय जी वाल्मीकि' को सफाई कर्मचारियों के हित और कल्याण के लिए सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग कोटा द्वारा जिला स्तरीय सर्वेक्षण समिति का सदस्य बनाएं जाने पर सम्मान किया गया।

मॉर्निंग क्लब के पदाधिकारी ने दोनों को सफा, मारा, दुपट्टा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अशोक मीणा ने कहा की शहर की कच्ची बस्तियों एवं ग्रामीण क्षेत्र से क्रिकेट की अच्छी प्रतिभाओं को जिला और राज्य स्तर पर पहुंचाने का कार्य करूंगा।

अक्षय वाल्मीकि ने कहा कि नगर निगम के सफाई कर्मचारियों के हित में कार्य करूंगा और उनकी समस्याओं को राज्य सरकार तक पहुंच कर उसका समाधान करवाऊंगा।

मदन जोशी 'सार्थक की पुस्तक का होगा विमोचन'

उदयपुर, 11 अगस्त। अखिल भारतीय साहित्य परिषद उदयपुर एवं राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में फलासिया के लेखक मदन जोशी 'सार्थक' की पुस्तक हार नहीं मानूंगा का लोकार्पण राजस्थान साहित्य अकादमी उदयपुर के पुस्तकालय में होगा।

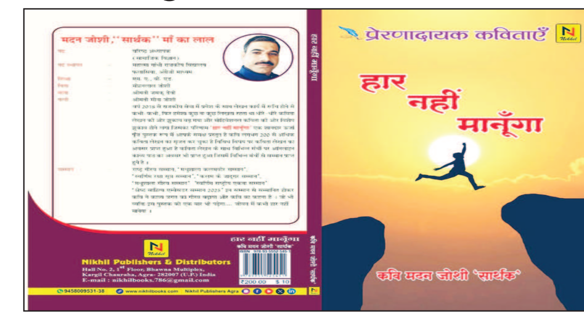

श्रीमती प्रियंका भट्ट ने बताया कि 12 अगस्त मंगलवार अपराह्न 3 बजे अकादमी परिसर के पुस्तकालय परिसर में पुस्तक का विमोचन एवं उस पर परिचर्चा होगी।

फलासिया एसीबीईओ डॉ बाल गोपाल शर्मा 'आवेश' कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे, राजस्थान साहित्य अकादमी सचिव बसंत सिंह सोलंकी मुख्य अतिथि, सुखाड़िया विवि के हिंदी के सह आचार्य डॉ आशीष सिसोदिया व साहित्यकार भूपेंद्र शर्मा विशिष्ट अतिथि होंगे।

वरिष्ठ साहित्यकार आशा पाण्डेय ओझा 'आशा', डॉ निर्मला शर्मा, डॉक्टर कामिनी व्यास रावल, प्रेम. एस. गुर्जर पुस्तक पर अपने पत्र और विचार प्रस्तुत करेंगे। लेखक की यह पहली पुस्तक है जिसमें प्रेरणास्पद कविताओं, कहानियां का संकलन है।

काव्य गोष्ठी का होगा आयोजन - पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के पश्चात दूसरे सत्र में राष्ट्रवंदन काव्य गोष्ठी में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्र प्रेम की कविताओं का प्रस्तुतिकरण होगा।

शहर के जाने-माने कविगण अपनी कविताओं की प्रस्तुति देंगे। साहित्यकार डॉ गोपाल राजगोपाल इस सत्र की अध्यक्षता करेंगे।

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ दिलीप धींग कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे तथा साहित्यकार शकुंतला पालीवाल व लक्ष्मी लाल खटीक गोष्ठी सत्र के विशिष्ट अतिथि होंगे।

यूरिया का सभी जिलों में पारदर्शितापूर्ण वितरण, प्रदेश में वर्तमान में 1 लाख 70 हजार मै.टन यूरिया उपलब्ध

धौलपुर, 11 अगस्त। कृषि विभाग की ओर से यूरिया की दैनिक उपलब्धता की समीक्षा कर कम उपलब्धता एवं अधिक खपत वाले जिलों को चिन्हित करते हुए सभी जिलों में प्राथमिकता से पूर्ण पारदर्शिता से वितरण किया जा रहा है।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी श्री राजन विशाल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा निरन्तर केन्द्र सरकार से समन्वय कर प्रदेश में मांग अनुसार उर्वरकों की आपूर्ति करवाई जा रही है। प्रदेश में वर्तमान में 1 लाख 70 हजार मैट्रिक टन (एम.टी.) यूरिया सभी जिलों में उपलब्ध है। श्री गंगानगर जिले में सबसे अधिक 18777 एम.टी. जोधपुर में 12971, टोंक में 11900, नागौर में 8851 एवं बारां में 8583 एम.टी. यूरिया का स्टॉक उपलब्ध है। कम उपलब्धता वाले जिलों में आगामी 3-4 दिवस में यूरिया की आपूर्ति हेतु कार्यवाही की जा चुकी है।

उन्होने बताया कि केन्द्र सरकार की ओर से यूरिया एवं डीएपी का राज्यों को माहवार व कम्पनीवार आंवटन किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा प्राप्त आंवटन एवं जिलों की मांग के अनुसार जिलेवार आपूर्ति योजना तैयार कर उर्वरकों का वितरण कराया जाता है।

अप्रेल से अगस्त तक केन्द्र से स्वीकृत 8.82 लाख एम.टी. यूरिया के विरुद्ध 6.97 एम.टी. की आपूर्ति एवं आपूर्ति जारी

श्री राजन विशाल ने बताया कि खरीफ में अप्रेल से अगस्त तक भारत सरकार द्वारा आंवटित 8.82 लाख मै.टन यूरिया के विरुद्ध अब तक 6.97 लाख मै.टन की आपूर्ति कराई जा चुकी है एवं माह अगस्त की शेष अवधि में 1.85 लाख मै.टन यूरिया की आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्तृता फर्मो को शत-प्रतिशत आपूर्ति हेतु निर्देशित किया गया है।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी द्वारा अवगत कराया कि कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में अंकित सिफारिशानुसार संतुलित उर्वरकों के उपयोग हेतु प्रेरित करने, उर्वरकों का समान रुप से वितरण कराने व उर्वरक वितरण में अनियमितता बरतने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कार्यवाही हेतु समस्त जिला अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

आयुक्त कृषि सुश्री चिन्मयी गोपाल ने बताया कि गत 3 वर्षो में खरीफ सीजन के माह अप्रेल से अगस्त तक यूरिया की औसत खपत 9.39 लाख मै.टन रही है। खरीफ 2025 में अप्रेल से अब तक यूरिया की कुल मांग 6.88 मांग लाख मै.टन के विरुद्ध राज्य में प्रारम्भिक स्टॉक सहित 9.56 लाख एम.टी. यूरिया की उपलब्धता हो चुकी है एवं निरंतर आपूर्ति जारी है।

उन्होने बताया कि खरीफ 2025 में अप्रेल से अगस्त तक केंद्र सरकार द्वारा आंवटित 4.75 लाख मै.टन डीएपी के विरुद्ध अब तक 2.73 लाख मै.टन की आपूर्ति हो चुकी है। डीएपी के वैकल्पिक उर्वरक एनपीके की 1.23 लाख मै.टन व एसएसपी 1.60 लाख मै.टन की अभी तक आपूर्ति हो चुकी है एवं माह अगस्त की शेष अवधि में 1.18 लाख मै.टन डीएपी की राज्य में आपूर्ति कराई जा रही है।

जब बाजार जायेंगे, माल स्वदेशी लाएंगे - सतीश आचार्य

उदयपुर, 11 अगस्त। स्वदेशी, सुरक्षा, स्वावलंबन अभियान के अंतर्गत शंखनाद कार्यक्रम में आर के सर्कल पर रविवार को विदेशी कंपनी भारत छोड़ो के उदघोष के साथ स्वदेशी जागरण मंच के कार्यकर्ताओं ने विदेशी सामान की होली जलाई।

इस अवसर पर मंच के प्रांत समन्वयक पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि स्वदेशी जागरण मंच समय समय पर समाज जागरण के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता है जिससे समाज में स्वदेशी सामान लेने का भाव बना रहे। इससे स्थानीय उत्पादकों को भी लाभ मिलता है।

स्वदेशी जागरण मंच के क्षेत्र संयोजक सतीश आचार्य ने बताया कि वर्तमान परिपेक्ष्य में जब अमेरिका भारतीय किसानों-मछुआरों आदि का रोजगार छिनने के लिए टैरिफ बढ़ा कर दबाव बनाना चाहता है तो भारत सरकार उनके आगे न झुक कर अपना विश्व पटल पर समर्थन प्राप्त कर रही है।

अमेरिका के इस टैरिफ युद्ध में भारत के साथ रूस आदि देश दे रहे हैं। भारतीय कंपनी अमूल का सहकारी कोपरेटिव होकर भी विदेशी जमीन पर स्टोर खुलना भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था को बताता है। कार्यक्रम संयोजक रमेश पुरोहित ने बताया कि हमें देश को इस नई व्यवस्था में स्वदेशी को बढ़ावा देकर मजबूत करना चाहिए। विदेशी सामान खरीद कर हम अपने ही दुश्मन देश को लाभ पहुंचा रहे होते है। कार्यक्रम के अंत में सभी को स्वदेशी संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर जय सिंह शक्तावत, प्रमोद शर्मा, कमलेश टांक, शंकर रेबारी, जसवंत पुंडीर, प्रकाश डांगी, धीरज बोडा, अनिल मेहता, भेरुलाल तेली, हीरा लाल व्यास, के पी सिंह चुंडावत आदि उपस्थित रहे।

कोटा में 201 पौधों का रोपण, पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ सम्पन्न

गुब्बारों से परहेज़ करें, यह वन्यजीवों के लिए घातक — अनुराग भटनागर

कोटा, 11 अगस्त। वाइल्डलाइफ डिवीजन कोटा और कोटा ग्रीन कम्युनिटी के संयुक्त तत्वावधान में यशोदा केसर वाटिका, अभेड़ा जैविक उद्यान परिसर में रविवार को 201 वृक्षों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. गोपाल सिंह नरूका (अर्थशास्त्री) के परिवार द्वारा उनके माता-पिता की पुण्य स्मृति में किया गया।

आयोजक प्रणव राज सिंह खींची ने बताया कि इस अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों के पर्यावरण प्रेमी एकजुट हुए और हरित विकास का संकल्प लिया। विशिष्ट अतिथि डीसीएफ अनुराग भटनागर ने अपने उद्बोधन में कहा, गुब्बारों का प्रयोग न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक है, बल्कि यह वन्यजीवों के जीवन के लिए भी गंभीर खतरा है। एक गुब्बारे से होने वाला प्रदूषण एक वन्यजीव के नष्ट होने के बराबर है। हमें उत्सवों में ऐसे विकल्प अपनाने चाहिए जो प्रकृति के अनुकूल हों।

मुख्य अतिथि भावना शर्मा ने वृक्षारोपण की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि युवाओं को ऐसे पुनीत कार्यों में अपनी भागीदारी बढ़ानी चाहिए, क्योंकि यह भावी पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य धरोहर है।

अध्यक्षता करते हुए समाजसेवी श्रीमती लीना भटनागर ने कहा कि वृक्षारोपण एक ऐसा कार्य है जो सभी को अपने जीवन में कम से कम एक बार अवश्य करना चाहिए, क्योंकि यह धरती के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है।

इस अवसर पर डॉ. गोपाल सिंह नरूका एवं अन्य अतिथियों ने लघु उद्योग काउंसिल कोटा के अध्यक्ष एल.सी. बाहेती, राष्ट्रपति अवॉर्डी डॉ. आर.सी. साहनी, यज्ञदत्त हाड़ा, बृजेश विजयवर्गीय, गीता दाधीच, कोटा ग्रीन कम्युनिटी के संस्थापक प्रणव राज सिंह खींची, वीर राघवाचार्य, हेमंत छाबड़िया, मनीष त्रिपाठी, मनोज जैन, फलक जैन सहित कई पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने वाले व्यक्तियों को सम्मानित किया। मनीष त्रिपाठी ने बताया कि नरूका परिवार की ओर से सभी अतिथियों का स्वागत पुष्प एवं पौधों से किया गया। वृक्षारोपण में शहर के अनेक पर्यावरण प्रेमी— जी.के. चौधरी, आर.बी. गिरी, डॉ. एल.एन. शर्मा, गिरीश त्रिपाठी, डॉ. सुधींद्र श्रृंगी, एस.एन. टांक, विजय पालीवाल, रामावतार सुमन, राजेंद्र वर्मा, महेंद्र सिंह, रिंकेश कुमार, सिद्धार्थ सक्सेना, भुवनेश सिंघल, जेड. असलम, पराग वर्मा, ओमप्रकाश वैष्णव, असलम आसफी, वीरेंद्र सिंह शक्तावत, पंकज शर्मा, कृष्णा पाराशर, गुरुचरण सिंह, मनोज माली, निधीश त्रिपाठी, विनीत महेश्विया, शिव प्रकाश मालव, ज्योत्स्ना सिंह, अचला त्रिपाठी, शांभवी सिंह, यज्ञा सिंह आदि ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

आईएमए हॉल में विश्व स्तनपान सप्ताह का समापन समारोह सम्पन्न

कोटा, 11 अगस्त। इनर व्हील क्लब कोटा द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के उपलक्ष्य में रविवार को आईएमए हॉल में समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएमएचओ डॉ. नरेंद्र उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अविनाश बंसल एवं डॉ. सी.बी. दासगुप्ता ने की। इस अवसर पर इनर व्हील क्लब अध्यक्ष चारू जैन भी मंचासीन रहीं और युवा माताओं को स्तनपान के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

क्लब सचिव नीरजा कोहली ने बताया कि इस जनसेवा कार्यक्रम का उद्देश्य माताओं को स्तनपान के महत्व से अवगत कराना और प्रसूता एवं गर्भवती महिलाओं को पोषणयुक्त आहार सामग्री प्रदान करना था। अध्यक्ष चारू जैन ने कहा कि स्तनपान केवल एक प्राकृतिक प्रक्रिया ही नहीं, बल्कि नवजात शिशु के सम्पूर्ण विकास का मूल आधार है। इससे शिशु को रोग प्रतिरोधक क्षमता मिलती है और माताओं का स्वास्थ्य भी संतुलित रहता है।

इस अवसर पर डॉ. नीता जैन और नीरजा कोहली सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे। आईएमए महासचिव डॉ. मनीष बोहरा ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की, जबकि वाइस प्रेसिडेंट डॉ. दीपक गुप्ता और अध्यक्ष डॉ. के. श्रृंगी ने आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला।

कटारिया करेंगे एम्बुलेंस का लोकार्पण

उदयपुर, 11 अगस्त। पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया सोमवार दोपहर साढ़े बारह बजे श्री सुन्दर सिंह भंडारी राजकीय जिला चिकित्सालय अंबामाता में टेक फ़ायरफ़्लाई कंपनी की ओर से भेंट इको एम्बुलेंस का लोकार्पण करेंगे। अस्पताल अधीक्षक डॉ राहुल जैन ने बताया कि इस अवसर पर आयोजित होन वाले कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक श्री त्रिलोक पूर्बिया करेंगे। आरएनटी के प्रधानाचार्य एव नियंत्रक डॉ विपिन माथुर भी उपस्थित रहेंगे।

आवर लेडी ऑफ फातिमा चर्च का पहला रक्तदान शिविर सफलतापूर्वक संपन्न

महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने बढ़ाई शिविर की शान

उदयपुर, 11 अगस्त। सामाजिक पहल और रक्तदान के महत्व को ध्यान में रखते हुए, उदयपुर के अलीपुरा स्थित आवर लेडी ऑफ फातिमा चर्च ने रविवार को अपने प्रथम रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर का उद्घाटन आरएनटी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विपिन चंद्र माथुर ने किया और आरएनटी मेडिकल कॉलेज के ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग की एक समर्पित टीम ने समर्थन प्रदान किया।

अपने उद्घाटन भाषण में, डॉ. माथुर ने रक्तदान की जीवन-रक्षक क्षमता पर जोर दिया और बताया कि एक रक्तदाता तीन लोगों की जान बचा सकता है। उन्होंने अंगदान के महत्व को भी उजागर किया और कहा कि अंगदान आठ रोगियों को लाभ पहुंचा सकता है। उन्होंने अंगदान के क्षेत्र में जागरूकता और कार्रवाई बढ़ाने की वकालत की।

उन्होंने अंगदान को बढ़ावा देने के लिए अधिक पहल करने का आग्रह किया।

इस आयोजन में विशेष रूप से महिलाओं की भारी भागीदारी देखी गई।

ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग की सीनियर प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. वंदना छाबड़ा ने कहा 'मैं रक्तदान शिविर के दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी से अभिभूत हूं,'। इस शिविर ने समुदाय की उत्साही भागीदारी के कारण 50 से अधिक यूनिट रक्त सफलतापूर्वक एकत्र किया।

कैथेड्रल के विकर जनरल फादर जॉर्ज सीएम ने अपना आभार व्यक्त किया और रक्तदाताओं को उनके निःस्वार्थ योगदान के लिए बधाई दी। आवर लेडी ऑफ फातिमा चर्च के पेरिश प्रीस्ट फादर बाबू चिरायथ ने डॉ. माथुर और चिकित्सा टीम को उनके अमूल्य समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

उन्होंने भविष्य में ऐसी और सामाजिक पहलों का आश्वासन दिया और चर्च द्वारा आयोजित किए जाने वाले आगामी स्वास्थ्य जांच शिविर के लिए डॉ. माथुर का समर्थन मांगा।

आवर लेडी ऑफ फातिमा पेरिश काउंसिल के उपाध्यक्ष क्लॉड डिसूजा ने कहा कि समाज के लिए ऐसी पहल समय की आवश्यकता हैं और रक्तदान से बेहतर कोई नेक कार्य नहीं हो सकता। आने वाले समय में हम इन रक्तदान शिविरों और अन्य सामाजिक कल्याण शिविरों को नियमित कार्यक्रम बनाएंगे।

काउंसिल सचिव अखिल डिसूजा, थॉमस चाको, जोसेफ फिलिपोस, थैंकाचन केटी, डॉ. राजेश आचार्य, टोनी वर्गीज, सुजा थॉमस, बिंदु अल्फोंस, प्रिया जो, सिन्जो आचार्य, जिन्सी सेबेस्टियन, सनीश थॉमस, अर्पिता मकवान, मरियम्मा वर्गीज, एल्सम्मा पी जे, और अम्मा पी जे ने इस रक्तदान शिविर को बड़ी सफलता दिलाने में अपना सहयोग प्रदान किया।

यह आयोजन चर्च की सामाजिक कल्याण और सामुदायिक सेवा के प्रति प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार के उद्देश्य से भविष्य की पहलों के लिए एक मिसाल कायम करता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का पेंशनर्स के लिए अहम निर्णय

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग दे सकेगा आरजीएचएस में ओपीडी की निर्धारित सीमा में शिथिलता

धौलपुर, 11 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के सुलभ एवं सुचारू संचालन के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। इस दिशा में राज्य सरकार ने राजस्थान राज्य पेंशनर्स चिकित्सा रियायती योजना-2021 में संशोधन किया है।

वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार पेंशनर्स के लिए आरजीएचएस योजना के अन्तर्गत वर्तमान में आउटडोर चिकित्सा सुविधा में दवाइयों के लिए निर्धारित 50 हजार रुपए प्रतिवर्ष एवं जांचों के लिए 5 हजार रुपए की निर्धारित सीमा में वृद्धि के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग एवं उसके अधीन राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेन्सी को शक्तियां प्रदान की गई हैं।

इसके तहत ओपीडी दवाइयों के लिए निर्धारित सीमा में 2 लाख रुपए तक के विस्तार के लिए राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के अतिरिक्त सीईओ या संयुक्त सीईओ (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा अधिकृत), 2 लाख से 7 लाख रुपए तक के लिए राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को प्राधिकृत किया गया है। वहीं 7 लाख रुपए से अधिक के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग (प्रशासनिक विभाग) को प्राधिकृत किया गया है।

इसी तरह चिकित्सा जांचों के लिए निर्धारित 5 हजार रुपए की सीमा को बढ़ाने के लिए, राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्राधिकृत है। उल्लेखनीय है कि निर्धारित सीमा राशि में वृद्धि के लिए पहले यह शक्तियां वित्त विभाग के अधीन थी। जिन्हें अब चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सौंप दिया गया है।

मुख्यमंत्री के इस निर्णय से पेंशनर्स को अपने मेडिकल जरूरतों के मामले में ओपीडी दवाइयों एवं चिकित्सा जांचों की सीमा राशि में शिथिलता प्राप्त करने के लिए अब आवेदन करना और सरल होगा। पेंशनर्स को इसके लिए आरजीएचएस पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड बयाना

क्रमांकः 934 दिनांकः 30.07.2025

निविदा सूचना संख्या : 11/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड बयाना में भवन/सड़क निर्माण कुल 03 कार्य दोष निवारण के लिए उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/ डाक एवं दूर संचार विभाग/ रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न सक्षम श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट **www.eproc.rajasthan.gov.in** एवं **www.sppp.raj.nic.in** पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट **www.eproc.rajasthan.gov.in** पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

NIB No.: PWD2526A2327

UBN No.: 1. PWD2526WSOB08539 (Rs. 29.25 Lakhs)

अधिशाषी अभियंता
डीआईपीआर/सी/11191/2025 सा.नि.वि. खण्ड बयाना

कार्यालय उप वन संरक्षक, भरतपुर

Collectrate Campus Bharatpur

E-mail: dcf.bhp.forest@rajasthan.gov.in, फोनः 05644-222488

निविदा सूचना संख्या 11/2025-26

इस वन मण्डल अधीन रेंज नदबई नाका डहरा मोड़ पर इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में रेंज कार्यालय भवन निर्माण कार्य कराया जाना है। भवन निर्माण कार्य कराये जाने बाबत सक्षम श्रेणी में निर्माण विभाग राजस्थान सरकार (सार्वजनिक निर्माण विभाग/जल संसाधन/जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी आदि) के पंजीकृत एवं पात्र संवेदकों से **https://eproc.rajasthan.gov.in** के माध्यम से खुली ई-निविदाएं (तकनीकी एवं वित्तीय) आमंत्रित की जाती है। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

क्र. सं.	कार्य का विवरण	निविदा प्रस्तुत करने की दिनांक	अनुमानित राशि लाखों में	यू.बी.एन. नंबर
1	रेंज नदबई नाका डहरा मोड़ पर रेंज कार्यालय भवन निर्माण कार्य गगवाना से टोहिला तक	29.7.2025 से 8.8.2025 तक	22.70	FOR2526 WSOB01138

निविदा से सम्बन्धित शर्तें **http://sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in** एवं विभागीय बेवसाइट पर तथा किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय में देखी जा सकती है।

(मानस सिंह)
डीआईपीआर/सी/10974/2025 उप वन संरक्षक भरतपुर

आज का दिन

श्रावण शुक्ल पक्ष द्वितीया, विक्रम सं. 2082, शक संवत् 1947, हिजरी 1447, तद्नुसार अंग्रेजी दिनांक 11 अगस्त, सन् 2025 ईस्वी। वार- सोमवार, सूर्य-उत्तरायण, ऋतु-ग्रीष्म

सम्पादकीय

भारत की सामर्थ्य को समझे अमेरिका

गत दिनों नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार सैटेलाइट (निसार) को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से भारत के जीएसएलवी (जियोसिंक्रोनस सैटेलाइट लांच व्हीकल) राकेट द्वारा अंतरिक्ष में भेजा गया। इस राकेट में स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन लगा है। निसार अब तक का सबसे महंगा नागरिक पृथ्वी इमेजिंग सैटेलाइट है। अमेरिका और भारत के विज्ञानियों द्वारा विकसित इस सैटेलाइट ने तकनीकी दृष्टि से नए मानक स्थापित किए हैं। यह पूरा घटनाक्रम विश्व स्तर पर भारत की बढ़ती अंतरिक्ष शक्ति का प्रतीक भी बना। नासा भी अपने अंतरिक्ष मिशन के लिए इसरो की मदद लेने लगा है। लगभग तीन दशक पहले तक इसी अमेरिका ने भारत को क्रायोजेनिक इंजन पाने से रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किया था। भारत पर कड़े प्रतिबंध लगाए, अंतरराष्ट्रीय दबाव डाला। उसके इन प्रयासों का लक्ष्य केवल भारत को अंतरिक्ष की अग्रणी शक्ति बनने के रेस से बाहर रखना था। लगता है ट्रंप यह नहीं जानते कि भारत दबाव के आगे नहीं झुकता। कुछ दशक पहले इसरो ने पोलर सैटेलाइट लांच व्हीकल (पीएसएलवी) विकसित कर लिया था, जो लगभग 1,750 किलोग्राम वजन के उपग्रह को पृथ्वी की निचली कक्षा में 600-800 किमी की ऊंचाई तक ले जा सकता था। मगर पीएसएलवी की एक सीमा है। यह भारी उपग्रहों को जियोस्टेशनरी कक्षा तक नहीं पहुंचा सकता था, जो पृथ्वी की सतह से लगभग 36,000 किमी ऊपर होती है। यही वह कक्षा है, जहां अधिकांश संचार, मौसम और प्रसारण के उपग्रह काम करते हैं। वहां तक पहुंचने के लिए भारत को और अधिक ताकतवर राकेट की आवश्यकता थी। यह काम क्रायोजेनिक इंजन कर सकता था, पर उसका निर्माण अत्यधिक जटिल होता है। इस इंजन के मुख्य ईंधन तरल हाइड्रोजन को -253 डिग्री सेल्सियस और तरल आक्सीजन को -183 डिग्री सेल्सियस पर स्टोर करना होता है। इन्हें राकेट के भीतर स्थिर रखने और फिर उन्हें प्रज्वलित करने के लिए निपुण इंजीनियरिंग की आवश्यकता होती है। अत्यधिक ठंडे तापमान के कारण धातु की परतों में दरारें आ सकती हैं, वाल्व जाम हो सकते हैं और सील टूट सकती हैं।

भारत पर कड़े प्रतिबंध लगाए, अंतरराष्ट्रीय दबाव डाला। उसके इन प्रयासों का लक्ष्य केवल भारत को अंतरिक्ष की अग्रणी शक्ति बनने के रेस से बाहर रखना था। लगता है ट्रंप यह नहीं जानते कि भारत दबाव के आगे नहीं झुकता।

किसानों की मित्र रेड-वेंटेड बुलबुल का मानसूनी जीवन चक्र

मानसून की आहट नवजीवन और वन्यजीवों की अठखेलियों का एक मनोरम न्योता है द्य पक्षियों की दुनिया में भी एक नई हलचल देखी जाती है। ऐसे ही एक आम लेकिन आकर्षक पक्षी का नाम है रेड-वेंटेड बुलबुल, जिसे वैज्ञानिक भाषा में क्ष्ष्ठ्ठ्रश्ठ्ठ्रश्लह्लह्य ष्ड्डद्भद्दह् कहा जाता है। हमारे छतों के कोनों, बिजली के तारों, बगीचों और मोहल्लों के पेड़ों पर फुदकते हुए यह बुलबुल अपने खास चटक लाल रंग के अंडरटेल पंखों और तेज स्वर की आवाज से आसानी से पहचाना जा सकता है। असल में हमारे घरों के आंगन और आस पास पेड़ों पर सहजता से दिख जाने वाले लाल-वेंटेड बुलबुल को नज़रअन्दाज़ करना ज़रा मुश्किल है। यह भारत, श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, और म्यांमार में बहुतायत से पाया जाता है। यह एक निवासी पक्षी है, यानी यह प्रवास नहीं करता और साल भर एक ही क्षेत्र में रह सकता है। भारत में यह लगभग सभी प्रकार के आवासों में पाया जाता है, शहरी बस्तियों, गांवों, खेतों, बगीचों और यहां तक कि जंगलों में भी। यह पक्षी पर्यावरणीय लचीलापन का उत्कृष्ट उदाहरण है, जो हर मौसम के साथ अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने में सक्षम है। वैसे तो मानसून जीवन के पुनर्जागरण का समय होता है लेकिन पक्षियों के लिए यह मौसम कई चुनौतियां लेकर आता है, जैसे लगातार बारिश, भोजन की खोज में कठिनाई, और घोंसले को सुरक्षित रखना आदि द्य

मानसून की समय और रेड-वेंटेड बुलबुल-मानसून के मौसम में यह पक्षी न केवल अधिक सक्रिय हो जाता है, बल्कि इसके व्यवहार, खानपान और प्रजनन प्रक्रिया में कई रोचक बदलाव भी देखने को मिलते हैं। यही समय इसका मुख्य प्रजनन काल होता है। आमतौर पर अप्रैल से सितंबर के बीच रेड वेंटेड बुलबुल नरम घास, तंतुओं और पत्तियों से प्याले के आकार का घोंसला बनाता है द्य अध्ययन के अनुसार, लाल-वेंटेड बुलबुल घोंसला बनाने के लिए छोटे पत्तेदार, सघन झाड़ियों और पेड़ों को प्राथमिकता देती है। ये प्राय: बेर, गुड़हल, कीकर, शहतूत, बेल, आंवला, झिंझा, जामुन, अशोपाला, रोहिडा और खेजड़ी जैसे वृक्षों में घोंसला बनाती है।

मादा बुलबुल एक बार में दो से तीन अंडे देती है और दोनों अभिभावक मिलकर उनकी देखभाल करते हैं। अंडों से चूजों के निकलने में लगभग 12-14 दिन लगते हैं और लगभग दो हफ्तों के भीतर वे उड़ने योग्य हो जाते हैं। मानसून की लगातार बारिश के कारण बुलबुल जैसे पक्षियों को अपने शरीर को सूखा और स्वस्थ रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होते हैं। बारिश रुकने के बाद ये पक्षी प्रूनिंग करते हैं अर्थात अपनी चोंच से पंखों को संवारते हैं ताकि वे साफ, मजबूत और जलरोधक बने रहें। साथ ही यह देखा गया है कि वे अपने पंखों को फड़फड़ाकर तेजी से सूखाने का प्रयास भी करते हैं।

बुलबुल का आहार और जीवन-लाल-वेंटेड बुलबुल का आहार मानसून में विशेष रूप से विविध हो जाता है। यह सर्वाहारी है, और इस मौसम में यह जामुन, अमरूद, अंजीर जैसे फल, फूलों का पराग, अमृत, कीट, कैटरपिलर और अन्य छोटे कीटों का सेवन करता है। यह पक्षी न केवल अपने लिए भोजन जुटाता है, बल्कि बीजों को दूर-दूर तक फैलाकर वनस्पतियों के बीजों का प्रकीर्णन में भी मदद करता है, जिससे इसे पारिस्थितिक तंत्र में एक अहम भूमिका निभाने वाला पक्षी माना जाता है। भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, बुलबुल स्थानीय जैव विविधता के संतुलन को बनाए रखने में सहायक होता है और यह कीट नियंत्रण में भी भागीदारी निभाता है, जिससे किसान वर्ग को अप्रत्यक्ष रूप से लाभ होता है।

श्रावणी पर्व : वैदिक परंपराओं का अमृत उत्सव

पर्वों और व्रतों की पुण्यभूमि भारतवर्ष का हर पर्व केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और वैदिक दर्शन है।

इन्हीं पर्वों में शामिल श्रावणी पर्व श्रावण पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। यह वह दिन है जब वेदों का पठन-पाठन विधिवत रूप से प्रारंभ होता था और जीवन में ज्ञान, धर्म, कर्तव्य और राष्ट्र सेवा के महान आदर्शों की पुनर्स्थापना होती थी।

श्रावणी पर्व को उपाकर्म पर्व के रूप में भी जाना जाता है। इसका अर्थ है, पुनः अध्ययन प्रारंभ करने का पावन दिन। वैदिक काल में ऋषि-मुनि इसी दिन से वेद पारायण की परंपरा आरंभ करते थे। यह पर्व ज्ञान की साधना का प्रतीक है और आध्यात्मिक आत्मावलोकन की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया भी।

श्रावण पूर्णिमा को श्रवण नक्षत्र के साथ संयोग होने के कारण इसे 'श्रावणी' कहा गया। यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारत की ज्ञान परंपरा का शुभारंभ बिंदु है। गुरुकुलों में इसी दिन यज्ञोपवीत संस्कार कर छात्रों को वेदाध्ययन के लिए प्रवेश दिया जाता था। इस दिन बड़े-बड़े यज्ञ भी आयोजित किए जाते थे, जिससे ब्रह्मज्ञान, प्रजा कल्याण और ऋषि ऋण की पूर्ति का भाव प्रकट होता था।

चार वर्ण, चार पर्वः राष्ट्रशक्ति का समन्वय

प्राचीन वैदिक व्यवस्था में चार वर्ण और चार पुरुषार्थों के आधार पर समाज को चार प्रमुख पर्वों से जोड़ा गया था। ब्राह्मणों द्वारा संयोजित श्रावणी पर्व, राष्ट्र की आध्यात्मिक शक्ति को जाग्रत करने का माध्यम माना जाता था।

क्षत्रियों द्वारा सैन्य शक्ति और शौर्य को सुदृढ़ करने का पर्व विजयादशमी मन जाता था।

दीपावली को वैश्य समुदाय द्वारा आर्थिक शक्ति को समर्पित पर्व मन गया। इसी प्रकार होली को शूद्रवर्ग द्वारा सामाजिक समरसता और जनशक्ति को एकजुट करने का अवसर माना गया।

ये सभी पर्व न केवल धार्मिक कर्मकांड थे, बल्कि राष्ट्र निर्माण की चार आधारशिलाएँ थीं। यही कारण है कि आक्रमणों, विघटन और संकटों के बावजूद भारतवर्ष अपनी सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने में सफल रहा।

यज्ञोपवीत और ऋणों का स्मरण

श्रावणी पर्व पर यज्ञोपवीत संस्कार का विशेष महत्व है। यह केवल एक धागा नहीं, बल्कि जीवन के तीन प्रमुख ऋणों देव ऋण, पितृ ऋण और ऋषि ऋण का स्मरण है।

देव ऋण के रूप में हम पकृति से जो ऊर्जा, जल, अन्न, और जीवन के साधन प्राप्त करते हैं, वे देवताओं के प्रतीक हैं। अग्नि को मुख मानकर यज्ञ में आहुतियाँ इन्हीं देवताओं को समर्पित की जाती हैं।

पितृ ऋण के रूप में हमारे पूर्वजों ने जो संस्कृति, आचरण, परंपराएँ और संरक्षण हमें दिया, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना है। इसी प्रकार ऋषियों द्वारा दिए गए वेद, ज्ञान, साहित्य और साधना के मार्ग के प्रति श्रद्धा और उत्तरदायित्व ऋषि ऋण है।

यज्ञोपवीत इन तीनों ऋणों की स्मृति को जीवित रखता है। यही सूत्र ब्रह्मचर्य, साधना और आत्मानुशासन का प्रतीक बनकर मनुष्य को जीवन के श्रेष्ठ पथ पर ले चलता है।

श्रावणी पर्व का आध्यात्मिक दर्शन

श्रावणी पर्व केवल कर्मकांड नहीं है, यह आत्म-संस्कार और राष्ट्र-संस्कार की प्रक्रिया है।

इस दिन जब वैदिक ऋषि नदियों में खड़े होकर 'हेमाद्रि संकल्प' करते हैं, तब वे हिमालय जैसे अडिग और शाश्वत संकल्प की प्रेरणा देते हैं।

वेदों की उद्घोषणा के अनुसार, जैसे परमात्मा वायु, जल, वज्र और मेघ के माध्यम से सृष्टि की रक्षा करता है, वैसे ही समाज में पुरोहित और राजा की भूमिका भी संरक्षण और ज्ञान के प्रसार की होनी चाहिए।

यही कारण है कि प्राचीन भारत में अश्वमेध यज्ञ, वृष्टि यज्ञ जैसे महायज्ञ इसी श्रावणी पर्व पर प्रारंभ किए जाते थे। यह दर्शाता है कि राज्य के नेतृत्व को केवल भौतिक शासन ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक मार्गदर्शन का भी स्रोत होना चाहिए।

ऋषि तर्पण और कृतज्ञता का पर्व

श्रावणी पर्व को ऋषि तर्पण भी कहा जाता है अर्थात् ऋषियों को तृप्त करने का अवसर। यह केवल तर्पण की जलधारा नहीं, बल्कि भावनाओं की अभिव्यक्ति है। ऋषियों के ज्ञान और तपस्या के प्रति आभार जताना और उनके आदर्शों को जीवन में उतारना ही इस पर्व का मूल उद्देश्य है।

जब हम वेद, उपनिषद, दर्शन और नीतिशास्त्र का अध्ययन करते हैं, तो हम केवल ज्ञान अर्जित नहीं करते, बल्कि अपने जीवन को आलोकित करने का प्रयास करते हैं। श्रावणी पूर्णिमा इस ज्ञान की आराधना की शुभ वेला है।

चंद्र की पूर्णता और जीवन का प्रकाश

श्रावणी पूर्णिमा पर चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं से युक्त होता है। यह पूर्णता का प्रतीक है जीवन की, ज्ञान की, भावनाओं की और प्रकृति की। जैसे चंद्रमा अमृत बरसाता है, वैसे ही ज्ञान भी अंधकार में उजाला लाता है। वनस्पतियाँ उस अमृत को अपने में समेटती हैं, वैसे ही मनुष्य को भी ज्ञान के अमृत को आत्मसात करना चाहिए।

यह पर्व बताता है कि जब राष्ट्र, समाज और व्यक्ति यज्ञमय होते हैं अर्थात् कर्तव्य में रत, ज्ञान में संलग्न और सेवा में समर्पित होते हैं तब जीवन में आनंद, शांति और समृद्धि का संचार होता है।

कर्तव्य और ज्ञान का उत्सव

श्रावणी पर्व केवल एक तिथि नहीं, यह एक दृष्टिकोण है जीवन को श्रेष्ठ बनाने का, समाज को संगठित करने का और राष्ट्र को शक्तिमान बनाने का। यह पर्व हमें वेदों के चिंतन, मनन और श्रवण की प्रेरणा देता है।

यह हमें याद दिलाता है कि अज्ञानता दुखों की जननी है और ज्ञान ही वह प्रकाश है जो जीवन को मार्ग देता है।

आज जब आधुनिकता के नाम पर हम अपने मूल्यों से दूर होते जा रहे हैं, तब ऐसे पर्व हमें अपने मूल, अपने द्यषि, अपने ज्ञान, और अपने राष्ट्र के प्रति सजग और प्रतिबद्ध बनाते हैं।

श्रावणी पर्व एक आह्वान है। आइए, हम अपने ऋषियों के ऋण से उऋण हों, अपने जीवन को ज्ञानमय बनाएं और राष्ट्र निर्माण की वैदिक परंपरा को पुनः जागृत करें।

डॉ गोविन्द पारीक
अतिरिक्त निदेशक जनसंपर्क सेनि

साकार होता भविष्य का सैन्य बल

संतोष कुमार पाठक

बीते दिनों सेना में रूद्र ब्रिगेड के गठन की घोषणा हुई। यह एक 'आल-आर्म्स ब्रिगेड्स' होगी। इसका अर्थ है कि इसमें विभिन्न प्रकार की युद्धक इकाइयों को एक साथ जोड़ा जाएगा। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर इसकी घोषणा करते हुए सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि यह भारतीय सेना के आधुनिकीकरण और सैन्य बलों के कायाकल्प की योजना का हिस्सा है। उन्होंने बताया कि आल-आर्म्स ब्रिगेड और लीथल स्पेशल फोर्सेज इकाइयों का गठन भविष्य के सैन्य बलों की संकल्पना के अनुरूप ही किया जा रहा है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार दो इन्फैंट्री ब्रिगेड को पहले ही रूद्र ब्रिगेड में बदला जा चुका है। रूद्र ब्रिगेड का गठन भारतीय सेना की पूर्ववर्ती इंटीग्रेटेड बैटल ग्रुप्स यानी आइबीजी के आधार पर ही किया जा रहा है। इसी कड़ी में 'भैरव' कमांडो यूनिट एक लीथल स्पेशल फोर्स यूनिट होगी। इसे त्वरित हमले और तत्काल सीमा तैनाती के उद्देश्य को ध्यान में रखकर विकसित किया जाएगा। कुल मिलाकर, विभिन्न कांबैट, कांबैट सपोर्ट और लाजिस्टिक अमले का एकीकरण बहुत सार्थक पहल है, जिससे बहुस्तरीय मोर्चे पर लड़ाई में मदद मिलेगी। रिपोर्टों के अनुसार रूद्र ब्रिगेड अलग-अलग बटालियनों और रेजिमेंटों से मिलकर बनेगी। इसकी संरचना कार्य विशेष की प्रकृति या परिचालन आवश्यकताओं के आधार पर तय होगी। ये ड्रोन सर्विलांस उपकरणों और एरिया सेचुरेशन हथियारों से भी लैस होंगी, जिससे इनकी क्षमताएं खासी बढ़ जाएंगी। उदाहरण के लिए पर्वतीय इलाकों में यह दो इन्फैंट्री बटालियनों और आर्टिलरी रेजिमेंटों से मिलकर बनी हो सकती है। मैदानी इलाकों में यह दो आर्मर्ड रेजिमेंट, एक मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री बटालियन, एक सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टिलरी रेजिमेंट और एक एयर डिफेंस रेजिमेंट से मिलकर बन सकती है, जो आक्रामक परिचालन के दृष्टिकोण से अधिक उपयुक्त होगी। नियंत्रण रेखा यानी एलओसी पर यह स्पेशल फोर्सेज एलीमेंट्स के साथ इन्फैंट्री बटालियनों के रूप में हो सकती है। इस संदर्भ में यह एक प्रश्न अवश्य उठ रहा है कि क्या रूद्र ड्रोन और आइएसआर यानी आर्मी इंटेलिजेंस, सर्विलांस एंड रिकानिसंस अर्थात सैन्य खुफिया, निगरानी और टोही क्षमताओं के साथ मौजूदा स्वतंत्र ब्रिगेडों का ही संशोधित एवं उन्नत स्वरूप है? अमेरिका, रूस और चीन जैसे सामरिक रूप से शक्तिशाली देशों में सैन्य बलों के बीच बेहतर समन्वय के लिए ऐसी इकाइयां स्थापित हैं। भारत में भी इसके लाभ देखने को मिलेंगे। जब आर्मर, इन्फैंट्री, मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री बटालियन, इन्फैंट्री, आर्टिलरी, एयर डिफेंस आर्टिलरी, स्पेशल फोर्स और ड्रोन एक ही ब्रिगेड के अंतर्गत संचालित होंगे तो सैन्य बलों में बेहतर समन्वय सुनिश्चित होगा। इससे त्वरित तैनाती की सुविधा से लेकर सामरिक लचीलापन भी मिलेगा। कुछ विशेष भौगोलिक क्षेत्रों को ध्यान में रखकर की गई तैयारी से वहां आक्रामक या रक्षात्मक कार्रवाई को प्रभावी रूप से संपादित करना भी सुगम हो जाएगा। वैसे भी मौजूदा दौर में जब तकनीक ने समर क्षेत्र में अपनी पैठ गहरी बना ली है, तब ड्रोन निगरानी, एरिया सेचुरेशन वेपंस जैसी प्रणालियों की उपयोगिता काफी अधिक बढ़ गई है। आर्टिलरी, एयर डिफेंस, इंजीनियर और कम्युनिकेशन के साथ-साथ अंतर्निहित रसद आपूर्ति के साथ गठित समर्पित कांबैट सहायता जैसी पहल परिचालन स्वतंत्रता के साथ ही स्थिरता भी प्रदान करेगी। प्रस्तावित एकीकृत युद्धक समूह-आइबीजी तत्परता बढ़ाने के साथ ही विकल्प भी बढ़ाएंगे वैसे तो सेना इस प्रकार के पुनर्गठन को लेकर काफी लंबे समय से काम कर रही है, लेकिन जिस समय इसकी घोषणा हुई, उसे लेकर कुछ लोग इसे आपरेशन सिंदूर के बाद के घटनाक्रम से भी जोड़कर देख सकते हैं।

यह पुनर्गठन केवल खतरे की धारणाओं और युद्ध की प्रकृति में आ रहे परिवर्तनों पर ही आधारित नहीं, बल्कि यह डोकलाम और गलवन के साथ ही नियंत्रण रेखा पर जारी संघर्षों से मिली सीख को देखते हुए भी किया जा रहा है। रूद्र के माध्यम से त्वरित, बेहतर आइएसआर और संयुक्त सैन्य शक्ति के दम पर सामरिक बढ़त संभव हो सकेगी। इसका स्वरूप आधुनिक एवं लचीला है, लेकिन इसे ऐसे बहुउद्देश्यीय टास्क फोर्स के रूप में ढालना होगा, जो हवाई हमले, साइबर एवं इलेक्ट्रानिक वारफेयर के साथ ही दुश्मन के रडार को बंद करने में भी सक्षम हो सके। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए विभिन्न हथियार प्रणालियों के बीच सुसंगति आवश्यक ही नहीं, अपितु अनिवार्य हो चली है।

कुल मिलाकर, विभिन्न कांबैट, कांबैट सपोर्ट और लाजिस्टिक अमले का एकीकरण बहुत सार्थक पहल है, जिससे बहुस्तरीय मोर्चे पर लड़ाई में मदद मिलेगी। रिपोर्टों के अनुसार रूद्र ब्रिगेड अलग-अलग बटालियनों और रेजिमेंटों से मिलकर बनेगी। इसकी संरचना कार्य विशेष की प्रकृति या परिचालन आवश्यकताओं के आधार पर तय होगी। ये ड्रोन सर्विलांस उपकरणों और एरिया सेचुरेशन हथियारों से भी लैस होंगी, जिससे इनकी क्षमताएं खासी बढ़ जाएंगी। उदाहरण के लिए पर्वतीय इलाकों में यह दो इन्फैंट्री बटालियनों और आर्टिलरी रेजिमेंटों से मिलकर बनी हो सकती है।

आखिरकार दगाबाज चीन पर भरोसा करके फिर चोट खाने के रिस्क क्यों उठा रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी?

नीरज कुमार दुबे

जब भी हमारे देश का कोई प्रधानमंत्री चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे शत्रु देशों से वैश्विक कूटनीति के नाम पर प्रेम और भरोसे के पींगे बढ़ाना चाहता है, या फिर नेपाल, श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार या तिब्बतियों पर भारतीयों की गाढ़ी कमाई लुटाता है तो मेरे मन में एक ही सवाल पैदा होता है कि हमारे इन नेताओं को इतिहास का ज्ञान नहीं है, या फिर भौगोलिक सच्चाई से ये नादान हैं। क्या इन्हें उन वीर जवानों और साम्प्रदायिक दंगा, आतंकवाद, नक्सलवाद, संगठित अपराध की भेंट चढ़े आमलोगों व सुरक्षा कर्मियों के चेहरे याद नहीं आते, उनकी विधवाओं और बच्चों, वृद्ध माता पिता आदि की याद नहीं आती, जिनकी असमय मौत का एकमात्र कारण चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश या इनका रिंग मास्टर अमेरिका की विध्वंसक नीतियां रही हैं। मसलन, यहां पर सवाल भूमि के किसी कब्जाए हुए टुकड़े या सांप्रदायिक मिजाज पर वर्चस्व की मानसिकता का नहीं है, बल्कि उन दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक-प्रशासनिक फैसलों से जुड़ा हुआ है जिसकी कीमत हमारे वीर जवानों और आम आदमियों को चुकानी पड़ती है। जैसा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी ने कहा था कि हम इतिहास बदल सकते हैं, लेकिन भूगोल नहीं, के बारे में सिर्फ इतनी सी दलील देना चाहूंगा कि आप इतिहास और भूगोल को यथावत रहने दीजिए, बस अपने राजनीति विज्ञान के विषय वस्तु बदल दीजिए। आपको पता होना चाहिए कि राजनीति विज्ञान परिवर्तन शील होता है, इसलिए इसे हमारे वीर जवानों और आम आदमियों के अनुकूल बना दीजिए। आपको भी इस बात का आभास होगा कि हमारे दलित-पिछड़े लोग इन सूक्ष्म प्रशासनिक बारीकियों को नहीं समझ पाते हैं, इसलिए इस अहम बदलाव के लिए किसी जनादेश का इंतजार मत कीजिए, बल्कि अपनी अंतरआत्मा से फैसले लीजिए। यह बात मैं इसलिए उठा रहा हूँ कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इस महीने के आखिर में चीन जा सकते हैं। यह सम्मेलन 31 अगस्त और 1 सितंबर को चीन के उत्तरी शहर तियानजिन में होना है। सवाल है कि ऐसा अप्रत्याशित कदम वह तब उठा रहे हैं, जब अमेरिका-चीन प्रेरित हिन्दू विरोधी पाकिस्तानी आतंकवादी पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर से मिले जख्मों को ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जबकि साल 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प के बाद यह मोदी की पहली चीन यात्रा होगी। वह इससे पहले 2018 में चीन गए थे। सीधा सवाल है कि जब प्रधानमंत्री मोदी गलवान सैन्य झड़प से इतने व्यथित थे कि लगातार पांच सालों तक चीन नहीं गए तो अब फिर पहलगाम कांड के तुरंत बाद ऐसा क्यों कर रहे हैं? क्या आपकी अंतरात्मा अब मर चुकी है या फिर अप्रत्याशित अमेरिकी धोखे मिलने के बाद अगले चीनी धोखे खाने की बुनियाद रखने को लालायित मालूम पड़ते हैं!

क्या आपको नहीं पता कि जवाहरलाल नेहरू और नरेंद्र मोदी की सद्भावना को मुंह को मुंह चिढ़ाने वाला चीन कभी भी भारत का सगा नहीं हो सकता। सुलगता सवाल है कि वर्ष1962 से साल 2020 तक जब चीन की फितरत नहीं बदली तो आगे फिर किस नीतिगत करिश्मे की

हास्य-व्यंग्य

आलोक पुराणिक

पहाड़ों को मैदान बनाने की सजा भुगत रहा उत्तरकाशी

उत्तराखंड में उत्तरकाशी जिले के धराली गांव में बादल फटने से आई बाढ़ का दृश्य रोंगटे खड़े कर देने वाला था। पानी और मलबे का बहाव इतना तेज था कि बड़ी-बड़ी इमारतें पलक झपकते ही तिनकों की तरह बिखर गईं। कई लोगों को अपनी जान बचाने का मौका ही नहीं मिल पाया। गांव का करीब आधा हिस्सा मलबे के नीचे दब गया है। पचास से ज्यादा लोग अभी लापता हैं, जिनमें ग्यारह सैन्य कर्मी भी शामिल हैं। इस हादसे में जानमाल का कितना नुकसान हुआ, इसका आकलन तो बचाव एवं राहत अभियान पूरा होने के बाद ही हो पाएगा, लेकिन इस भयावह तस्वीर ने फिर इस बात का अहसास कराया है कि हमने पुराने हादसों से कोई सबक नहीं लिया। इस घटना ने वर्ष 2013 में केदारनाथ में आई बाढ़ की त्रासदी की याद दिला दी है, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की जान गई थी। तब पहाड़ी प्रदेशों में नदियों के किनारे और संवेदनशील क्षेत्रों में मानव बसावट तथा अंधाधुंध निर्माण कार्य को लेकर सवाल उठे थे, जो आज भी कायम हैं। बरसात के समय पहाड़ी इलाकों में बादल फटने की घटनाएं पहले भी होती रही हैं, लेकिन पिछले एक दशक में इस तरह के हादसों में तेजी आई है। खासकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में ऐसी घटनाएं बढ़ी हैं। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि इसका एक कारण इन दोनों राज्यों में क्षेत्रीय जलचक्र में हो रहा बदलाव है। बरसात में सामान्य से कम या ज्यादा बारिश होना तो आम है, लेकिन एक साथ तेज बारिश या बादल फटने का क्रम बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि पहाड़ी राज्यों में जलवायु परिवर्तन तेजी हो रहा है और जंगलों की कटाई तथा अवैज्ञानिक तरीके से बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य इसका प्रमुख कारण है। यह सही है कि पहाड़ी इलाकों में स्थानीय लोगों को सड़क, पक्के घर और अन्य सुविधाएं मुहैया कराना जरूरी है, लेकिन विकास के इस क्रम में पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखना भी बहुत आवश्यक है। पर्यावरण असंतुलन बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं को जन्म देता है। पहाड़ी राज्यों में पर्यटन राजस्व और लोगों की आजीविका का बड़ा साधन है। पिछले कुछ वर्षों से उत्तराखंड और हिमाचल में पर्यटन के नए-नए स्थल विकसित हो रहे हैं। इन स्थलों पर सड़कों और ढांचागत निर्माण पर ज्यादा जोर है। बाढ़ग्रस्त धराली गांव भी इनमें से एक है।

अमेज़न और भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (एफआईईओ) ने भारत से ई-वाणिज्य निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किया समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

अमेज़न और एफआईईओ संयुक्त रूप से देश भर के एमएसएमई के लिए जागरूकता सत्र और क्षमता निर्माण कार्यशालाएं आयोजित करेंगे, यह गठजोड़ 2030 तक भारत से कुल 80 अरब डॉलर का ई-कॉमर्स निर्यात संभव बनाने के अमेज़न के लक्ष्य के लिहाज़ से महत्वपूर्ण कदम है

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेज़न इंडिया ने भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (एफआईईओ) के साथ आज एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया।

अमेज़न और एफआईईओ इस गठजोड़ के ज़रिये एक समर्पित ई-कॉमर्स निर्यात कार्य बल का गठन करेंगे जो संयुक्त रूप से एक नीति और बुनियादी ढांचे का खाका तैयार करेगा। इस नीति और बुनियादी ढांचे के ज़रिये विक्रेताओं की मदद की जाएगी और पूरे भारत में एमएसएमई के बीच ई-कॉमर्स से जुड़े निर्यात अवसरों के बारे में जागरूकता बढ़ाई जाएगी। यह साझेदारी देश भर के छोटे व्यवसायों और विनिर्माताओं की क्षमता बढ़ाने में मदद करेगी।

अमेज़ॅन और फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन ने भारत से ईकॉमर्स निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (एफआईईओ) के महानिदेशक डॉ. अजय सहाय ने कहा, भारत के एमएसएमई क्षेत्र में वैश्विक व्यापार में योगदान करने की अपार क्षमता है। अमेज़ॅन के साथ साझेदारी करके, हमारा लक्ष्य कारीगरों, बुनकरों और निर्माताओं सहित छोटे व्यवसायों की क्षमता का निर्माण करना है, और उन्हें अंतरराष्ट्रीय विस्तार के लिए ई-कॉमर्स का लाभ उठाने में मदद करना है।

यह समझौता ज्ञापन एमएसएमई को पारंपरिक निर्यात बाधाओं को दूर करने और प्रतिस्पर्धी वैश्विक खिलाड़ी बनने में सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डॉ. सहाय ने

यह भी कहा कि एमओयू ई-कॉमर्स निर्यात के लिए एक सक्षम और सहायक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए संबंधों को संस्थागत बनाने के उद्देश्य से [illegible] और अमेज़ॅन दोनों के लिए एक मील का पत्थर साबित होता है। साझेदारी विश्व स्तर पर भारतीय उत्पादों की दृश्यता में मदद करेगी और मुद्दों की पहचान करने और उन्हें संबोधित करने के लिए हितधारकों के साथ मिलकर काम करेगी। उन्होंने दोहराया कि सरकार ई-कॉमर्स हब के लिए नई योजना भी लेकर आई है, जो देश के समग्र निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेगी।

अमेज़न ग्लोबल सेलिंग इंडिया की प्रमुख, श्रीनिधि कलवापुडी ने कहा, निर्यात में सतत वृद्धि के लिए वैश्विक मांग वाले बेहतरीन उत्पाद की ही ज़रूरत नहीं होती बल्कि इसके लिए विक्रेता के लिए सहयोग, शिक्षा की व्यवस्था और सहायक नेटवर्क भी ज़रूरी होता है। एफआईईओ के साथ अमेज़न की साझेदारी ऐसा परितंत्र तैयार करने की दिशा में एक कदम है जो सुलभ हो, विस्तार योग्य हो और भारतीय व्यवसायों के लिए तैयार किया गया हो।

अमेज़न की वैश्विक क्षमताओं को एफआईईओ की संस्थागत पहुंच के साथ जोड़कर, हम परिचालन बाधाओं को कम करने, निर्यात की तैयारी को बढ़ाने और एमएसएमई तथा उद्यमियों को अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों तक पहुंच बनाने में मदद करेंगे। यह साझेदारी 2030 तक भारत से 80 अरब डॉलर के कुल ई-कॉमर्स निर्यात को संभव बनाने के अमेज़न के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप है।

अमेज़न और एफआईईओ, समझौता ज्ञापन के अंग के रूप में, निर्यात से जुड़ी प्रमुख श्रेणियों, जैसे होम लिनेन तथा सजावट, स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत देखभाल, परिधान, खिलौने आदि में निर्यातकों के लिए क्षमता निर्माण सत्र आयोजित करेंगे। यह पहल विक्रेताओं को उनके निर्यात सफर में सहायता प्रदान करने के लिए ऑफलाइन स्थानीय समुदायों का नेटवर्क बनाएगी।

ये समुदाय व्यावहारिक सहायता, अपने जैसे उद्यमियों से सीखने के अवसर और सेवा प्रदाताओं तक आसान पहुंच प्रदान करेंगे। एफआईईओ हस्तशिल्प, होम टेक्सटाइल (घर के काम आने वाले फैब्रिक और कपड़े), स्वास्थ्य उत्पाद और पैकेज्ड खाद्य पदार्थों जैसी निर्यात-संबंधी श्रेणियों के उच्च-संभावना वाले विक्रेताओं और विनिर्माताओं को नामित करेगा, और अमेज़न इन व्यवसायों को अंतर्राष्ट्रीय बाज़ारों में शामिल करने, अनुपालन और उनके संचालन को बढ़ाने में मार्गदर्शन प्रदान कर उनकी सहायता करेगा।

भारतीय निर्यातकों को अमेज़न की अंतर्राष्ट्रीय वेबसाइटों और बाज़ारों के ज़रिये दुनिया भर के ग्राहकों तक पहुंच प्रदान करने के लिए 2015 में भारत में शुरू किया गया, अमेज़न ग्लोबल सेलिंग, एक प्रमुख ई-कॉमर्स निर्यात कार्यक्रम है। यह भारतीय एमएसएमई और उद्यमियों को ई-वाणिज्य के ज़रिये अपने निर्यात व्यवसाय को शुरू करने या उनका विस्तार करने में मदद करता है। यह सभी आकार के व्यवसायों को वैश्विक ब्रांड तैयार करने का अवसर प्रदान करता है।

आज इस कार्यक्रम में 1.50 लाख से अधिक निर्यातक शामिल हैं, जो दुनिया भर के 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों में ग्राहकों के लिए लाखों मेड इन इंडिया उत्पाद पेश करते हैं। इन सबने मिलकर भारत से कुल 13 अरब डॉलर का निर्यात किया है।

हिंदुजा समूह की फिलीपींस में प्रमुख क्षेत्रों में विस्तार की योजना

मुंबई, एजेंसी। भारत की द्विपक्षीय यात्रा पर आए फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में हिंदुजा समूह के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व शोम हिंदुजा ने किया, और इसका उद्देश्य समूह के साथ रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना था। राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर और उनकी टीम ने हिंदुजा समूह को रक्षा, ऊर्जा, ऑटोमोटिव और डिजिटल प्रौद्योगिकी जैसे उभरते अवसरों में अपने निवेश का विस्तार करने के लिए आमंत्रित किया।

शोम हिंदुजा, जो हिंदुजा समूह में वैकल्पिक ऊर्जा और स्थिरता के अध्यक्ष होने के साथ-साथ गल्फ ऑयल लुब्रिकेंट्स और अशोक लेलैंड के बोर्ड सदस्य भी हैं, ने बैठक के बाद कहा, राष्ट्रपति मार्कोस जूनियर ने फिलीपींस के लिए एक नया निवेश माहौल विकसित करने के बारे में बहुत जोश के साथ बताया। यह हमारे समूह को नए निवेश अवसर प्रदान करता है, जैसे कि बढ़ते रक्षा क्षेत्र, डिजिटल प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और ऑटोमोटिव। इसमें स्विच मोबिलिटी के इलेक्ट्रिक वाहन और फिलीपींस में इलेक्ट्रिक वाहनों के विकास का समर्थन करने के लिए गल्फ ऑयल से संबंधित चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं। हमने राष्ट्रपति को अशोक लेलैंड द्वारा फिलीपींस में स्थानीय रूप से असेंबल किए जा रहे 50 एलसीवी (हल्के वाणिज्यिक वाहन) के पहले बैच के बारे में जानकारी दी। हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस (एचजीएस) ने फिलीपींस सरकार के साथ अपने स्थानीय व्यापार संचालन का विस्तार करने के लिए महत्वपूर्ण निवेश करने के इरादे का एक पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, जो एक रणनीतिक विकास बाजार के रूप में देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

अपने वैश्विक प्रमुख, गल्फ ऑयल इंटरनेशनल के माध्यम से, हिंदुजा समूह 1998 से फिलीपीन नेशनल ऑयल कंपनी (पीएनओसी) के साथ एक संयुक्त उद्यम में है, जो गल्फ ऑयल फिलीपींस इंक (जीओपीआई) का संचालन करता है। यह एक अत्याधुनिक संयंत्र है जो गल्फ ब्रांडेड लुब्रिकेंट्स और अन्य संबंधित उत्पादों का निर्माण और वितरण करता है, जिन्हें दुनिया भर के प्रमुख इंजन निर्माताओं द्वारा अनुमोदित और परीक्षण किया गया है।

2003 में, हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस (एचजीएस) ने फिलीपींस में परिचालन शुरू किया। यह कंपनी अपने प्रमुख वैश्विक ग्राहकों को इंटेलिजेंट ग्राहक अनुभव और व्यापार प्रक्रिया अनुकूलन सेवाएं प्रदान करती है। आज, यह मनीला एनसीआर, इलोइलो और सेबू में 3,500 से अधिक कर्मचारियों के साथ डिलीवरी सेंटर चलाती है। अपनी निरंतर विकास रणनीति के हिस्से के रूप में और एलओआई पर हस्ताक्षर के बाद, एचजीएस फिलीपींस में अपने ग्राहक अनुभव (सीएक्स) और व्यापार प्रक्रिया प्रबंधन के विस्तार की संभावना तलाश रही है।

इस विकास को देश के कुशल कार्यबल, मजबूत बुनियादी ढांचे और डिजिटल सीएक्स, बीपीओ और एआई-संचालित समाधानों के केंद्र के रूप में बढ़ती प्रतिष्ठा से समर्थन मिलता है।

इस प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, एचजीएस की अगले कुछ वर्षों में अपने फिलीपींस परिचालन में महत्वपूर्ण निवेश करने और अपने कार्यबल में पर्याप्त वृद्धि करने की योजना है।

क्रोमा में स्वतंत्रता दिवस के लिए शानदार डील्स

इलेक्ट्रॉनिक्स, उपकरणों और अन्य उत्पादों पर 50त्न तक की छूट, 9 टीवी, स्मार्टफोन, घरेलू उपकरणों पर 17 अगस्त तक बेजोड़ ऑफर

नई दिल्ली, एजंसी। टाटा परिवार के एक सदस्य, भारत की पहली और सबसे भरोसेमंद ओम्नी-चैनल इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर कंपनी क्रोमा ने अपने बहुप्रतीक्षित स्वतंत्रता दिवस सेल की घोषणा की है। क्रोमा के साथ इस स्वतंत्रता दिवस को वाकई खास बनाने के लिए तैयार हो जाइए। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स की एक विस्तृत श्रृंखला पर धमाकेदार डील्स और अब तक की सबसे बड़ी छूट दी जा रही हैं। 17 अगस्त 2025 तक इस सेल का लाभ उठाया जा सकता है। क्रोमा के देश भर में फैले 560 से ज़्यादा स्टोर्स में इस सेल में बंपर डील्स, बेहतरीन मूल्य, किफ़ायती दाम और बेजोड़ रेंज उपलब्ध हैं।

स्मार्टफोन से लेकर टीवी, रेफ्रिजरेटर, वॉशिंग मशीन और कई अन्य उत्पादों को इस सेल में शामिल किया गया है। बेहतरीन कीमतों पर नवीनतम तकनीक में अपग्रेड करने का बेहतरीन मौका क्रोमा में मिल रहा है। इन्फिनिटी रिटेल के प्रवक्ता ने कहा, इस स्वतंत्रता दिवस पर, क्रोमा ने अपनी अब तक के एक सबसे बड़ी सेल की शुरूआत की है, जिसमें कई श्रेणियों पर 50त्न तक की छूट दी जा रही है।

इस सेल में 12,500 रुपये तक का एक्सक्लूसिव बैंक कैशबैक, आकर्षक एक्सचेंज बेनिफिट, ज़ीरो-कॉस्ट ईएमआई विकल्प और छात्रों के लिए विशेष ऑफर क्रोमा लेकर आया है। क्रोमा ने उपभोक्ताओं के लिए अपनी तकनीक को अपग्रेड करना और भी आसान बना दिया है। ये ऑफर क्रोमा के 560 से ज़्यादा स्टोर्स पर उपलब्ध हैं, जिससे पूरे भारत में ग्राहकों को एक सहज और सुविधाजनक खरीदारी का अनुभव प्राप्त होगा।

क्रोमा ने कई बेहतरीन बैंक ऑफर को भी जोड़कर, इन डील्स को और भी बेहतर बनाया है। इनके अलावा छात्रों और शिक्षकों के लिए 10त्न तक की तत्काल छूट और 24 महीने तक के नो कॉस्ट ईएमआई विकल्प भी उपलब्ध हैं।

क्रोमा स्वतंत्रता दिवस सेल 17 अगस्त, 2025 तक देश भर में 560 से ज़्यादा क्रोमा स्टोर्स पर उपलब्ध है।

कार्यालय ग्राम पंचायत माधोगढ़
पंचायत समिति मालाखेड़ा (अलवर)

क्रमांक : 69-71 दिनांक : 08.08.2025

-: खुली बोली सूचना :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत माधोगढ़ में पांडुपोल मेले का आयोजन दिनांक 25.08.2025 से 27.08.2025 तक तथा श्री महाराज भर्तृहरि लक्खी मेले का आयोजन दिनांक 29.08.2025 से 31.08.2025 तक किया जाना है जिसमें निम्नानुसार कार्य हेतु खुली नीलामी/रिवर्स बोली प्रक्रिया द्वारा निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	खुली बोली आयोजन की दिनांक
1.	पांडुपोल मेले में एवं श्री महाराज भर्तृहरि लक्खी मेले दिनांक 25.08.2025 से 31.08.2025 तक वाहनों की	(न्यूनतम बोली 100000/- से शुरू)	20000	दिनांक 14.08.2025 प्रात:11.00 बजे से
2.	मेले में लाइट, टेंट, डेकोरेशन, साउंड एवं मंदिर तोरण द्वार का सौंदर्यीकरण कार्य दिवस रिसर्स नीलामी प्रक्रिया द्वारा	रिवर्स बोली मौके पर उपस्थित बोलीदाता द्वारा लगायी बोली अनुसार	10000	दिनांक 14.08.2025 दोपहर:02.00 बजे से

रिवर्स खुली बोली दिनांक 14.08.2025 को सामुदायिक भवन भर्तृहरि धाम इंदौक में आयोजित की जाएगी। खुली बोली के संबंध में शर्ते कार्यालय मेला मजिस्ट्रेट कार्यालय में देखी एवं पढ़ी जा सकती है।

NIB-ZAL2526 A0920 UBN No.-ZAL 2526SSOB01704

प्रशासक
पंचायत समिति माधोगढ़,
पंचायत समिति मालाखेड़ा (अलवर)

ग्राम विकास अधिकारी
पंचायत समिति माधोगढ़,
पंचायत समिति मालाखेड़ा (अलवर)

बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने पलवल में स्वयं सहायता समूह सम्मेलन और वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान का आयोजन किया

पलवल, एजेंसी। बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने महिलाओं के नेतृत्व वाले एसएचजी के सशक्तीकरण, वित्तीय समावेशन को प्रोत्साहन और जमीनी स्तर पर सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने के उद्देश्य से पलवल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) सम्मेलन और वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान का आयोजन किया। महिला सशक्तीकरण की दिशा में माननीय प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी 'लखपति दीदी' पहल के अनुरूप आयोजित यह सम्मेलन राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। बैंक ऑफ़ बड़ौदा की कार्यपालक निदेशक सुश्री बीना वाहिद, पलवल के उपायुक्त श्री हरीश कुमार वशिष्ठ, नई दिल्ली अंचल की अंचल प्रमुख श्रीमती मिनी टीएम, मुख्य महाप्रबंधक - परिचालन श्री प्रभात कुमार शर्मा, गुड़गांव क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री विशाल कुमार जैन और क्लस्टर निदेशक डॉ. एल एच मंजूनाथ की गरिमामयी उपस्थिति में सम्मेलन संपन्न हुआ।

महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को सुदृढ़ बनाने की बैंक की प्रतिबद्धता के अनुरूप, इस जन-संवाद कार्यक्रम के तहत एसएचजी लाभार्थियों को ?22 करोड़ के ऋण स्वीकृत किए गए। इस पहल के तहत प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) खातों को खोलने और निम्नलिखित योजनाओं में नामांकन की सुविधा भी प्रदान की गई- 510 व्यक्तियों का प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) में नामांकन। 550 व्यक्तियों का प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) में नामांकन। 435 व्यक्तियों का अटल पेंशन योजना (एपीवाई) में नामांकन। इसके अलावा, री-केवाईसी, खातों में नामांकन और डिजिटल धोखाधड़ी से सुरक्षा जैसे विषयों पर जागरूकता सत्र आयोजित किए गए। इस अवसर पर संबोधित करते हुए कार्यपालक निदेशक, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, सुश्री बीना वाहिद ने कहा, बैंक ऑफ़ बड़ौदा वंचित समुदायों के बीच वित्तीय आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए पूर्णतया प्रतिबद्ध है। हमारी एसएचजी-केंद्रित पहलों और समावेशी बैंकिंग योजनाओं के माध्यम से, हम बैंकिंग सेवाओं तक पहुंच में वृद्धि के साथ-साथ प्रमुख सरकारी वित्तीय योजनाओं के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देकर आमजन को सशक्त बनाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। पलवल में आयोजित यह कार्यक्रम एसएचजी के माध्यम से 3 करोड़ महिलाओं के सशक्तिकरण करने के सरकार के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की दिशा में किया गया एक प्रयास है, ताकि इन महिलाओं को भारत की समावेशी और संवहनीय विकास यात्रा का हिस्सा बनाया जा सके। कार्यक्रम में भाग ले रही 1,100 से अधिक एसएचजी समूह की महिला प्रतिभागियों ने बैंक से वित्तीय सहायता और मार्गदर्शन प्राप्त करने के बाद अपने व्यवसायों को बढ़ाने और आर्थिक आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की प्रेरणादायक सफलता की कहानियां साझा कीं।

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देते हुए समाज के लक्षित वर्ग के साथ सामुदायिक जुड़ाव के माध्यम से ग्रामीण और अर्ध-शहरी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत करते हुए यह पहल समावेशी विकास के प्रति बैंक की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

म्यूचुअल फंड्स में जून तिमाही में 1.67 करोड़ नए SIP, 42 लाख के साथ Gro22 सबसे आगे

नई दिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड उद्योग ने जून 2025 में समाप्त तिमाही के दौरान नए सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (SIP) पंजीकरणों में मजबूत वृद्धि दर्ज की। इस अवधि में 1.67 करोड़ नए SIP खाते जोड़े गए, जो बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद खुदरा निवेशकों की मजबूत भागीदारी का संकेत है। यह संख्या पिछली तिमाही के 1.41 करोड़ नए पंजीकरणों से काफी अधिक रही। ये आंकड़े एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (AMFI) से प्राप्त हुए हैं।

Gro22 ने तिमाही के दौरान 41.9 लाख से अधिक नए SIP जोड़कर 25% बाजार हिस्सेदारी के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। सिर्फ जून माह में ही Gro22 ने 15.7 लाख नए SIP पंजीकृत किए, जो किसी भी वितरक द्वारा एक माह में की गई सबसे अधिक वृद्धि है। मूल्य के आधार पर, जून तिमाही में Gro22 प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत नए SIP का कुल निवेश 1,116 करोड़ रुपये रहा, जो पिछली तिमाही की तुलना में 32% की तेज वृद्धि दर्शाता है।

पारंपरिक वितरकों में, NJ इंडिया इन्वेस्ट ने 5.9 लाख, SBI ने 4.3 लाख और एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने 3.8 लाख नए SIP जोड़े। एक अन्य डिजिटल-फर्स्ट प्लेटफॉर्म, फोनपे ने लगभग 5.9 लाख नए SIP जोड़े, जो ज्यादातर छोटे निवेश टिकट साइज में केंद्रित थे। इक्विटी बाजार में लगातार अस्थिरता के बावजूद SIP में यह तेज वृद्धि देखने को मिली। बेंचमार्क निफ्टी 50 ने साल की शुरुआत से अब तक मध्यम एकल अंक की वापसी दी है, लेकिन खुदरा निवेशकों की म्यूचुअल फंड में रुचि बरकरार रही। जून 2025 में SIP के जरिए कुल निवेश 27,269 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो माह-दर-माह बढ़त जारी रखे हुए है। 30 जून 2025 तक SIP आधारित परिसंपत्तियां (रू) 15.3 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गईं, जो एक वर्ष पहले 12.4 लाख करोड़ रुपये थी। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि खुदरा निवेशक अब म्यूचुअल फंड को दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण के साधन के रूप में देख रहे हैं। यह पारंपरिक बचत से निवेश-उन्मुख सोच की ओर बदलाव को दर्शाता है। डिजिटल-फर्स्ट प्लेटफॉर्म ने निवेशकों के व्यापक वर्ग के लिए पहुंच और सुविधा को और बढ़ाया है। इसके अलावा, [illegible] और एसेट मैनेजमेंट कंपनियों ([illegible]) द्वारा चलाए जा रहे निवेशक शिक्षा और जागरूकता अभियान ने व्यवस्थित निवेश को बढ़ावा देने और म्यूचुअल फंड पारिस्थितिकी तंत्र में भरोसा मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई है।

कार्यालय ग्राम पंचायत बीजवाड़ चौहान
पंचायत समिति मुण्डावर (खैरथल - तिजारा) राज.

क्रमांक: ग्रा.प.अजरका/निविदा/2025-26/72 दिनांक: 31/07/2025

ई-निविदा सूचना - 2025 - 26

कार्य का नाम गंदे पानी की निकासी हेतु पाइप लाईन डालने का कार्य नट बस्ती सेपलावा की ओर के लिए विभिन्न विभागों में विभिन्न श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/व्यापारिक फर्मों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जिनकी अनुमानित लागत 8 लाख रुपए है।

निविदा का कार्य	:	गंदे पानी की निकासी हेतु पाईप लाइन डालने का कार्य नट बस्ती से पलावा की ओर
निविदा की कुल लागत	:	08 लाख
कुल धरोहर राशि (रूपयो में)	:	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत 16,000/-
निविदा आवेदन डाउनलोड करने की तारीख	:	05/08/2025 प्रात: 10:00 बजे से 14/08/2025 सांय: 06:00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की तारीख	:	05/08/2025 प्रात: 10:00 बजे से 14/08/2025 सांय: 06:00 बजे तक
इस कार्यालय में भौतिक रूप से डीडी एवं निविदा प्रपत्र जमा कराने की अन्तिम तिथि निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि तथा ई-टेण्डर प्रक्रिया शुल्क जमा कराने की तारीख	:	18/08/2025 सायं 2:00 बजे तक।
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	:	18/08/2025 सायं 3:00 बजे से।

उक्त निविदा से संबंधित विवरण वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता हैं ।

NIB No.- ZAL2526A0888 UBN No. ZAL2526WSOBO1637

श्रीचंद्र
सरपंच
ग्राम पंचायत बीजवाड़ चौहान
पं. सं. मुण्डावर (खैरथल-तिजारा)

राकेश कुमार यादव
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बीजवाड़ चौहान
पं. सं. मुण्डावर (खैरथल-तिजारा)

कार्यालय ग्राम पंचायत बीजवाड़ चौहान
पंचायत समिति मुण्डावर (खैरथल - तिजारा) राज.

क्रमांक: ग्रा.प.अजरका/निविदा/2025-26/71 दिनांक: 31/07/2025

ई-निविदा सूचना - 2025 - 26

कार्य का नाम सीवरेज लाइन सरकारी गोदामसे जोहड़ कीओर बीजवाड़ चौहान के लिए विभिन्न विभागों में विभिन्न श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों/व्यापारिक फर्मों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। जिनकी अनुमानित लागत 8 लाख रुपए है।

निविदा का कार्य	:	सीवरेज लाइन सरकारी गोदाम से जोहड़ की ओर बीजवाड़ चौहान
निविदा की कुल लागत	:	08 लाख
कुल धरोहर राशि (रूपयो में)	:	अनुमानित लागत की दो प्रतिशत 16,000/-
निविदा आवेदन डाउनलोड करने की तारीख	:	05/08/2025 प्रात: 10:00 बजे से 14/08/2025 सांय: 06:00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा जमा कराने की तारीख	:	05/08/2025 प्रात: 10:00 बजे से 14/08/2025 सांय: 06:00 बजे तक
इस कार्यालय में भौतिक रूप से डीडी एवं निविदा प्रपत्र जमा कराने की अन्तिम तिथि निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि तथा ई-टेण्डर प्रक्रिया शुल्क जमा कराने की तारीख	:	18/08/2025 सायं 2:00 बजे तक।
ऑनलाईन निविदा खोलने की तारीख	:	18/08/2025 सायं 3:00 बजे से।

उक्त निविदा से संबंधित विवरण वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता हैं ।

NIB No.- ZAL2526A0887 UBN No. ZAL2526WSOBO1636

श्रीचंद्र
सरपंच
ग्राम पंचायत बीजवाड़ चौहान
पं. सं. मुण्डावर (खैरथल-तिजारा)

राकेश कुमार यादव
ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत बीजवाड़ चौहान
पं. सं. मुण्डावर (खैरथल-तिजारा)

किसान को 30 साल बाद वापस मिली आंखों की रोशनी

खेत पर काम करते समय खोई थी, बहू-पोते को देख हुए भावुक, कहा- नई जिंदगी मिली

अजमेर, 11 अगस्त। पाली के किसान अकबर काठात की 25 साल की उम्र में खेत में काम करते समय खांसी के साथ अचानक आंखों की रोशनी चली गई। 30 साल तक अंधेरे में जीवन बिताने वाले अकबर बेटे की शादी तक नहीं देख पाए। एक साल के पोते का चेहरा देखने के लिए तरस रहे किसान को 61 साल की उम्र में आंखों की रोशनी वापस मिल गई। 5 अगस्त को अजमेर के जेएलएन अस्पताल में किसान की आंख का जटिल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन में करीब एक घंटे का समय लगा। डॉक्टरों का कहना है कि अकबर काठात अभी 3 मीटर तक देख सकते हैं। आगे धीरे-धीरे उनकी और रोशनी बढ़ेगी। ऑपरेशन सक्सेसफुल होने के बाद ऐसा लगा कि मैं एक नई जिंदगी जी रहा हूं। पहली बार मैंने अपने 1 साल के पोते और बेटे की बहू को देखा। मेरी कुर्सी के आसपास तीन लोग बैठे थे। अब मुझे सारी चीज दिख रही थी। मुझे अच्छा लग रहा है। जेएलएन अस्पताल में सफल ऑपरेशन के बाद पहली बार अपने एक साल के पोते और बहू को देख भावुक हुए अकबर। थाईलैंड में रह रहे बेटे को भी खुशखबरी दी गई। पाली निवासी अकबर काठात ने बताया कि 25 साल की उम्र में खेत पर काम करते समय उनकी आंखों में थोड़ी समस्या थी, जिसे उन्होंने नजरअंदाज कर दिया। एक दिन खेत पर काम करते वक्त अचानक खांसी आई और आंखों की रोशनी कम हो गई। अगली सुबह उठे तो कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा था। परिवार हरकत में आ गया। अकबर ने बताया कि उन्होंने रेलवे की नौकरी के लिए वह मेडिकल देने गए थे। लेकिन उन्हें फेल कर दिया था। 1981 में उन्होंने रेलवे की नौकरी के लिए मेडिकल दिया था। मेडिकल में पास नहीं होने के बाद से वह सदमे में आ गए थे। जिसके कारण ही उनकी यह आंखों की रोशनी चली गई। जेएलएन अस्पताल में 30 साल से आंखों की रोशनी खो चुके अकबर काठात की जांच करते डॉक्टर। एक महीने के मेडिकल ट्रीटमेंट के बाद सफल ऑपरेशन किया गया। रायपुर तहसील के रहने वाले अकबर ने पाली, ब्यावर, जयपुर और अजमेर के कई निजी व सरकारी अस्पतालों में दिखाया। सभी डॉक्टरों ने कह दिया कि इलाज संभव नहीं है। एक महीने पहले जेएलएन अस्पताल में डॉक्टर अंकुर से मिले। तीन दिन दवा देने के बाद भर्ती किया और एक महीने तक ऑब्जर्वेशन में रखा। पोते और बहू को पहली बार देखने के बाद अस्पताल स्टाफ ने वीडियो बनाया। अकबर ने कहा- डॉक्टरों ने कह दिया था कि भारत के किसी भी कोने में जाओ, इलाज नहीं होगा।

डॉक्टर साहब, आप नहीं होते तो मेरी जिंदगी मरी हुई थी। पहली बार पोते और बहू को देखने के बाद अस्पताल के स्टाफ के द्वारा उनका वीडियो बनाया गया। जिसमें मरीज अकबर ने कहा कि उन्होंने अपने पोते और बहू को पहली बार देखा है। वीडियो में अकबर ने कहा कि उसे डॉक्टर तक ने यह कह दिया था कि भारत के कोई से भी कोने में चला जा तेरा इलाज नहीं होगा। अकबर ने आगे कहा कि अगर डॉक्टर साहब आप नहीं होते तो मेरी जिंदगी मरी हुई थी। डॉक्टर सोनू चौधरी ने बताया कि 1 महीने पहले पेशेंट हमारे पास आया था। 30 साल पहले क्रोनिक यूवाइटिस के नाम से बीमारी हो गई थी। जिससे इनको देखना बंद हो गया था। कई जगह पर इन्होंने दिखाया लेकिन इनका इलाज नहीं हो पाया था। जेएलएन अस्पताल आने पर उनके सोनोग्राफी करवाई गई। इस बीमारी के कारण नजर चली जाती है। आंखें कमजोर हो जाती है। पर्दा तक खराब हो जाता है। करीब 1 महीने तक इन्हें मेडिकल ट्रीटमेंट पर लिया गया। इस दौरान आंखों की सूजन को कम किया गया। विभाग अध्यक्ष डॉक्टर राकेश पोरवाल, डॉ अंकुर के नेतृत्व में टीम के द्वारा मरीज का ऑपरेशन किया गया। करीब आधे घंटे तक यह ऑपरेशन चला था। ऑपरेशन के बाद से अब वह 3 मीटर तक देख सकते हैं। आगे धीरे-धीरे उनकी और रोशनी बढ़ेगी। जब मरीज ने अपने पोते और बहू को पहली बार देखा तो हमारी टीम भी भावुक हो गई थी।

अग्रसेन इंडस्ट्रियल एरिया में बरसात का 15 दिनों बाद भी नहीं निकला पानी, वजह-नालियां ही नहीं

श्रीगंगानगर, 11 अगस्त। अग्रसेन नगर थर्ड के निकट स्थित इंडस्ट्रियल एरिया से बरसात के पानी की 15 दिनों में भी निकासी नहीं हो पाई है। इसकी एक मात्र वजह यह है कि यहां नालियां तक नहीं हैं। इस कारण बरसात होने पर सड़कें ही तालाब बन जाती हैं। इससे एरिया की दुकानों का काम ठप हो जाता है। अब तो यह पानी सड़ांध मारने लगा है। इस संबंध में स्थानीय व्यापारियों की ओर से पानी निकासी के लिए कोऑपरेटिव सोसायटी के पदाधिकारियों को हर बार बरसात के बाद गुहार लगाते हैं। लेकिन पानी की निकासी का कोई स्थाई समाधान नहीं किया जा रहा। जिला मुख्यालय पर 24 और 25 जुलाई को बरसात हुई थी। यह पानी तब से सड़कों पर खड़ा हुआ है। इसकी निकासी के लिए नालियां बनाई ही नहीं गई हैं। हद तो इस बात की है कि यह सिलसिला डेढ़ दशक से चल रहा है। सोसायटी की ओर से जमीन पर दुकानें काटकर आवंटित तो कर दी लेकिन कॉलोनी के विकास के नाम पर कोई काम नहीं करवाया गया है। इंडस्ट्रीज एसोसिएशन कार्यकारिणी के सदस्य रमेश अग्रवाल ने बताया कि इस समस्या के समाधान के लिए उन्होंने सोसायटी के कोषाध्यक्ष शिव दयाल गुप्ता को फोन करके आग्रह किया।

तब कोषाध्यक्ष ने कहा कि आप खुद ही पंप लगवाकर पानी उठवाकर बाहर निकलवा लीजिए। इसका जो भी खर्चा होगा, उसका भुगतान वे कर देंगे। जबकि पानी निकासी की व्यवस्था करना सोसायटी पदाधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। सोसायटी के गठन के बाद से आज तक इस इंडस्ट्रियल एरिया में पानी की निकासी की कोई स्थाई व्यवस्था नहीं की गई है। इस कारण हर बार बरसात के बाद सड़कों पर एक से दो फीट तक पानी भर जाता है। इंडस्ट्रियल एरिया में बरसाती पानी भरा रहने से डामर की रोड बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। कई कई जगह तो एक फीट तक गहरे गड्ढे बन चुके हैं। पानी के अंदर से बाइक या चौपहिया वाहन लेकर निकलने वाले चालकों के साथ हादसे होते रहते हैं। क्योंकि पानी भरा रहने के कारण गड्ढे दिखाई नहीं देते और वाहन का टायर अंदर चला जाता है। पानी से मच्छर पनपे, बदबू से वातावरण खराब हो रहा ञ15 दिनों से सड़कों पर भरे पानी से मच्छरों की फौज पैदा हो गई है। यह इस एरिया में मौसमी बीमारियों को फैलाने का काम करेगी। इतना ही नहीं बरसाती पानी में अब बदबू आने लगी है। फैक्ट्रियों में काम करने वाले मजदूरों तथा यहां से आवागमन करने वाले नाक ढककर निकलने को मजबूर हैं।

बढ़ रहा है बीकानेर में गर्मी का ग्राफ

बीकानेर, 11 अगस्त। बीकानेर में आज का मौसम काफी गर्म रहने की संभावना है, जिसमें अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। सुबह दस बजे तक ही बीकानेर का पारा 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है जो दोपहर तक काफी बढ़ सकता है। शनिवार को बीकानेर में अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री सेल्सियस रहा। जो पिछले दिनों में सर्वाधिक रहा है। रक्षा बंधन के दिन आमतौर पर इतनी गर्मी नहीं रहती है लेकिन शनिवार को सूरज तप रहा था।बीकानेर में फिलहाल बारिश की संभावना बहुत कम है। मौसम विभाग के अनुसार, आज का दिन आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है, साथ ही हवाएं 10 से 15 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की उम्मीद है।

मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है और बारिश की संभावना सोमवार को भी नहीं है। इसी तरह मंगलवार को भी पारा 38 डथ्ग्री सेल्सियस के आसपास ही रहने की संभावना है। मंगलवार को भी बीकानेर में बारिश नहीं होगी। उम्मीद की जा रही है कि अब पंद्रह अगस्त के बाद ही बीकानेर सहित राजस्थान के अधिकांश जिलों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने भी पंद्रह अगस्त के बाद बारिश की संभावना जताई है।

चक 11 केएनडी में जमीन पर कब्जे के प्रयास की एसपी को शिकायत

श्रीगंगानगर, 11 अगस्त। रावला के चक 11 केएनडी-ए में अधिवक्ता इंद्रजीत बिश्नोई के परिवार की कृषि भूमि में असामाजिक तत्वों द्वारा घुसकर पशुओं से फसल नष्ट करवाने तथा खेत में घुसने का मामला सामने आया है। श्रीगंगानगर बार एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्यों के एक प्रतिनिधि मंडल ने इस संबंध में शनिवार को एसपी को ज्ञापन सौंपा है। प्रतिनिधि मंडल में शामिल पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट चरण दास कंबोज, ओम रावल, इंद्रजीत बिश्नोई, विजय चावला और पूर्व सचिव लखवीर सिंह मान ने एसपी को बताया कि उक्त असामाजिक तत्वों को न्यायालय की ओर से पूर्व में भी पाबंद किया गया था। रावला थाने में एफआईआर भी दर्ज है। इसके बावजूद आरोपी खुलेआम तलवार व डंडे आदि लहराते हुए बार-बार वारदात अंजाम देने को घूम रहे हैं। एसपी ने अधिवक्ताओं के प्रतिनिधि मंडल को शीघ्र प्रभावी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

जयपुर की लैब में पैदा होंगी अच्छी नस्ल की गाय

जयपुर, 11 अगस्त। राजस्थान में पहला सेक्स सोर्टेड सीमन बैंक सोमवार से जयपुर जिले के बस्सी में शुरू होगा। इसकी मदद से बेहतर नस्ल के मादा बछड़े मिलने की संभावना बढ़ेगी, जिससे दूध उत्पादन और आय में वृद्धि होगी। साथ ही नर पशुओं की संख्या नियंत्रित की जा सकेगी। यह सुविधा नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (एनडीडीबी) और राजस्थान को-ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन (आरसीडीएफ) के सहयोग से शुरू की जा रही है। बस्सी में 1977 से संचालित फ्रोजन सीमन बैंक में ही मॉडर्न लैब स्थापित की गई है, जिसमें एनडीडीबी की ओर से अमेरिका से लाई गई दो मशीनें लगाई गई हैं। मशीनों का आज ट्रायल किया जाएगा और पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत सोमवार को लैब का उद्घाटन करेंगे। कैबिनेट मंत्री पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग जोराराम कुमावत ने बताया- फिलहाल बस्सी में 123 सांडों से कन्वेंशनल सीमन डोज तैयार होते हैं, जबकि प्रदेश का दूसरा सीमन बैंक जोधपुर में है, जहां सालाना करीब 12 लाख कन्वेंशनल डोज तैयार किए जाते हैं। नई तकनीक से न केवल राजस्थान की मांग पूरी होगी, बल्कि अन्य राज्यों को भी डोज उपलब्ध कराई जा सकेगी। लैब में नई तकनीक से भैंस की मुर्रा नस्ल, गाय की विदेशी नस्ल हॉलस्टियन फ्रोजियन (एचएफ), क्रॉसब्रिड हॉलस्टियन फोजियन (सीबीएचएफ), और देशी नस्लें गिर, साहीवाल, थारपारकर व राठी के सेक्स सोर्टेड डोज तैयार किए जाएंगे। इससे पशुपालकों को बेहतर नस्ल के मादा बछड़े मिलने की संभावना बढ़ेगी, जिससे दूध उत्पादन और आय में वृद्धि होगी। सेक्स सोर्टेड सीमन एक तकनीक है, जिसमें मादा शुक्राणुओं की संख्या बढ़ाई जाती है, जिससे मादा बछिया पैदा होने की संभावना 90त्न से ज्यादा होती है। इसका उपयोग कृत्रिम गर्भाधान के जरिए किया जाता है। यह तकनीक नर पशुओं की संख्या नियंत्रित करने में मदद करती है और आवारा पशुओं की समस्या को कम कर सकती है। पशुपालक अपने नजदीकी पशु चिकित्सालय या सीमन स्टेशन से यह डोज ले सकेंगे।

राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर की नई कार्यकारिणी गठित, घड़साना में सर्वसम्मति से हुआ चुनाव, अनूप चंद लिड़िया बने अध्यक्ष

अनूपगढ, 11 अगस्त। राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर उपशाखा घड़साना के चुनाव श्रीराम पब्लिक स्कूल में संपन्न हुए। अनूपगढ़ परिक्षेत्र अध्यक्ष जोतराम चौहान की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण बारूपाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। चुनाव प्रक्रिया चुनाव अधिकारी नंदकिशोर जनागल एवं पर्यवेक्षक रामस्वरूप सुड़ा व जगदीश बोला की देखरेख में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से पूरी हुई। अधिवेशन की शुरुआत में उपशाखा अध्यक्ष देवीलाल परिहार ने वर्षभर की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

अधिवेशन को पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश रोलन, सुनील गड़वीर, संपत मेहरड़ा, नवलाराम जयपाल, राजेंद्र कुमार और रामकुमार ने संबोधित किया। खुले अधिवेशन में शिक्षकों की लंबित डीपीसी शीघ्र कराने, पारदर्शी स्थानांतरण नीति बनाने और तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण करने पर चर्चा हुई। साथ ही कला, वाणिज्य एवं कृषि स्नातक तथा शारीरिक शिक्षकों को पदोन्नति के समुचित अवसर देने और आरक्षित वर्ग के शिक्षकों को वरिष्ठता के आधार पर न्यायोचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने संबंधी मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। द्वितीय सत्र में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें परविंदर सिंह को संरक्षक, दिलीप भाटिया को सभाध्यक्ष और अनूप चंद लिड़िया को अध्यक्ष चुना गया। तहसील मंत्री के रूप में बलवंत सिंह राठौड़, उपसभा अध्यक्ष रूपेंद्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवलाराम, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, प्रेस प्रवक्ता जेठाराम, संगठन मंत्री पप्पूराम और संयुक्त मंत्री अमरचंद पवार नियुक्त हुए। इसके अतिरिक्त रामसिंह, रेशम सिंह, राकेश मीणा और नाथूराम को शिक्षा प्रतिनिधि तथा देवीलाल को शारीरिक शिक्षा प्रतिनिधि के रूप में शामिल किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री गणपत राज ब्यावत, प्रदेश क्षेत्रीय मंत्री रणवीर बामनिया और चेतन शीला भी उपस्थित रहे। अपने संबोधन में प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण बारूपाल ने कहा कि संगठन सदैव शिक्षक, शिक्षार्थी और शिक्षालय के हितों के लिए संघर्षशील रहा है। उन्होंने नवगठित टीम से संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सहित सभी प्रदेश पदाधिकारियों का साफा पहनाकर सम्मान किया गया।

बाबा रामदेवरा के पैदल यात्रियों की सेवा 23 से

बीकानेर, 11 अगस्त। रामदेवरा मेला जाने वाले पैदल यात्रियों की सेवा श्रम का शिविर 23 अगस्त से रामापीर सेवा समिति द्वारा लगाया जाएगा। समिति के संयोजक ऋषिराज शर्मा ने बताया कि शनिवार को लोक देवता रामदेव जी महाआरती व ज्योत सामुदायिक भवन त्यागी वाटिका के पास शर्मा सदन मे धार्मिक आयोजन के साथ सम्पन्न हुई। कैम्प आयोजन के लिए बैठक पूर्व पार्षद, मनीष पुरोहित की अध्यक्षता मे हुई। बैठक मे तय किया कि कैम्प दियातरा गांव के पास श्रद्धालुओं को निशुल्क चाय, नाश्ता, भोजन व ठंडा पानी की सेवा नियमत जारी रहेगी।

सोने की ज्वैलरी देखने के बहाने करती चोरी

जोधपुर , 11 अगस्त।जोधपुर के सदर कोतवाली थाना पुलिस ने ज्वेलरी की दुकान में ग्राहक बनकर जाने और ज्वेलरी देखने के बहाने चोरी करने के मामले का खुलासा करते हुए तीन महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी कोटा जिले की रहने वाली है। इन्हीं महिलाओं ने उसी दिन बाबा रामदेव मंदिर मसूरिया के सामने मीनाक्षी ज्वैलरी पर भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। जिसे देवनगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पूछताछ में महिलाओं ने सदर कोतवाली थाना क्षेत्र में भी चोरी की वारदात करना स्वीकार किया। इस पर कोतवाली पुलिस प्रोडक्शन वारंट पर उन्हें गिरफ्तार करके लेकर आई। पुलिस ने इस मामले में कृष्णा पत्नी प्रहलाद, सीमा पत्नी रमेश बागरी, मौसम बाई पत्नी सुमन कुमार बागरी निवासी गांव दरबी पुलिस थाना सुल्तानपुर कोटा हाल बड़ा बस्ती अनंतपुर जिला कोटा को प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार किया। दुकान मालिक चेतनप्रकाश ने बताया कि महिलाओं का ज्वैलरी चोरी करने का तरीका बड़ा शातिराना है। ये एक साथ दुकान पर जाती है। वहां नाक की फिनी पहनने के नाम पर दुकानदार को उलझाती है। अन्य महिलाएं मौका पाकर चोरी कर लेती है।

500 एलएनपी सैकेंड के सरकारी स्कूल में कार्यशाला, नशे से दूर रहने की शपथ ली

श्रीगंगानगर, 11 अगस्त। श्रीगंगानगर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय 500 एलएनपी सैकंड में जिला कलेक्टर डॉ. मंजू व पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के नेतृत्व में नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से विक्रम ज्याणी ने बताया कि नशे का असर सिर्फ पीड़ित पर नहीं बल्कि पूरे समाज पर पड़ता है। नशे का मुकाबला हथियारों से नहीं, विचारों से होता है। जो युवा आत्मबल से युक्त होता है, उसके जीवन में नशे की कोई जगह नहीं होती। उन्होंने युवाओं को अपने सपनों और लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। अंत में विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे स्वयं भी नशे से दूर रहेंगे और अपने साथियों को भी इस विनाशकारी लत से बचाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों ने नशे से दूर रहने की शपथ ली।

बाड़मेर में 48 जगह नाकाबंदी, 34 वाहन पकड़े

बाड़मेर, 11 अगस्त। पुलिस ने जिले में 48 स्थानों पर नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की गई। इस दौरान 34 वाहनों को जब्त किया गया। वहीं 54 मिलीग्राम स्मैक, 56 पव्वे शराब, 23 सोलर प्लेट्स, 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 19 गैरसायल को बीएनएसएस की धारा के तहत गिरफ्तार गिरफ्तार किया गया। एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया- एएसपी और डीएसपी के नेतृत्व में जिले में समस्त थानाधिकारी के साथ प्लानिंग बनाकर जिले में ए श्रेणी की नाकाबंदी की गई। 48 टीमों ने अलग-अलग जगह नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की गई। एसपी, एएसपी और डीएसपी के स्वंय नाकाबंदी स्थल पहुंचे। चैकिंग करते नजर आए। पुलिस थाना सदर की टीम ने आरोपी नगत सिंह उर्फ नखतसिंह पुत्र मलसिंह निवासी सरण पनजी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 2 किलो 397 ग्राम डोडा-पोस्त जब्त किए। इस संबंध में पुलिस थाना सदर मामला दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है। कोतवाली पुलिस की टीम ने नाकाबंदी के दौरान आरोपी मुकेश पुत्र लीलाराम निवासी वांकलपुरा महाबार को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 54 मिलीग्राम स्मैक जब्त की गई। कोतवाली में इस संबंध में मामला दर्ज किया गया। ग्रामीण थाना पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी महेंद्र सिंह पुत्र करण सिंह निवासी बिदासर को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से 56 पव्वे देशी शराब जब्त किए। आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस थाना शिव की टीम ने एक बिना नंबरी बोलेरो कैंपर को जब्त कर उसमें भरी चोरी की 23 सोलर प्लेट्?स को जब्त की। इसकी अनुमानित कीमत 4 लाख रुपए आंकी की गई है। आरोपी भोम सिंह पुत्र तन सिंह निवासी निंबा सांगड़ व देवीसिंह पुत्र लील सिंह निवासी उण्डखा को गिरफ्तार किया गया। जिला पुलिस ने 48 स्थानों पर नाकाबंदी की गई। जिसमें 868 वाहनों के डॉक्यूमेंट की गहनता से जांच की गई। जिसमें से 34 वाहनों को सीज किया गया।

चेन स्नेचिंग के दो मामलों में पुलिस के हाथ खाली, कोई सुराग नहीं लगा, जवाहरनगर व सदर में दर्ज हुए थे केस

श्रीगंगानगर, 11 अगस्त। जिला मुख्यालय पर अलग-अलग थानों में दर्ज चेन स्नेचिंग के दो मामलों में पुलिस अब तक कोई सुराग नहीं लगा पाई है। इनमें से एक वारदात के आरोपी तो शहर के बीच एक व्यस्त रोड की ओर से फरार हुए। वहीं, दूसरी वारदात शहर से बाहर सुनसान क्षेत्र में हुई। पहली वारदात 25 जुलाई को जवाहरनगर थाना इलाके में हुई। यहां इंद्रा कॉलोनी में दुर्गा मंदिर के पास एन ब्लॉक निवासी रीटा लीला से बाइक सवार युवकों ने चेन खींच ली थी। एक ही बाइक पर सवार चार युवक वारदात के बाद मौके से फरार हो गए थे। खास बात यह है कि घटनास्थल के पास कई जगह सीसीटीवी कैमरे भी लगे हुए थे लेकिन आरोपियों का सुराग नहीं लग पाया। दूसरी घटना सदर थाना क्षेत्र में 4 अगस्त को राधा स्वामी डेरे के पीछे सुनसान जगह पर हुई। यहां बाइक सवार आरोपियों ने होमलैंड 2 निवासी गायत्री से हाथापाई कर चेन और पर्स छीन लिया था। महिलाओं के शोर मचाने पर आसपास के लोग इकट्ठे हुए लेकिन आरोपी भागने में कामयाब हो गए। इसे लेकर सदर थाना में केस दर्ज हुआ लेकिन आरोपी पुलिस की गिरफ्त में नहीं आए। बाइक सवार युवकों की ओर से चेन स्नेचिंग की घटनाओं को देखते हुए पुलिस ने संदिग्ध वाहन चालकों के खिलाफ विशेष अभियान भी चलाया। इसके तहत बिना नंबर वाले बाइक्स के चालान काटे गए। इसके अलावा मुंह ढांपकर बाइक चलाने वालों पर भी पुलिस का फोकस रहा। इन लोगों से भी मोटर व्हीकल एक्ट के तहत जुर्माने वसूले गए। दस्तावेजों की कमी के चलते कई बाइक्स सीज भी किए गए लेकिन चेन स्नेचिंग में शामिल आरोपियों का कोई सुराग नहीं मिला। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगाञ्चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देने वाले युवकों की तलाश की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज व अन्य तकनीकी माध्यम से जांच हुई है। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

ब्यावर में मोड़ पर तेज रफ्तार बस पलटी, 30 घायल, महिला और एक बच्चे का हाथ कटा, लोगों ने अस्पताल पहुंचाया

अजमेर, 11 अगस्त। ब्यावर-जोधपुर हाईवे पर गोल चौराहे के पास तेज गति से मोड़ते समय प्राइवेट बस पलट गई। इस दौरान बस का टायर भी फट गया।

इसमें सवार करीब 30 से ज्यादा सवारियां चोटिल हुई हैं। इसमें से 18 को ब्यावर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बस हरिद्वार से लौट रही थी। हादसे में एक महिला और बच्चे का हाथ कट गया है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों ने एक्सीडेंट देख अपनी गाड़ियां रोक कर मदद की और सवारियों को बस से बाहर निकाला।

घायलों में बच्चे व महिलाएं शामिल हैं। हादसे के बाद ड्राइवर और कंडक्टर मौके पर से फरार हो गए। वहां से गुजर रहे वाहन चालकों ने अपने वाहनों से अस्पताल पहुंचाया। बाद में एम्बुलेंस भी पहुंच गई। घायलों को एम्बुलेंस से ब्यावर अमृत कौर अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना के बाद साकेत नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई।

प्रत्यक्षदर्शी शुभम जोशी ने बताया- वे अहमदाबाद जा रहे थे। हाईवे पर मोड़ते समय बस की स्पीड तेज थी और अचानक पलट गई। इस दौरान टायर भी फट गया। यात्रियों से बात की तो बताया कि बस ड्राइवर ओवर स्पीड में बस चला रहा था और उसे टोका भी लेकिन नहीं माना। दुर्गाराम (13) बड़ली, जोधपुर और पुष्पा कंवर (47) सोजत का हाथ कटा है। घायलों में बालेसर निवासी पूनाराम, बड़ली जोधपुर निवासी रीतू, धापू देवी, सोजत निवासी चंदनी बाई चौपड़ा, पाली निवासी मांगीदेवी, भंवर देवासी, अनन्दाराम, बालोतरा निवासी मोडाराम, डोरयावास निवासी चन्द्राराम, देवलियाकला निवासी पायल, प्रदीप, प्रहलाद, पीपाड़सिटी निवासी राहुल हैं।

बाड़मेर के किसान दंपती 15 अगस्त समारोह में दिल्ली जाएंगे

बाड़मेर, 11 अगस्त। बाड़मेर जिले के बाटाडू झाक निवासी पति-पत्नी को 15 अगस्त को दिल्ली लाल किले पर आयोजित होने वाले समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रण मिला है। इन दोनों ने पारंपरिक खेती के साथ-साथ औषधीय खेती और पशुपालन को अपनाया, साथ ही सरकारी स्कीम का लाभ उठाया था। साथ ही दूसरों के लिए एक मिसाल कायम की है।

दंपती को सरकार की ओर से जोधपुर से दिल्ली तक हवाई मार्ग से पहुंचाया जाएगा। दरअसल, जिले की बाटाडू तहसील की ग्राम पंचायत झाक निवासी किसान डॉ. देवाराम पंवार और उनकी धर्मपत्नी बीते कई सालों से पारंपरिक खेती के साथ-साथ औषधीय खेती और आधुनिक पशुपालन कर रहे हैं। इन्होंने केंद्र और राज्य की अलग-अल योजनाओं का प्रभावी ढंग से लाभ उठाया। उन्होंने खेतों में उगाई गई औषधीय फसलें और उन्नत पशुपालन के तरीके देशभर के किसानों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हे। उन्होंने न केवल अपनी इनकम बढ़ाई बल्कि अपने अनुभव और नॉलेज से अन्य किसानों के साथ साझा कर उन्हें भी आगे बढ़ने में मदद की है। यह सम्मान उन किसानों की कड़ी मेहनत और लगन का प्रतीक है, जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी कृषि क्षेत्र में नवाचार ला रहे हैं। एक सीमावर्ती जिले के किसान की ओर से इस तरह की सफलता हासिल करना, पूरे राजस्थान के लिए गर्व की बात है। डॉ देवाराम पंवार और धापू की कहानी यह संदेश देती है कि समर्पण और सही दिशा में किए गए प्रयासों से किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल की जा सकती है। इस आमंत्रण से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय नेताओं और किसानों ने इस उपलब्धि पर देवाराम और धापू को बधाई दी है और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। यह सम्मान निश्चित रूप से अन्य किसानों को भी प्रेरित करेगा कि वे नई तकनीकों को अपनाकर कृषि को और अधिक लाभदायक बनाएं।

चार महिलाओं समेत सात चोरों को किया गिरफ्तार

उदयपुर, 11 अगस्त। मावली में सोने की चेन तोड़ने के बाद उदयपुर में घुसी एक गैंग की 4 महिलाओं सहित 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) और सूरजपोल थाना पुलिस ने ये कार्रवाई की।

ये सभी शहर में भी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में थे। डीएसटी प्रभारी श्याम सिंह रतनू ने बताया कि बीती रात उदयपोल स्थित सेंट्रल बस स्टैण्ड के पीछे कुछ संदिग्ध लोगां के होने की सूचना मिली थी। इस पर थाना पुलिस के साथ दबिश दी गई। वहां एक बोलेरो में कुछ लोग बैठे हुए थे। उनसे पूछताछ की गई तो सामने आया कि वे मावली में चेन स्नेचिंग कर आए हैं। इसके बाद सिरोही के स्वरूपगंज निवासी बाबूलाल कालबेलिया, रोशन कालबेलिया, बिंदिया कालबेलिया, हेमलता कालबेलिया, सुंदर बाई, आबू रोड निवासी विजय बंजारा और गोवर्धन विलास निवासी मनीषा को गिरफ्तार किया है। इनसे चेन काटने के औजार, चाकू, मोबाइल और कार जब्त की है। रक्षाबंधन के चलते भीड़ वाले इलाकों में ये वारदात करने की फिराक में थे। गैंग की महिलाएं भी कम नहीं हैं। इन पर 11 तक केस दर्ज हैं। सुंदर बाई के खिलाफ चोरी, आर्म्स एक्ट के 11, बाबूलाल पर लूट, मारपीट, चोरी, आर्म्स एक्ट के 5, रोशन पर जानलेवा हमले, चोरी के 2 और मनीषा पर लूट के केस दर्ज हैं। पुलिस पूछताछ में कई खुलासे होने की संभावना है।

स्वामी कृष्णानंद आचार्य का जीवन प्रेरणा पुंज

बीकानेर, 11 अगस्त। बिश्नोई समाज और साहित्य प्रेमियों ने जाम्भाणी साहित्य अकादमी बीकानेर के संस्थापक अध्यक्ष स्वामी कृष्णानंद आचार्य का 75वां जन्मदिवस हीरक जयंती महोत्सव ऋषिकेश में धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर महंत शिवदास शास्त्री ने कहा कि साहित्य किसी समाज का दर्पण होता है, जैसे दर्पण में अपना मुख दर्शन किया जाता है वैसे ही समाज के साहित्य में उस समाज का दर्शन होता है। बिश्नोई समाज के साहित्य को जाम्भाणी साहित्य कहा जाता है।

यह पिछली पांच शताब्दियों में लिखा गया है, इसमें बिश्नोई पंथ के संस्थापक जम्भेश्वर की वाणी और उनके हजूरी तथा परवर्ती जाम्भाणी संतों की वाणियां संकलित है। जाम्भाणी साहित्य केवल राजस्थानी ही नहीं अपितु भारतीय साहित्य की अमूल्य निधि है। स्वामी कृष्णानंद आचार्य ने अपना पूरा जीवन इस साहित्य के संरक्षण, संवर्धन, संपादन प्रकाशन में समर्पित कर दिया। आचार्य का जीवन हम सबके लिए प्रेरणा पुंज है।

पहले इन्होंने व्यक्तिगत प्रयास और फिर जाम्भाणी साहित्य अकादमी की स्थापना करके संस्थागत स्तर पर कार्य किया है।

दूसरे की जमीनें बेचकर 35 लाख रुपए हड़पे, 7 नामजद

उदयपुर, 11 अगस्त। सवीना थाना क्षेत्र में दूसरे की जमीन बेचकर 35 लाख रुपए हड़पने का मामला सामने आया है। इसमें सात आरोपियों को नामजद किया गया है। पुलां के फ्लोरा कॉम्पलेक्स निवासी पल खमेसरा ने रिपोर्ट दी कि परिचित अनिल शर्मा ने डाकन कोटड़ा में 2.9250 हेक्टेयर जमीन दिखाई। इस पर कोई विवाद नहीं होना भी बताया। उन्होंने 7 जून, 2022 से लेकर इस साल 14 अप्रैल के बीच जमीन के अलग-अलग हिस्से के 9 सौदे किए। बदले में 35 लाख रुपए दिए। गत मई में अमर सिंह सांखला ने बताया कि जमीन उनके ससुर व खातेदार प्रेम सिंह सोलंकी की पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए बेची गई है, जबकि उनकी मृत्यु 6 साल पहले हो चुकी है। पावर ऑफ अटॉर्नी पिछले साल एक अगस्त को मनीष खराड़ी के पक्ष में बनाई गई है। प्रेम सिंह की जगह डमी व्यक्ति को खड़ा कर जमीन उनके नाम करवाई गई। इसी तरह अन्य जमीनों के खातेदार कोई और हैं, जिनकी जगह डमी व्यक्ति खड़ा कर जमीन उनके नाम करवाई। मनीष खराड़ी, शयान शेख, राहुल सोनी, सिकंदर परमार, हेमंत सोनी और मयंक शर्मा फर्जी गवाह बने। पुलिस के अनुसार भट्ट जी की बाड़ी निवासी ज्योति सहगल ने रिपोर्ट दी कि साल 2016 में पति सुधीर सहगल ने एसबी मिनरल्स कंपनी के नाम से बैंक लोन लिया था। इसके बदले बेदला का मकान गिरवी रखा। साल 2021 में सुधीर की मृत्यु हो गई। लोन के 7.50 करोड़ की वसूली के लिए साल 2023 में बैंक ने मकान की नीलामी शुरू की। तब बेटे शारन के दोस्त दक्ष शर्मा ने बताया कि उसके पिता व ताऊ की बैंक में पहचान है, जो लोन राशि कम करवा देंगे। जनवरी 2024 में दक्ष ने पिता राजेश शर्मा से मिलवाया। राजेश ने दिल्ली के रहने वाले दिनेश से फोन पर बात करवाई। उसने लोन राशि 7.50 करोड़ से कम करवाकर 5 करोड़ तक लाने का आश्वासन दिया। इसके बदले 50 लाख रुपए मांगे। ज्योति ने इतनी राशि होने से इनकार किया तो दिनेश 25 लाख रुपए में काम करवाने पर तैयार हो गया। पिछले साल फरवरी में उन्होंने ये राशि उसे दे दी। कुछ दिनों बाद लोन के लिए पूछने पर सभी आरोपी झांसा देते रहे। बार-बार कहने पर धमकियां दी।

मथुरा में अध्यात्म में लीन हुए गुरमीत और देबिना

प्रेमानंद महाराज से लिया आशीर्वाद

अभिनेता गुरमीत चौधरी और देबिना बोनर्जी, दोनों हाल ही में परिवार संग छुट्टियां मनाने मथुरा पहुंचे। वहां उन्होंने वृंदावन के आध्यात्मिक वातावरण का आनंद लिया।

इस कपल ने मंदिरों के दर्शन से लेकर आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज जी से मुलाकात भी की। गुरमीत और देबिना की यह यात्रा आशीर्वाद, भक्ति और खास पलों से भरी रही।

दोनों ने इंस्टाग्राम पर इस आध्यात्मिक यात्रा की कुछ झलकियां साझा कर पोस्ट में लिखा, ﾠमथुरा ने हमें इतना प्यार और आशीर्वाद दिया! यह यात्रा हमारे लिए बहुत शानदार रही—वृंदावन होम टावर्स में ठहरने से लेकर हरे राम हरे कृष्ण की मधुर धुनें सुनने तक, सब कुछ बहुत शांतिपूर्ण और प्रेम से भरा हुआ था। हमें खुशी है कि हमारे छोटे बच्चे मंदिरों को देख सके और वहां की आध्यात्मिक ऊर्जा को महसूस कर पाए। हमें प्रेमानंद महाराज जी से मिलने का भी अवसर मिला, जिनकी बातें हमारे दिल को छू गईं। इस सुंदर जीवन के लिए दिल से आभारी हूं। धन्यवाद, मथुरा!

तस्वीरों में गुरमीत और देबिना अपने बच्चों के साथ मंदिरों के अंदर आशीर्वाद लेते और तस्वीरें खिंचवाते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह भगवान कृष्ण की मूर्ति को झूला झुला रहे हैं और एक गाय को चारा खिला रहे हैं। एक क्लिप में प्रेमानंद महाराज जी गुरमीत को शांति और श्रद्धा के साथ भगवान का नाम जपने की सलाह देते नजर आए।

फिलहाल गुरमीत और देबिना रियलिटी शो पति पत्नी और पंगा में नजर आ रहे हैं। इससे पहले गुरमीत और देबिना ने आईएएनएस से बातचीत की थी। जिसमें अभिनेता से इस शो को करने की वजह पूछी गई। अभिनेता ने कहा, यह सब मजे के लिए किया और ये असल जिंदगी की बहसों से बचने का एक तरीका भी था।

गुरमीत ने कहा, ﾠमेरे लिए तो बड़ी वजह देबिना है। हम दोनों हमेशा शूटिंग में व्यस्त रहते हैं, और ये एक अच्छा मौका है कि हम 24 घंटे एक-दूसरे के साथ रहेंगे। अभिनेता ने मजाकिया अंदाज में कहा, फिर चाहे लड़ाई क्यों न हो जाए, और अगर लड़ाई कैमरे के सामने हो जाए, तो घर पर झगड़े नहीं होंगे, क्योंकि सच बताऊं तो मेरे अंदर घर पर देबिना से बहस करने की हिम्मत नहीं है।

पति पत्नी और पंगा शो की मेजबानी एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे और कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी कर रहे हैं। यह शो 2 अगस्त को कलर्स टीवी पर शुरू हुआ।

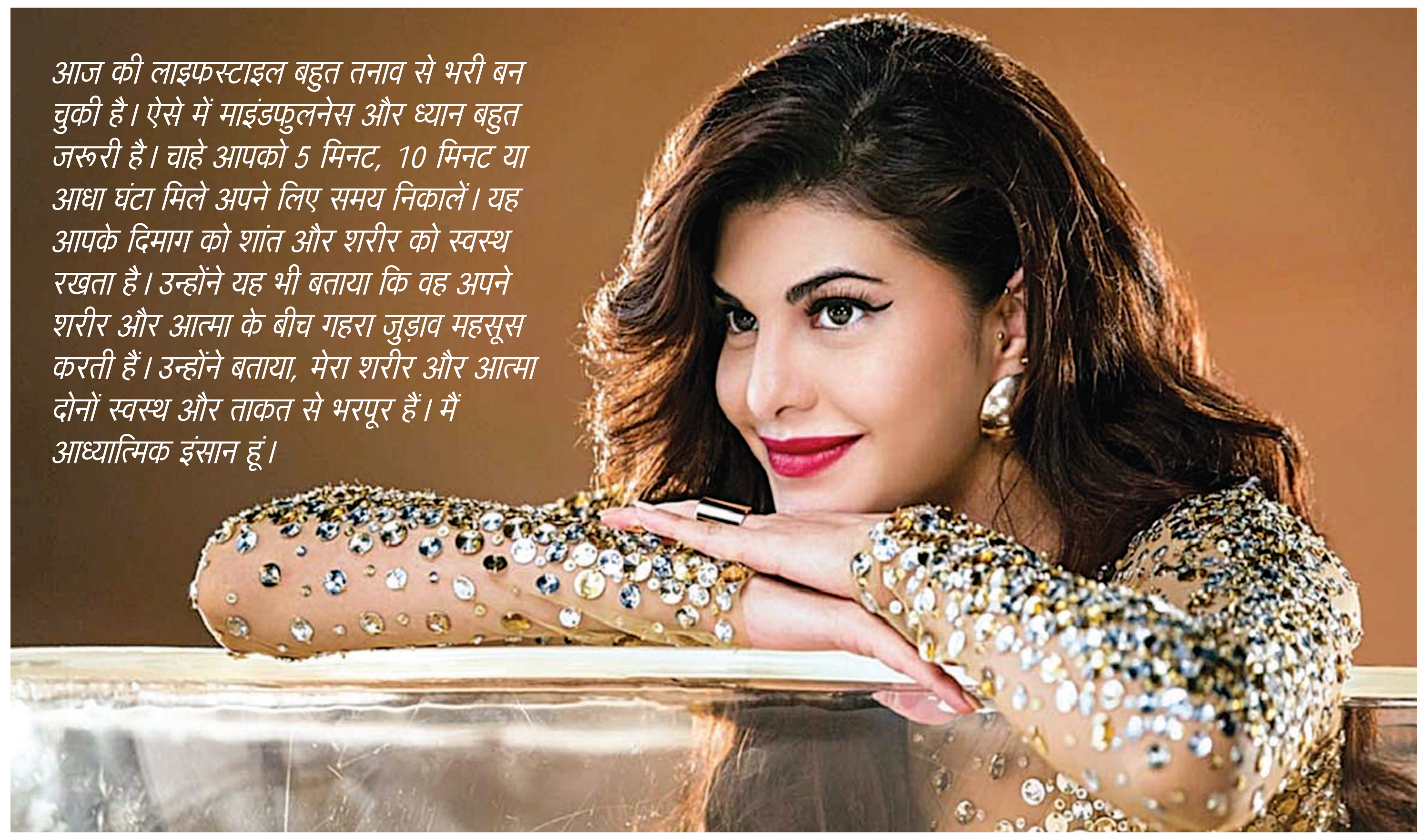

5 हो या 10 मिनट, खुद के लिए जरूर निकालें समय : जैकलीन फर्नांडीज

एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज ने आज की तेज-रफ्तार दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य और खुद के देखभाल के महत्व पर बात की। भोपाल में आयोजित एक इवेंट में पहुंचीं एक्ट्रेस ने बताया कि छोटी-छोटी आदतें जैसे मेडिटेशन और माइंडफुलनेस जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकती हैं।

जैकलीन ने कहा, आज की लाइफस्टाइल बहुत तनाव से भरी बन चुकी है। ऐसे में माइंडफुलनेस और ध्यान बहुत जरूरी है। चाहे आपको 5 मिनट, 10 मिनट या आधा घंटा मिले अपने लिए समय निकालें। यह आपके दिमाग को शांत और शरीर को स्वस्थ रखता है। उन्होंने यह भी बताया कि वह अपने शरीर और आत्मा के बीच गहरा जुड़ाव महसूस करती हैं। उन्होंने बताया, मेरा शरीर और आत्मा दोनों स्वस्थ और ताकत से भरपूर हैं। मैं आध्यात्मिक इंसान हूं।

जैकलीन की गिनती उन हस्तियों में की जाती है जो मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करती हैं। इसके साथ ही, वह अपने फैंस को खुश रहने और तनाव दूर करने का उपाय भी देती हैं। एक इंटरव्यू में अभिनेत्री ने बताया था कि वह डिप्रेशन के दौर से गुजर चुकी हैं। अभिनेत्री ने बताया था कि इनसे निकलने में योग और ध्यान बेहद फायदेमंद रहे हैं।वह सोशल मीडिया पर अक्सर फैंस के लिए स्वास्थ्य से जुड़े पोस्ट शेयर करती रहती हैं।

एक पोस्ट में उन्होंने बताया कि कैसे घर पर खुद को फिट और हेल्दी रखा जा सकता है। तस्वीर में वह प्राणायाम करती नजर आईं। उन्होंने इस फोटो के साथ बताया कि प्राणायाम हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। सभी को इसे अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना चाहिए।

वर्कफ्रंट की बात करें तो जैकलीन हालिया रिलीज कॉमेडी फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आईं, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे एक्टर्स अहम भूमिकाओं में हैं।

साजिद नाडियाडवाला के बैनर नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत बनी यह फिल्म 6 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

लंदन में हॉलिडे एंजॉय कर रहीं आलिया भट्ट

बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट सोशल मीडिया के जरिए फैंस से कनेक्टेड रहती हैं। आलिया सोशल मीडिया पर अपने जीवन के कुछ खास पलों को फैंस के लिए शेयर भी करती हैं। इसी बीच अभिनेत्री ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह एक कुर्सी पर बैठी कॉफी का आनंद लेती नजर आ रही हैं।

अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, परफेक्ट मॉर्निंग्स। साथ ही उन्होंने कॉफी और सूरज के स्टिकर भी लगाए। आलिया ने उस होटल को भी टैग किया, जहां वह लंदन में रुकी हुई थीं। उन्होंने अपनी स्टोरी के बैकग्राउंड में काली उचिस का गाना ऑल आई कैन से भी ऐड किया।

कुछ समय पहले अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह ट्रवर्ल करती नजर आ रही हैं, और अनुमान लगाया जा रहा है कि उनका ये वीडियो रणवीर बना रहे हैं।

इस रील में आलिया के कई लुक्स नजर आते हैं। कभी वह एक आरामदायक स्वेटर में दिखती हैं, कभी क्लासिक सफेद टीशर्ट में, कभी ट्यूब टॉप में और एक जगह उन्होंने रणबीर की क्लोदिंग ब्रांड वाली कैप भी पहन रखी है।

आलिया भट्ट की पिछली फिल्म जिगरा थी। इस फिल्म में उन्होंने सिर्फ मुख्य किरदार ही नहीं निभाया, बल्कि इसे प्रोड्यूस भी किया था। फिल्म की कहानी एक बहन की है, जो अपने भाई को विदेशी जेल से बचाने की कोशिश करती है, जहां उसे झूठे आरोप में बंद कर दिया गया है।

अपकमिंग फिल्म अल्फा में अभिनेत्री शरवरी के साथ एक्शन करती नजर आएंगी। फिल्म में आलिया सुपर एजेंट के किरदार में होंगी। यह एक जबरदस्त स्पाई थ्रिलर (जासूसी फिल्म) है, जिसे शिव रावैल ने डायरेक्ट किया है। अल्फा साल 2025 में क्रिसमस डे पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की सातवीं फिल्म होगी। इस यूनिवर्स की शुरुआत सलमान खान और कैटरीना कैफ की टाइगर से हुई थी।

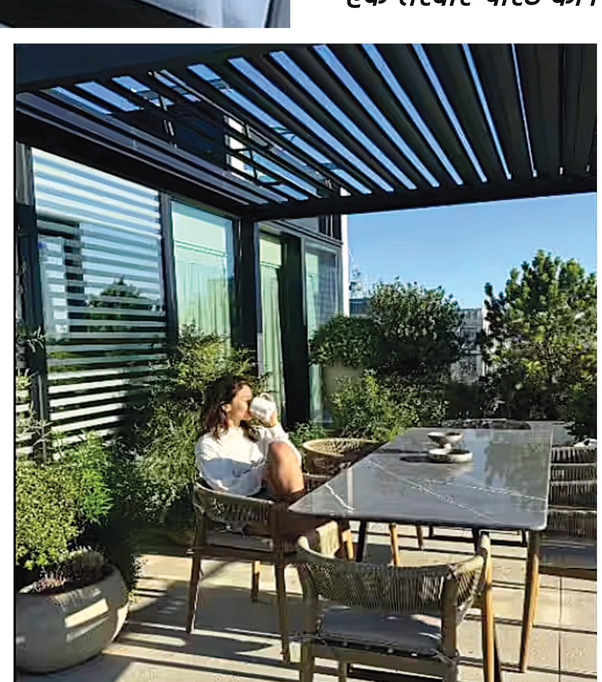

सोमी अली ने संजय दत्त के साथ 'अंदोलन' की शूटिंग के अनुभव को किया याद

अभिनेत्री सोमी अली ने 1995 में रिलीज हुई अपनी फिल्म अंदोलन में संजय दत्त के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया।

अभिनेत्री ने बताया कि 90 के दशक में फिल्मों में गाने और डांस का बोलबाला था, लेकिन उनके लिए यह एक चुनौती थी क्योंकि उन्हें डांस की कोई औपचारिक ट्रेनिंग नहीं मिली थी।

उन्होंने कहा, भारत में कई एक्टर्स को बचपन से ही डांस सिखाया जाता है, क्योंकि यह हमारी संस्कृति का हिस्सा है।

उन्होंने मजाक में बताया कि केवल मशहूर कोरियोग्राफर सरोज खान ही उनसे डांस करवा सकती थीं, क्योंकि वह उनसे डरती थीं।

हालांकि, सोमी के लिए यह सौभाग्य की बात थी कि उनके को-स्टार संजय दत्त थे। उन्होंने फिल्म के गाने दिल तो खोया है यहीं पे कहीं पे की शूटिंग के दौरान अपनी घबराहट को याद किया।

सोमी ने अपने इंस्टाग्राम पर लिखा, संजू (संजय दत्त) सबसे सच्चे, ईमानदार, नेक और जमीन से जुड़े स्टार हैं। जैकी श्रॉफ (जग्गू दादा) की तरह ही वो भी आम लोगों के एक्टर हैं। संजू के अंदर जरा भी घमंड या बुराई नहीं है।

सोमी ने बताया कि गाने की शूटिंग के दौरान वह बहुत घबराई हुई थीं। लेकिन संजय ने उनकी घबराहट को देखकर उनके पास आकर बात शुरू की और माहौल को हल्का किया। संजय ने कहा, चिंता मत करो, मैं भी डांस नहीं कर पाता। बस रिलैक्स करो और मजा लो, क्योंकि हम दोनों इसमें खराब हैं। उनकी इस बात ने सोमी को हंसा दिया और उनकी घबराहट तुरंत छू मंतर हो गई।

सोमी ने आगे कहा, संजय ने मुझसे अमेरिका और वहां बिताए अपने समय के बारे में बात की, जिससे मैं कुछ ही मिनटों में शांत हो गई।

उन्होंने संजय को एक शानदार को-स्टार और बेहद दयालु व्यक्ति बताया। सोमी ने यह भी साझा किया कि उनके पिता के दोस्त के जरिए उन्हें संजय के पिता सुनील दत्त से मिलने का मौका मिला था।

उन्होंने कहा, ये यादें आज भी मेरे लिए ताजा हैं। संजय एक बेहतरीन इंसान और सह-कलाकार हैं। उनकी यह पोस्ट प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

'निशानची' का दमदार टीजर रिलीज, अनुराग कश्यप लेकर आए धांसू कहानी

मशहूर फिल्मकार अनुराग कश्यप की अपकमिंग थिएट्रिकल फिल्म निशानची का आधिकारिक टीजर रिलीज कर दिया गया है। इसमें भावनाओं और ड्रामा का पूरा तड़का है। इसके टीजर में है भरपूर मसाला, इमोशंस, ड्रामा और ढेर सारा स्वैग। अनुराग कश्यप के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म एक दमदार देसी एंटरटेनर लग रही है जिसमें है एक तगड़ा तड़का है एक्शन और ह्यूमर का। इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, तैयारी कर दी है, इमोशन का तड़का, एक्शन का धमाका और गुलेल, कट्टा, गाड़ी-घोड़ा तो है ही। टीजर आउट! 19 सितंबर को होगी रिलीज। टीजर की शुरुआत होती है एक दमदार लाइन से, बिना बॉलीवुड, काउनों जिंदगी कैसे जिए? इसके बाद दिखाई देते हैं फिल्म के कैरेक्टर्स बबलू (ऐश्वर्य ठाकरे), जो एक रंग-बिरंगे लोकल हीरो हैं, और उनके साथ दिखती हैं रिंकू (वेदिका पिंटो), जो हर कदम पर बबलू को टक्कर देती हैं। इसमें बबलू की अम्मा (मोनिका पंवार) और उनका आज्ञाकारी बेटा डबलू हैं, और अंबिका चाचा (कुमुद मिश्रा) भी हैं।

सार समाचार

जर्जर बिजली पोल से खतरा

सोडावास, 11 अगस्त (निसं)। कस्बे के अलवर रोड स्थित जाहरवीर कॉलोनी (हीरो एजेंसी के पास) में लगा एक जर्जर बिजली का पोल क्षेत्रवासियों के लिए जान का खतरा बन चुका है। पोल की हालत काफी समय से खराब है और वह किसी भी समय गिर सकता है। इसके चलते कॉलोनी में दहशत का माहौल बना हुआ है।

स्थानीय निवासी एवं बुजुर्ग रामचरण ग्वारिया ने बताया कि पोल झुक चुका है और उसमें लगी तारें भी ढीली हैं। कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। क्षेत्रवासियों ने कई बार बिजली विभाग को इस पोल को बदलने की मांग की है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

कॉलोनीवासियों का कहना है कि बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों की जान पर बन आई है। जर्जर पोल के आसपास से रोजाना सैकड़ों लोग गुजरते हैं। बरसात के मौसम में स्थिति और भी खतरनाक हो गई है, क्योंकि पानी और करंट का मेल जानलेवा साबित हो सकता है।

शहीद सरदार सिंह राघव को श्रद्धांजलि

बहरोड़, 11 अगस्त (निसं)। भाजपा द्वारा चलाए जा रहे शहीदों के सम्मान अभियान के अंतर्गत रविवार को गांव खोहर स्थित वीर शहीद सरदार सिंह राघव के स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर माजरी मंडल अध्यक्ष अश्वनी टाइगर ने स्मारक स्थल पर पहुंचकर माल्यार्पण किया और शहीद को नमन किया।

कार्यक्रम में शहीद के भाई व पूर्व सरपंच पूरन सिंह को माल्यार्पण कर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। अश्वनी टाइगर ने कहा कि शहीदों को स्मरण करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है और इससे युवाओं में राष्ट्रभक्ति की भावना प्रबल होती है। भाजपा सदैव अपने वीरों के बलिदान को याद करती रही है और करती रहेगी।

इस मौके पर जीएसएस चेयरमैन महेंद्र सिंह, योगेंद्र सिंह राघव, राजपाल सिंह, महावीर सिंह, मान सिंह, पवन राघव, इंद्र सिंह, विकास समेत अनेक गणमान्य और स्थानीय लोग उपस्थित रहे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर शहीद को श्रद्धांजलि दी।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पुतले का दहन

मुंडावर, 11 अगस्त (निसं)। खैरथल तिजारा जिले का नाम भर्तुहरि नगर करने एवं जिला मुख्यालय भिवाड़ी बनाने के प्रस्ताव से आक्रोशित मुंडावर ब्लॉक कांग्रेस के मंडल अध्यक्षों ने रविवार को अपने-अपने मंडलों में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पुतले का दहन किया है।

कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष अखिलेश कौशिक ने बताया कि मुंडावर ब्लॉक कांग्रेस के मंडल ततारपुर ने सुरंग के पास ततारपुर चौराहा शामदा गेट इधर सोडावास मंडल ने सोडावास बस स्टैंड पर जाट बहरोड मंडल ने जाट बहरोड बस स्टैंड पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के पुतले दहन किया है। पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस मंडल कार्यकर्ताओं ने जिले का नाम भर्तुहरि नगर एवं जिला मुख्यालय भिवाड़ी ले जाने के प्रस्ताव की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए प्रस्ताव वापस लेने की मांग की है। वापस नहीं करने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

इस मौके पर ब्लॉक अध्यक्ष अखिलेश कौशिक पूर्व प्रधान रोहीताश्व चौधरी, अधिवक्ता रामवतार चौधरी सहित संबंधित मंडलों के अध्यक्ष व उनकी कार्यकारिणी के सदस्य एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

पौधरोपण से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

बहरोड़, 11 अगस्त (निसं)। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर जहां एक ओर बहनों ने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना की, वहीं दूसरी ओर अर्पण सेवा फाउंडेशन के पर्यावरण उत्सव के अंतर्गत ग्राम कांकर दोपा में स्थित राधा कृष्ण मंदिर परिसर में वृक्षारोपण कर प्रकृति रक्षा का संकल्प भी लिया गया।

प्रकृति आयाम के कार्यक्रम संयोजक राकेश मुच्छल ने बताया कि इस अवसर पर ग्राम की मातृशक्ति के सहयोग से मंदिर परिसर में फलदार और छायादार पौधों त्रिवेणी (बरगद, पीपल, नीम), पीलखन, जामुन, आंवला आदि का पौधरोपण किया गया। यह आयोजन रक्षाबंधन जैसे पारंपरिक पर्व को एक नई सामाजिक सोच से जोड़ने का प्रयास है, जहां बहनों ने न केवल भाइयों की सुरक्षा की कामना की, बल्कि प्रकृति संरक्षण की भी जिम्मेदारी उठाई।

इस दौरान कार्यक्रम में गोटी देवी, लाली देवी, रामकला देवी, मिश्रा देवी, भगवती देवी, विमला देवी सहित दयाराम, रामकिशन हवलदार, मंगलम, डॉ. सरजीत, सुदेश पाल मास्टर, नरेश नेताजी, कृष्णा, गोलू, मीनाक्षी, दीक्षा बाबू आदि लोग उपस्थित रहे। समाजसेवियों ने इस पहल को पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने वाला कदम बताया और फाउंडेशन की इस मुहिम की सराहना की।

शहीदों की वीरांगनाओं और परिजनों का सम्मान

किशनगढ़बास, 11 अगस्त (निसं)। रभारतीय जनता पार्टी मंडल किशनगढ़बास के तत्वावधान में क्षेत्र के विभिन्न गांवों में देश की रक्षा हेतु अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी वीरांगनाओं और परिजनों का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य रामहेत सिंह यादव एवं जिलाध्यक्ष महासिंह चौधरी सहित अनेक गणमान्य लोगों ने शहीद स्मारकों पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम के दौरान 'भारत माता की जय' और शहीदों के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। ग्रामीणों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम नई पीढ़ी को देशसेवा और बलिदान के महत्व से परिचित कराते हैं।

नेता प्रतिपक्ष के निर्वाचन क्षेत्र भर्तृहरि धाम के मैन रोड को अभी भी मरम्मत का इंतजार

अवधेश सिंह

अलवर, 11 अगस्त (निसं)। राज्य विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता टीकाराम जूली के निर्वाचन क्षेत्र में प्रसिद्ध लोकदेवता भर्तृहरि के 20 किलोमीटर जीर्ण-शीर्ण क्षतिग्रस्त मार्ग को विगत आठ वर्षों से मरम्मत का इंतजार है।

जगह-जगह गहरे गड्ढे और उखड़ी हुई सड़कें श्रद्धालुओं की राह मुश्किल बना रही हैं, लेकिन सार्वजनिक निर्माण विभाग की उदासीनता के चलते अब तक मरम्मत कार्य शुरू नहीं हो पाया है। अलवर से अहिंसा सर्किल, उमरैण, अकबरपुर, नटनी का बारां होते हुए आगे कुशालगढ़ तिराहा से बाबा भर्तृहरि धाम तक के मार्ग पर जगह-जगह गहरे गड्ढे हैं। वहीं, मालाखेड़ा रेलवे स्टेशन से लेकर स्टेट हाईवे-25 और स्टेट हाईवे-44 पर भी श्रद्धालुओं को सड़क ढूंढ़नी पड़ रही है।

मालाखेड़ा रेलवे स्टेशन और सुभाष चौक क्षेत्र में भी गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों और पैदल आने-जाने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अहिंसा सर्किल से अकबरपुर तक का रास्ता इतना जर्जर है कि यहां से गुजरते वाहन हिचकोले खाते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बढ़ गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मेले में लाखों श्रद्धालु मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और गुजरात से आते हैं। यदि सड़कों की मरम्मत जल्द नहीं हुई, तो श्रद्धालुओं को भारी दिक्कत के साथ-साथ जिले की छवि पर भी नकारात्मक असर पड़ेगा।

सड़कों की मरम्मत के लिए सद्बुद्धि यज्ञ

अलवर, 11 अगस्त (नसं)। भर्तृहरि बाबा मंदिर प्रांगण में रविवार को स्थानीय भक्तों और सामाजिक कार्यकर्ता राकेश दायमा के नेतृत्व में सद्बुद्धि यज्ञ का आयोजन किया गया। इस यज्ञ का उद्देश्य सरकार और प्रशासन का ध्यान मंदिर परिसर व आसपास के सांस्कृतिक स्थलों की बदहाल स्थिति, विशेषकर टूटी-फूटी सड़कों, की ओर आकर्षित करना था।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि वर्षों से मंदिर विकास कार्य ठप पड़े हैं, सड़कें जर्जर हो चुकी हैं और भक्त मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। उनका आरोप था कि सरकार धर्म के नाम पर वोट तो लेती है, लेकिन वास्तविक सुधार के लिए ठोस कदम नहीं उठाती।

इस मौके पर हरिओम गुर्जर, लेखराज योगी, कृष्ण चन्देला, कैलाश घांघल, बलराम सैनी, हरिसिंह गिराठी, दीपक शर्मा, आकाश वर्मा, जय यादव, दिलीप गिराठी, हेमसिंह प्रजापत, संतोष योगी, रवि सैनी, कार्तिक शर्मा और सुरेश जांगिड सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सभी ने आहुति देकर सरकार और प्रशासन से जनता की समस्याओं पर तुरंत संज्ञान लेने की अपील की।

भक्तों का कहना था कि भर्तृहरि मेले में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात सहित कई राज्यों से लाखों श्रद्धालु आते हैं। ऐसे में जर्जर सड़कों से होकर उनका गुजरना न केवल असुविधाजनक है, बल्कि अलवर जिले की छवि पर भी नकारात्मक असर डालता है। इसलिए सड़क मरम्मत कार्य जल्द शुरू किया जाना जरूरी है।

स्वामी भक्त वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौड़ की जयंती श्रद्धा से मनाई

अलवर, 11 अगस्त (निसं)। स्वामी भक्त, सनातन संस्कृति के रक्षक और वीर शिरोमणि दुर्गादास राठौड़ की 387वीं जयंती रविवार को होटल स्वरूप विलास में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देने से हुई।

कार्यक्रम में प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील चौहान, शिक्षा समिति के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह राठौड़, शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त नवल सिंह राठौड़ और कार्यक्रम संयोजक सूरजभान सिंह गॉड सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वीर दुर्गादास राठौड़ का जन्म 13 अगस्त 1638 को जोधपुर जिले के सालवा ग्राम में हुआ था। अपने स्वामी के प्रति अद्वितीय निष्ठा और समर्पण के कारण उन्होंने जीवनभर सनातन संस्कृति की रक्षा की और मुगल सम्राट औरंगजेब के सामने कभी घुटने नहीं टेके। उनके घोड़े 'अर्बुद' ने भी कई बार उनकी रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो आबू पर्वत की तरह विशालकाय और बलशाली था।

जयंती अवसर पर क्षत्रिय राजपूत समाज के प्रबुद्ध जनों ने वीर दुर्गादास राठौड़ के जीवन से प्रेरणा लेने, समाज में भाईचारा, प्रेम और शिक्षा के महत्व पर विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर दशरथ सिंह शेखावत, रोहित दास नरूटो, सुबह सिंह, हाकम सिंह, जितेंद्र सिंह, सहदेव सिंह, रूप सिंह, अवधेश सिंह सहित समाज के सैकड़ों सदस्य मौजूद रहे।

वृक्षारोपण व वितरण कार्यक्रम 17 को

अलवर, 11 अगस्त (निसं)। पेड़ लगाओ, जीवन बचाओ अभियान-2025 के तहत श्री लक्ष्मीनारायण मीणा मेमोरियल ट्रस्ट, कानडियावाला एवं टीम सुमन मीणा (TSM) जमवारामगढ़, तहसील जमवारामगढ़, जिला जयपुर द्वारा 17 अगस्त को वृक्षारोपण एवं वृक्ष वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

ट्रस्ट के संरक्षक आईएएस डॉ. हरसाय मीणा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 9:30 बजे कानडियावाला से होगा। इसके बाद क्रमश: 10 बजे गांवली, 10:30 बजे लालवास, 11:30 बजे कवरपुरा, 12 बजे बिरासना, 12:30 बजे रामनगर, 1 बजे आंधी, 2 बजे गुढ़ा-हरूका (महंगी), 2:30 बजे रायसर, 3 बजे देवीतला, 3:30 बजे बहलोड, 4बजे माथासूला, 4:30 बजे सामरेडकला, 5 बजे अनोपपुरा, 5:30 बजे गोपालगढ़ और शाम 6:30 बजे जमवारामगढ़ में कार्यक्रम संपन्न होगा।

वनखंडी महादेव मंदिर पर भंडारा

अलवर, 11 अगस्त (नसं)। गोविंदगढ़ कस्बे स्थित वनखंडी महादेव मंदिर पर द्वितीय विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। ये भंडारा सुबह 11 बजे से शुरू हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के हजारों लोगों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।

विशम्भर दास महाराज ने बताया कि श्री वनखंडी महादेव मंदिर घुसावली गोविंदगढ़ पर श्री रामायण पाठ के सम्पूर्ण होने पर ये भंडारा आयोजित किया गया। इस आयोजन का प्रबंध गोविंदगढ़-रामबास के ग्रामवासियों द्वारा किया गया। प्रतिवर्ष श्रावण मास में इस भंडारे का आयोजन होता है। इसमें क्षेत्र के सभी लोग बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं।

सावन की फुहारों संग लहरिया महोत्सव में झूमीं महिलाएं

बहरोड़, 11 अगस्त (निसं)। रविवार को लायंस क्लब रॉयल की महिला इकाई द्वारा रिजॉर्ट में रंगारंग लहरिया महोत्सव का आयोजन किया गया। इस मौके पर महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा और रंग-बिरंगे लहरिया परिधानों में सज-धज कर भाग लिया।

कार्यक्रम स्थल पर सावन और तीज के उल्लास में लोकगीत, घूमर और लहरिया नृत्य की गूंज सुनाई दी। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और दीप प्रज्वलन से की गई। इसके बाद महिलाओं ने राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हुए घूमर और तीज गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

क्लब अध्यक्ष पवन गुप्ता ने बताया कि महोत्सव का उद्देश्य पारंपरिक संस्कृति को बढ़ावा देना और महिलाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का मंच देना है। कार्यक्रम में मेहंदी प्रतियोगिता, बैलून फुलाओ, टेबल राउंडिंग, म्यूजिकल चेयर जैसी रोचक प्रतियोगिताएं कराई गईं, जिनमें महिलाओं और बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार और उपहार देकर सम्मानित किया गया। रंगीन सजावट और पारंपरिक संगीत ने सावन के मौसम की रौनक को और बढ़ा दिया। सामूहिक नृत्य और एक-दूसरे को तीज-सावन की शुभकामनाएं देकर कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर लायन सोनु गुप्ता, सोनिया गुप्ता, मीरा गोयल, नीतू गोयल, विधि गुप्ता, नेहा जैन, रेखा जैन, बबिता गोयल, रेखा अग्रवाल, माया अग्रवाल, प्रेम बसवाल, लाली यादव, सहित बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे गर्वित अग्रवाल, रियांशी अग्रवाल, रिषभ गुप्ता, रेहांश गोयल, साक्षी बसवाल, रिद्धि यादव उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाया।

विश्व शांति के लिए 21 शिवलिंगों का सामूहिक रुद्राभिषेक

सकट, 11 अगस्त (निसं)। विश्व शांति व क्षेत्र की खुशहाली के उद्देश्य से कस्बे की नदी किनारे स्थित रामेश्वर चार धाम राम एवं श्याम वीर हनुमान मंदिर में रविवार को जय हनुमान जन उपयोग सेवा संस्थान ट्रस्ट सकट के तत्वावधान में श्रद्धालुओं ने 21 शिवलिंगों का सामुहिक रुद्राभिषेक किया गया।

मंदिर के महंत रमाकांत जैमन ने बताया कि शिव रुद्राभिषेक अनुष्ठान के अवसर पर सैकड़ों श्रद्धालु एकत्र हुए। इस पवित्र अनुष्ठान में भगवान शिव का अभिषेक पंचामृत, दूध, शहद और जल से किया गया। ट्रस्ट अध्यक्ष हरिमोहन शाहरा ने बताया कि शिव रुद्राभिषेक का सामुहिक आयोजन बांदीकुई के सुशीला बडाया परिवार की ओर से विश्व शांति व क्षेत्र की खुशहाली व सुख-समृद्धि की कामना के लिए किया गया। शिव रुद्राभिषेक में विद्वान आचार्य एकत्र हुए।

मंत्रोच्चार की मधुर ध्वनि, धूप-दीप की सुगंध और आस्था से ओतप्रोत वातावरण ने पूरे क्षेत्र को शिवमय बना दिया। इस रुद्राभिषेक में पंचामृत, दूध, शहद, जल और बिल्वपत्र से भगवान शिव का अभिषेक किया गया।

आचार्य पं राजेश भांकरी ने बताया कि रुद्राभिषेक एक अत्यंत शक्तिशाली वैदिक अनुष्ठान है,जो पुण्य फल पाने,कालसर्प दोष निवृति, ग्रह क्लेश निवारण, सुख समृद्धि पाने,रोग कष्ट निवृति,व्यापार वृद्धि, वंश वृद्धि विश्व कल्याण एवं सनातन धर्म के प्रचार के लिए किया जाता है।

यह नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त कर सकारात्मकता फैलाने में सहायक होता है। 21 शिवलिंगों पर रुद्राभिषेक करना शिव तत्त्व की विशेष कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ माध्यम है।

पं मनीष महेश्वरा ,जगदीश शर्मा बांदीकुई ने भी रुद्राभिषेक में सहयोग किया। भक्तों ने बड़ी श्रद्धा से रुद्राभिषेक व हवन पूजन कार्यक्रम में भाग लिया। महिलाए पारंपरिक वस्त्र पहनकर आई। वहीं युवाओं ने सेवा और व्यवस्थाओं में योगदान दिया।

इस मौके पर आयोजित भंडारे में श्रद्धालुओं ने पंगत में बैठकर भंडारे की प्रसादी ग्रहण की। इस मौके पर रामावतार गुप्ता, विजय कृष्ण ताम्बी, अंकित झालानी, उमाशंकर मेहरवाल, पंडित रूप किशोर जैमन, बाबूलाल चौबे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सार समाचार

सकट चौथ माता व्रत 12 को

सकट, 11 अगस्त (निसं)। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की चतुर्थी 12 अगस्त मंगलवार को है। इसी दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लम्बी उमर व परिवार की खुशहाली व सुख समृद्धि की कामना के लिए संकष्टी चतुर्थी व्रत रखेंगी और सकट कस्बे के प्राचीन चौथ माता मंदिर में पहुंच कर श्रद्धा व भक्ति भाव के साथ विधिवत चौथ माता की प्रतिमा के समक्ष पूजा अर्चना कर माता की कहानी सुनकर चौथ माता मंदिर में मत्था टेक चौथ माता से पति की लम्बी उमर के साथ ही परिवार की सुख समृद्धि व खुशहाली की कामना करेगी।

मंदिर के महंत मुकेश पाराशर ने बताया कि संकष्टी चतुर्थी व्रत को लेकर मंदिर में तैयारियो की जा रही है। उन्होंने बताया कि सकट चौथ व्रत पर कस्बे व आस पास के गांवो के अलावा अलवर, दौसा, जयपुर, सीकर, हरियाणा, दिल्ली, पंजाब सहित अन्य कई प्रांतों से श्रद्धालु चौथ माता के दर्शनों एवं पूजा अर्चना के लिए पहुंचते हैं।

जिला मुख्यालय खैरथल से भिवाड़ी ले जाने का भारी विरोध

मुंडावर, 11 अगस्त (निसं)। मुंडावर यादव विकास समिति ने रविवार को कृष्ण जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में मिलन समारोह मनाते हुए कार्यक्रम में जिला मुख्यालय खैरथल से भिवाड़ी ले जाने का पुरविरोध किया है।

यादव विकास समिति अध्यक्ष घमंडीलाल की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में शादी व मृत्यु भोज में अनावश्यक खर्चे पर रोकथाम लगाने, समाज के कार्यालय के लिए मुख्यालय पर जमीन का प्रबंधन करने सहित समाज के प्रतिभावान को सम्मानित करने के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करने की रूपरेखा बनाई गई।

कार्यक्रम में समाज के वक्ताओं ने खैरथल तिजारा जिले का नाम भर्तुहरि रखने पर उन्हें कोई आपत्ति नही जताई। लेकिन जिला मुख्यालय भिवाड़ी ले जाने की समाज ने सर्वसम्मति से घोर निंदा की है। कार्यक्रम में ही निर्णय लिया गया कि यदि इस तरह की हिमाकत की गई तो समाज कोटकासिम, तिजारा सहित खैरथल यादव समाज की समिति गठित कर आंदोलन सहित चुनाव बहिष्कार करने की भी बात कही। कार्यक्रम में प्रतिभा सम्मान समारोह 23 अक्टूबर को आयोजित करने पर भी विचार विमर्श किया गया। अहीर रेजीमेंट बनाने का अभियान का धीमा पड़ने पर भी चिंता जताई गई।

बैठक में इस मौके पर अध्यक्ष घमंडी लाल के अलावा पूर्व अध्यक्ष रामकिशन, सूबेदार लालाराम, जगदीश सिरोड, राकेश गढ़ी, सरपंच रामपाल, सुबेसिंह नाहरखेड़ा, रूपेश हवेली, मनीष मुंडनवाड़ा, एडवोकेट अनिल, सुल्तान सियाखोह, गिर्राज रड़वा, सिंगाराम अमीन, सुरेश बल्लूवास, फूलसिंह तिनकिरूड़ी, राधेश्याम मढ़ा, दयाराम, रुड़ाराम, कृष्णकुमार, सुमेर, हरिराम सहित यादव समाज के अन्य लोग मौजूद रहे।

रानोठ में चबूतरे वाले बाबा का भंडारा संपन्न

मुंडावर, 11 अगस्त (निसं)। क्षेत्र के गांव में रानोठ में रविवार को चबूतरे वाले बाबा का विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। भंडारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता इन्द्र यादव समाजसेवी रहे। अध्यक्षता भाजपा के जिलाअध्यक्ष महा सिंह चौधरी ने की।

कार्यक्रम में इन्द्र यादव ने चबूतरे वाला बाबा को एक संत बताते हुए उनके आशीर्वाद की आवश्यकता है। ऐसे ही बाबाओ के आशीर्वाद से क्षेत्र में सुख शांति अमन चैन बना हुआ है। अध्यक्षता कर रहे भाजपा के जिला अध्यक्ष महा सिंह चौधरी ने कहा कि ऐसे प्रोग्रामों से हमारे क्षेत्र में आपसी भाईचारा बना रहता है।

विशिष्ट अतिथि भाजपा के जिला महामंत्री एवं राजस्थान विश्वविद्यालय की अध्यक्ष रहे पवन यादव ने कहा कि युवा गलत संगत में नहीं जाकर शिक्षित होकर क्षेत्र, गांव व समाज का नाम रोशन करें। इस मौके पर सरपंच संतोष बिल्लू ततारपुर, सुंदर चौधरी, विजय सिंह, नानक चंद, शिवराम कैप्टेन, रूड़ाराम, चरणसिंह, राजाराम, कुलदीप पंच व आसपास के समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे।

शहीदों के सम्मान में 95 यूनिट रक्त संग्रहित

अलवर, 11 अगस्त (निसं)। रविवार को राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में जीवनधारा ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में कुल 95 यूनिट रक्त का संग्रह किया गया।

यह आयोजन स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में शहीदों के सम्मान में किया गया, जिसमें कई महिला और पुरुष प्रतिभागियों ने अपने जीवन का पहला रक्तदान किया। वहीं, कुछ रक्तवीरों ने इस अवसर पर 32वीं बार रक्तदान कर मिसाल पेश की।

शिविर की अध्यक्षता अतिरिक्त जिला कलक्टर ऐश्वर्यम प्रजापति ने की। राष्ट्रीय प्रजापति महासंघ के जिला अध्यक्ष रामनिवास प्रजापत ने बताया कि समाज और राष्ट्रहित में संगठन ऐसे आयोजन पहले भी करता आया है और आगे भी जारी रखेगा। कार्यक्रम के दौरान सुखवीर प्रजापत, बलवीर प्रजापती और सह संयोजक मुकेश प्रजापत ने युवाओं को संबोधित करते हुए शहीदों की याद में रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर रामनिवास प्रजापति बोलनी वाले, प्रकाश प्रजापत, प्रभुलाल, भारत, सतीश, राकेश, राजीव, रूपेश, डॉ. रवि यादव, सीताराम, कालूराम, दीपचंद, डॉ. कुलदीप, दौलतराम, तोतीराम, पप्पूराम, चंद्रशेखर, राजेश, दिनेश, धर्मवीर जाटव, भुवनेश जैसवाल, चंदन राजपूत और विक्रम प्रजापति सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। सभी रक्तवीरों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया।

नेता प्रतिपक्ष ने की जनसुनवाई

अलवर, 11 अगस्त (निसं)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने रविवार को मोती डूंगरी स्थित कार्यालय पर जनसुनवाई की, इस दौरान बड़ी संख्या में अपनी परिवेदनाएं लेकर पहुंचे लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें आश्वस्त किया। जूली बोले भारतीय जनता पार्टी के राज में अलवर सहित पूरे राजस्थान की जनता में हाहाकार मचा हुआ है।

उन्होंने कहा कि पानी बिजली जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए आमजन सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट कर थक गया है। बिजली की अघोषित कटौती से न केवल किसान, व्यापारी बल्कि आमजन का जीवन पूरी तरह त्रस्त है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार में मंत्री केवल उद्घाटन शिलान्यास में व्यस्त होकर मीडिया की सुर्खियां बटोर रहे हैं, जबकि धरातल पर जनता के लिए कोई काम नहीं किया जा रहा।

उन्होंने कहा कि विश्व पटल पर अपनी विशेष पहचान बना चुके हैं सरिस्का को उजाड़ने की तैयारी इस सरकार के मंत्रियों ने की लेकिन सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद उनके अरमानों पर पानी सा फिरता नजर आया और अब इस बात को और हवा ना लगे इसे देखकर अब खैरथल तिजारा जिले को अब भर्तृहरि नगर नाम लेकर जनता को नया मुद्दा पकड़ा दिया है, ताकि उनके कारनामों पर पर्दा डल सके।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सरोज शर्मा के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल.टॉवर3-ए, विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित करा कर सांध्य ज्योति दर्पण कार्यालय केडलगंज , अलवर से प्रकाशित है। संपादक सी.पी. सैनी, फोन नं. 0144-2335105, 2701531 जयपुर कार्यालय : संसार चन्द्र रोड, जयपुर, सम्पादक : महेन्द्र यादव - फोन : 2364412, 2361816, फैक्स : 0141-2361816। नागौर कार्यालय - 1/44 व्यास कॉलोनी, नागौर - सम्पादक : रमेश जैन, फोन : 240071 फैक्स- 01582-240071, भरतपुर कार्यालय - कोतवाली रोड, भरतपुर- सम्पादक : जगदीश अग्रवाल, फोन : 223780, पोस्टल रजि.नं. आरजे-779, आरएनआई नं. 48648/90